हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 28 दिसंबर 2025

सीएम डॉ. यादव ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सलमान ने मनाया 60वां जन्मदिन, पहुंचे कई दिग्गज

मुंबई। एक्टर सलमान खान ने 60वां जन्मदिन मनाया। उनका बर्थडे शुक्रवार देर रात पनवेल

स्थित फॉर्म हाउस पर मनाया गया। इसमें क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी पहुंचे। पार्टी में परिवार के अलावा संजय दत्त, संगीता बिजलानी और करिश्मा कपूर समेत कई सेलिब्रिटी शामिल हुए। सलमान ने आधी रात को फॉर्महाउस के बाहर केक काटा।

जीडीपी 7.4% तक रहने का अनुमान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने की राह पर है। विशेषज्ञों के

अनुसार, इस वर्ष देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके पीछे बिजली की मांग में इजाफा, खनन और निर्माण गतिविधियों में विस्तार तथा त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ता खपत में बढ़ोतरी प्रमुख कारण हैं।

अब न्यू ईयर तक तेज सर्दी का दौर

प्रदेश में पहली बार पारा 3 डिग्री के नीचे

मंदसौर 2.9...भोपाल 4.6 डिग्री

रायसेन किले से ली गई तस्वीर

6 जिलों में पारा 5 डिग्री से कम, 7 जिलों में कोल्ड वेव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में सर्दी के तेवर शनिवार से फिर तीखे हो गए हैं। यह तेवर अब इस साल यानि अगले तीन दिन कम नहीं होंगे। 1 जनवरी 2026 से सर्दी में और बढ़त हो सकती है। शनिवार को करीब एक सप्ताह बाद भोपाल में रात का पारा 6 डिग्री से नीचे आया है, जबकि प्रदेश में सीजन में पहली बार 3 डिग्री से कम तापमान दर्ज हुआ है। भोपाल में इससे पहले 20 दिसंबर को न्यूनतम पारा 6.2 डिग्री रहा, जबकि शनिवार को 4.6 डिग्री रहा है। यह नॉर्मल से 6.1 डिग्री कम है। यहां तीव्र शीतलहर का असर रहा है। बर्फीली हवाओं के असर से भोपाल सहित 7 जिलों में कोल्ड वेव रही, जबकि सबसे ठंडे रहे मंदसौर में पत्तियों पर पानी की बूंदें जम गई हैं। पचमढ़ी में पारा 4.8 रहा।

पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ प्रदेश में और बढ़ेगी सर्दी

> प्रदेश के मंदसौर में सीजन में पहली बार पारा 2.9 डिग्री, गिरवर (शाजापुर) 3.1, कल्याणपुर (शहडोल) 3.2, राजगढ़ 3.8, भोपाल-नौगांव (छतरपुर) में पारा 4.6 और पचमढ़ी में 4.8 डिग्री पर दर्ज

तीन दिन तेज सर्दी और कोल्ड वेव का रहेगा असर

एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, नया डब्ल्यूडी 30 दिसंबर को एक्टिव होगा

भोपाल की शीतलदास की बगिया से लिया गया छोटे तालाब का दृश्य

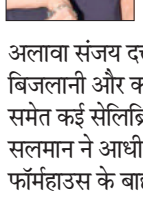

भोपाल और राजगढ़ में सीवियर कोल्ड वेव

मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो दिन सर्दी में तेजी और कोल्ड वेव के साथ कोहरे का असर बढ़ेगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ शनिवार को सक्रिय हुआ है, जिससे हवाएं पूरी तरह उत्तरी हो गई हैं। इससे सर्दी बढ़ी है। एक नया डब्ल्यूडी 30 दिसंबर को हिमालय क्षेत्र में सक्रिय होगा, जिससे पहाड़ों ⏩ शेष पेज 4 पर

दो दिन कोल्ड वेव के साथ घना कोहरा

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार रविवार और सोमवार को कुछ जिलों में कोल्ड वेव के साथ घने से मध्यम कोहरा रहेगा। इनमें भोपाल, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर, अनूपपुर, शहडोल, सिवनी में कोल्ड वेव का असर रहेगा। सिंगरौली, सीधी, ⏩ शेष पेज 4 पर

तापमान के प्रमुख रिकॉर्ड

- **कल्याणपुर (शहडोल)** दिसंबर 2025 में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे कम था
- **पचमढ़ी (नर्मदापुरम)** दिसंबर 2024 में 1.9 डिग्री सेल्सियस तक तापमान गिरा जो राज्य के हिल स्टेशन के लिए एक रिकॉर्ड था।
- **उमरिया:** दिसंबर 2025 में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश में सबसे कम था
- **भोपाल:** दिसंबर 2024 में 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो 58 साल का रिकॉर्ड था
- **उज्जैन:** 28 दिसंबर 1968 और 29 दिसंबर 1983 को न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस रहा
- **जबलपुर:** 28 दिसंबर 1902 को रात का तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस था, जो ओवरऑल रिकॉर्ड है
- **इंदौर:** 27 दिसंबर 1936 को सबसे कम तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना में कहा

चित्रकूट को बनाएंगे भव्य और दिव्य धाम

> सतना विमानतल की एयरस्ट्रिप की लंबाई बढ़ाकर 1800 मीटर तक की जाएगी

सीएम ने कुदाली चलाकर किया भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने सतना के पास चित्रकूट धाम में 11 वर्ष गुजारे थे। राज्य सरकार चित्रकूट धाम सहित सतना जिले के विकास के लिए संकल्पित है। राज्य सरकार चित्रकूट को भव्य और दिव्य धाम के रूप में विकसित करेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि सतना विमानतल की एयरस्ट्रिप की लंबाई बढ़ाकर 1800 मीटर तक की जाएगी। इससे यहां जेट विमान भी लैंड कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सतना के आईएसबीटी परिसर में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम में भगवान कामता नाथ विराजे हैं। देश-दुनिया के पर्यटक मंदाकनी नदी के किनारे चित्रकूट आ रहे हैं। अयोध्या के बाद चित्रकूट का अलग ही महत्व है। ⏩ पढ़ें पेज 02 भी

सुग्रीव की मित्रता का उदाहरण दिया

प्रभु श्रीराम के जीवन से रिश्तों की मर्यादा समझी जा सकती है। उन्होंने सुग्रीव से मित्रता करके आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन से मित्रता का महत्व सीखने की आवश्यकता है। राज्य सरकार सनातन संस्कृति और राष्ट्र के कल्याण कार्यों को आगे बढ़ाते हुए विरासत का संरक्षण कर रही है। सतना जिला भगवान श्रीराम की कर्मभूमि रहा है। इसलिए हमारी सरकार चित्रकूट को भव्य और दिव्य धाम के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम और शारदा माता मंदिर से सतना क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के लिए भी अहम है। राज्य सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हेली सेवा शुरू की है। इससे शारदा माता मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ मिल सकेगा।

इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल का आयोजन

आईपीएस कार्निवल में दिखा रचनात्मकता संस्कृति और प्रतिभा का शानदार समागम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में हर वर्ष की भांति आईपीएस कार्निवल डिलाईट का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें संस्कृति, रचनात्मकता और प्रतिभा का शानदार संगम देखने को मिला। यह आयोजन स्कूल परिसर में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। परंपरा और आधुनिकता का यह आदर्श मिश्रण विद्यार्थियों अभिभावकों और अतिथियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुआ। कार्निवल का उद्घाटन सम्मानित मुख्य अतिथि, अध्यक्ष अशोक नंदा, प्रधानाध्यापिका दीप्ति सिंह, उपाध्यक्ष आलोक नंदा, छात्रवास

आईपीएस कार्निवाल का शुभारंभ।

निदेशक अरुणा नंदा, उप प्रधानाध्यापकों, समन्वयकों, विशिष्ट गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया, जिनके उत्साहवर्धक शब्दों ने छात्रों को अपनी रचनात्मक क्षमता को निखारने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिसर आनंद, संगीत और उत्साह से सराबोर एक रंगीन मैदान में परिवर्तित हो गया।

आईपीएस कार्निवाल कार्यक्रम का दृश्य।

प्रतिभागियो को दिए गए प्रमाण-पत्र

प्रतिष्ठित विद्यालयों को एक उमंग भरे अंतर विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता में भाग लेते देखना अद्भुत था। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालय ने प्रथम पुरस्कार सागर पब्लिक स्कूल रोहित नगर, 11,000 नकद, पदक, प्रमाण पत्र एवं रोलिंग ट्राफी द्वितीय पुरस्कार इंटरनेषनल पब्लिक स्कूल, 5,000 नकद, सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

12वीं के छात्रों को दी गई यादगार विदाई

हॉलीक्रॉस स्कूलः आंखों में आंसू लिए मदद का भरोसा लेकर विदा हुए स्टूडेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के कोलार स्थित हॉलीक्रास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को फेयरवेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों छात्र आंखों में आंसू लिए भावुक होकर एक-दूसरे की मदद का भरोसा देकर विदा हुए। फेयरवेल कार्यक्रम बॉलीवुड रेट्रो रिवाइंड थीम पर रहा, जिसके तहत 11वीं कक्षा के छात्रों द्वारा 12वीं के छात्रों का फेयरवेल यानी विदाई समारोह आयोजित किया गया।

शुरुआत प्रिंसिपल सिस्टर ऊषा एन्टनी ने दीप प्रज्वलन के साथ की। इसके बाद 11वीं के छात्रों ने 12वीं के छात्रों को विदाई दी। यह ऐसा अवसर था कि जब हर छात्र की आंखों में आंसू थे। क्योंकि लंबे समय तक एक साथ पढ़ने के बाद विदाई लेना यानी स्कूल में अब वो पल कभी नहीं आएंगे, जो एक साथ गुजारे हैं। यही भावनात्मक

हॉलीक्रॉस स्कूल में स्टूडेंट्स की विदाई का दृश्य।

लगाव और यादें छात्रों की आंखों से आंसू बनकर गिरीं। इस दौरान सारे शिक्षक और छात्र भावुक थे।

फेयरवेल के तहत डांस, आर्केस्ट्रा, डांसड्रामा, मन की बात आदि कार्यक्रम छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किया। इस आयोजन में शिक्षिका दीप्ति जैन, स्वाति पारिख त्रिपाठी के साथ छात्रों में परी सिंह, रुद्र सिंह तोमर, सम्हिता पाण्डेय, अध्याशा मिश्रा, सौर्य नामदेव, सगुन चंदेल, निसर्ग त्रिपाठी, आशी पारासर, राज चतुर्वेदी आदि ने सहयोग प्रदान किया। संचालन सम्हिता पाण्डेय, माही नागले, अध्यन घोड़के, आयुक्त ताइड़े ने किया। सभी का आभार सम्हिता पाण्डेय ने माना।

बांग्लादेशी क्रिकेटरों के खिलाफ साधु-संतों ने जताई नाराजगी

भोपाल। बांग्लादेश में दो हिन्दुओं की बर्बर हत्या पर देशभर में गुस्से का उबाल है। इसके विरोध में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ किए जा रहे जुल्मों के खिलाफ अब संतों ने भी आक्रोश जताया है। उज्जैन में संतों ने आईपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटरों को खिलाने पर पिच उखाड़ने की चेतावनी दी है। ऋणमुक्तेश्वर मंदिर के गादीपति महावीर नाथ, रामादल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रामेश्वर दास, महंत विशाल दास आदि संतों ने बांग्लादेश पर सख्त एक्शन लेने की मांग का समर्थन किया। संतों ने आईपीएल में किसी भी बांग्लादेशी क्रिकेटर को नहीं खेलने देने की स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि छोटा सा देश हमें आंख दिखाए और आईपीएल में उनके खिलाड़ी को करोड़ों रुपए देकर क्रिकेट खिलाकर हम उनकी झोली भरें, अब ये नहीं चलेगा। बांग्लादेश के क्रिकेटर का बहिष्कार किया जाएगा, उनको यहां से भगाया जाएगा।

■ बांग्लादेश के खिलाफ उज्जैन में साधु-संतों ने जताया गुस्सा

नारायण मिशन में गणपति होमम्, चुट्ट विलक्कु और भगवान अयप्पा के लगे जयकारे,

41 दिन तक तप, संयम और आत्म अनुशासन के बाद हजारों दीयों की रोशनी में की मंडल पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गोविंदपुरा स्थित श्री नारायण मिशन (एसएनएम) में 41 दिवसीय मंडल पूजा का समापन शनिवार को हो गया। इस मौके पर भव्य दीपों की रोशनी के साथ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। आयोजन में लगभग 1,200 श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

एसएनएम के अध्यक्ष प्रकाशन व महासचिव राजू बी ने बताया कि मंडल पूजा का संबंध भगवान अयप्पा की पौराणिक कथा से है। मान्यता है कि महिषी राक्षसी का वध कर धर्म की स्थापना के बाद भगवान अयप्पा ने सबरीमाला में त्याग और ध्यानमय जीवन को अपनाया। इसी परंपरा के तहत श्रद्धालु 41 दिनों तक मंडल व्रतम का पालन करते हैं, जिसमें संयम, तपस्या और आत्म-अनुशासन पर विशेष बल दिया जाता है।

मंडल पूजा का समापन का दृश्य।

मंडल पूजा के समापन अवसर पर मौजूद श्रद्धालु।

मंडल पूजा आत्मसंयम, सेवा भावना को करती है प्रेरित

उपाध्यक्ष श्यामला सोमन ने बताया कि केरल में परंपरागत रूप से मंडल पूजा का समापन भगवान को थंका अंकी-अरनमुला पार्थसारथी मंदिर से लाई गई पवित्र स्वर्ण पोशाक-धारण कराने के साथ होता है। यह अनुष्ठान भक्ति, आत्मशुद्धि और आंतरिक अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। इस मौके पर युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष गिरीश रवींद्रन ने कहा कि मंडल पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मसंयम, सेवा भावना और आत्मिक परिवर्तन को प्रेरित करने वाली आध्यात्मिक साधना है। आयोजित कार्यक्रमों में गणपति होमम, चुट्ट विलक्कु, दीपाराधना, शारदा पुष्पांजलि तथा भजन शामिल रहे। अंतिम दिन आयोजित अन्नदानम का प्रायोजन संदीप सुधाकरन और प्रिया कमलासनन द्वारा किया गया।

अद्वितीय यात्रा पहुंचने वाली है राजधानी

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दिव्य पवित्र अंश से निर्मित शिवलिंग की रुद्र पूजा 4 जनवरी को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल अब एक ऐसे दिव्य अवसर का साक्षी बन रहा है जिसकी प्रतीक्षा सदियों से की जा रही थी। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के वे पवित्र अंश, जो लगभग 1000 वर्षों तक इतिहास के अंधेरों में छिपे रहे, अब फिर असंख्य भक्तों की आस्था का केन्द्र बनने जा रहे हैं। 4 जनवरी सुबह 10 बजे रवींद्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर दिव्य सोमनाथ ज्योतिर्लिंग सामूहिक रूद्र पूजा एवं दर्शन का कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग और भोपाल उत्सव मेला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। हिमांशी गुप्ता, सीनियर अन्तर्राष्ट्रीय फैकल्टी आर्ट ऑफ़ लिविंग, आयोजक सोमनाथ ज्योतिर्लिंग यात्रा ने बताया कि यह रुद्र पूजा आर्ट ऑफ लिविंग, संस्थापक परम पूज्य गुरुदेव श्रीश्री रवि शंकर के अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर दर्शक हाथी के साथ वैदिक धर्म संस्थान, बैंगलोर से पधारे पंडित करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवान दास सबनानी और भोपाल उत्सव मेला के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। भोपाल मेला उत्सव, आयोजन समिति के अशोक गुप्ता और महामंत्री सुनील जैनाविन ने बताया कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के वे पवित्र अंश की अद्वितीय आध्यात्मिक यात्रा भोपाल पहुंचने वाली है। शहरवासी इस यात्रा का स्वागत करने को तैयार है। इस अवसर पर एक विशाल शिव यात्रा निकाली जायेगी।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पवित्र दृश्य।

गणितीय अवधारणा को ध्यान रखकर कलात्मकता का दिया परिचय

जीवन की शून्यता मनुष्य को आध्याात्मिक गहराईयों तक पहुंचाती है : डॉ. रेणु राय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

22 दिसम्बर श्रीनिवासन रामानुजन के जन्मदिवस राष्ट्रीय गणित दिवस पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल की उत्प्रेरणा से 27 दिसम्बर को विकल्प संस्था द्वारा गांधी भवन के मोहनिया बालघर में गणित और कला के संगम पर केन्द्रित टेसेलेशन आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें शहर के 25 विद्यालय तथा महाविद्यालय के 85 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में गणितीय अवधारणा को ध्यान में रखकर कलात्मकता का अभूतपूर्व परिचय दिया।

प्रतियोगिता तीन समूहों में विभाजित की गई। जूनियर समूह (5वी से 8वी) में प्रथम प्रेक्षा हल्वाजिया, द्वितीय अम्बिका नामदेव, तृतीय वंशिका सिंह, सांत्वना पुरस्कार टिशा विश्वकर्मा एवं विशेष पुरस्कार राजवीर रजक को दिया गया।

पेंटिंग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन।

शून्य के महत्व पर की गणित की व्याख्या

सीनियर समूह (9वी से 12वी) में प्रथम रोनक शाक्य, द्वितीय मानसी अत्रे, तृतीय समन खान, सांत्वना पुरस्कार पिंकी फूलमाली एवं विशेष पुरस्कार निशा गोलेट ने पाया। अपर सीनियर समूह (कॉलेज) में प्रथम कमलेश पटेल, द्वितीय समृद्धि अग्रवाल, तृतीय पलक पटेल, सांत्वना पुरस्कार असमा नक्वी एवं विशेष पुरस्कारर प्रियांशु प्रजापति ने पाया। विशेष अतिथि श्री मंयक शर्मा प्रतिभागियों को शून्य के महत्व पर गणित की व्याख्या की।

मंत्री कृष्णा गौर ने किया भेल कॉलेज के प्रथम प्राचार्य डॉ. जायसवाल के चित्र का अनावरण

भोपाल। राजधानी के बाबूलाल गौर शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय भेल के पहले प्राचार्य डॉ. डीवी जायसवाल के चित्र का अनावरण कृष्णा गौर मंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृष्णा गौर ने कहा कि किसी भी संस्था को प्रारंभ करने में बहुत चुनौतियां होती हैं। डॉ जायसवाल के कुशल नेतृत्व ने उनका सूझबूझ से सामना किया, परिणामस्वरूप आज यह एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय बन पाया। कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार, प्राचार्य डॉ संजय जैन, सदस्य तेजसिंह ठाकुर सहित कॉलेज के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। यहां ध्यान रहे कि जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए निर्णय अनुसार नए भवन में स्थित एक सभागार का नाम कॉलेज के प्रथम प्राचार्य, डॉ डीवी जायसवाल सभागार के रूप में किया गया है। इस निर्णय की मंत्री कृष्णा गौर ने सराहना की।

डॉ. जायसवाल के चित्र का अनावरण करतीं मंत्री गौर।

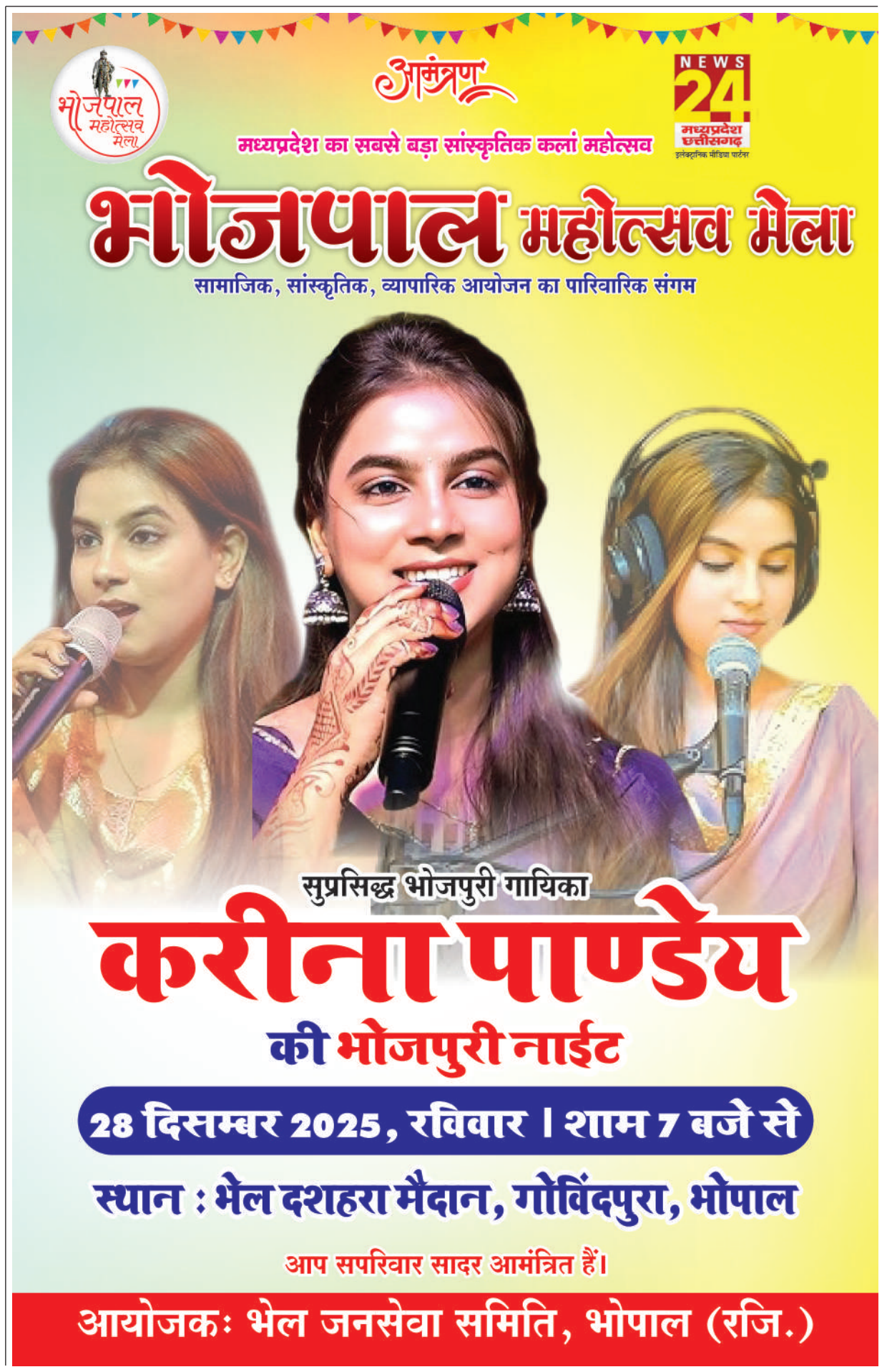

कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट के परिणामों में नया कीर्तिमान

एक ही कोचिंग सेंटर से 58 छात्र-छात्राओं का विभिन्न राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में चयन

58 छात्र-छात्राओं का विभिन्न राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में चयन।

चयनित विद्यार्थी

इशिता सीतलानी–ऑल इंडिया रैंक 115
अक्षत पाठक – ऑल इंडिया रैंक 116
अरवा कुरैशी – ऑल इंडिया रैंक 160
ध्रुव सिंह - ऑल इंडिया रैंक 216
अर्पित लाढा - ऑल इंडिया रैंक 260
ज़ुनैरा असलम खान- ऑल इंडिया रैंक 272
कनक श्रीवास्तव- ऑल इंडिया रैंक 297

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट के हालिया परिणामों में भोपाल ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल स्थित एक ही कोचिंग सेंटर से कुल 58 छात्रों का विभिन्न राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में चयन हुआ है, जो कि देशभर में किसी एकल सेंटर से सर्वाधिक चयन का रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि न केवल छात्रों की कड़ी मेहनत और अनुशासन को दर्शाती है, बल्कि भोपाल को कानूनी शिक्षा की तैयारी के एक उभरते हुए राष्ट्रीय केंद्र के रूप में भी स्थापित करती है। सेंटर के वरिष्ठ समन्वयक ने कहा कि यह सफलता हमारे छात्रों की निरंतर मेहनत, सही मार्गदर्शन और अकादमिक अनुशासन का परिणाम है। एक ही सेंटर से 58 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में चयन पूरे देश के लिए एक उदाहरण है और आने वाले वर्षों में यह उपलब्धि और भी छात्रों को

▶▶ शीघ्र आयोजित होंगे संवाद कार्यक्रम

चयनित छात्र देश के विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में आगामी शैक्षणिक सत्र से अपनी विधि शिक्षा प्रारंभ करेंगे। यह सफलता न केवल संस्थान बल्कि पूरे भोपाल शहर के लिए गौरव का विषय है। सेंटर द्वारा चयनित छात्रों के सम्मान में शीघ्र ही मार्गदर्शन सत्र एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

शहर में झाड़ू लगाने से पहले होगा पानी का छिड़काव

भोपाल। शहर में धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए निगम प्रशासन अब गलियों, सार्वजनिक स्थलों पर झाड़ू लगाने से पहले पानी का छिड़काव करवाएगा। इसके लिए 21 जोन में 21 स्प्रिंकलर व ही क ल मौजूद रहेंगे। निगम में 14 स्प्रिं क ल र व्हीकल तैयार कर लिए गए हैं। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत केंद्र सरकार से भोपाल नगर निगम को 30 करोड़ रुपए मिले हैं। जिसका उपयोग धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने व रोकने के लिए किया जाएगा। निगम के केंद्रीय कर्मशाला में यह स्प्रिंकलर व्हीकल तैयार किए जा रहे हैं। आगामी दो से तीन माह में इस तरह के 400 वाहन तैयार किए जाएंगे।

■ 21 जोनों में एक-एक स्प्रिंकलर व्हीकल तैनात करने की तैयारी

भोपाल
रविवार, 28 दिसंबर 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष-8/9
वर्ष : 12, अंक : 268
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 23
न्यून. 09

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पूर्व सीएम सिंह ने शेयर की मोदी-आडवाणी की तस्वीर, जिसमें मोदी नीचे बैठे दिख रहे

दिग्विजय ने संघ-भाजपा की तारीफ की, कहा-संगठन की ताकत जय सियाराम, फिर पलटे...बोले मैं इनका विरोधी, हमेशा ही रहूंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शनिवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक शुरू होने से ठीक पहले अचानक चर्चा में आ गए। कारण है उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण ▶▶शेष पेज 4 पर

तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि आरएसएस का एक जमीनी स्वयंसेवक और भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता किस प्रकार नीचे बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना

आडवाणी के साथ नरेंद्र मोदी

सिंह बोले- लोगों ने मेरी बातों को गलत समझा

सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद पार्टी सांसद दिग्विजय सिंह से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने संगठन को फिर से सक्रिय करने की बात की, तो उन्होंने इस पर ▶▶शेष पेज 4 पर

राहुल-प्रियंका के साथ पीएम मोदी को भी किया टैग

इस पोस्ट को और ज्यादा चर्चा में लाने वाली बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ प्रधानमंत्री ▶▶शेष पेज 4 पर

अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ

भारतीय मूल की जयश्री उल्लाल दुनिया की 'सबसे अमीर सीईओ'

- उल्लाल की नेटवर्थ 50170 करोड़ रुपए
- माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला की 9770 करोड़
- पिचाई 5810 करोड़ के साथ 7वें स्थान पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जब भी भारतीय मूल सबसे अमीर एग्जीक्यूटिव्स के बारे में बात आती है तो आपके ध्यान में सत्य नडेला और सुंदर पिचाई जैसे लोगों का नाम आता है। लेकिन, इसके बावजूद, नडेला और पिचाई में से कोई भी भारतीय मूल के टॉप सीईओ लिस्ट में पहले पायदान पर नहीं है। जी हां, ये ताज, अरिस्टा नेटवर्क्स की प्रेसिडेंट और सीईओ जयश्री उल्लाल को मिला है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के अनुसार अब अरिस्टा नेटवर्क्स की ▶▶शेष पेज 4 पर

अच्छी खबर

जयश्री उल्लाल

जानें कौन हैं जयश्री उल्लाल?

जयश्री उल्लाल का जन्म 27 मार्च 1961 को लंदन में हुआ था। उल्लाल जब 5 साल की थीं, तभी उनका परिवार भारत आ गया था। उल्लाल के पिता एक फिजिसिस्ट थे और भारत के शिक्षा मंत्रालय के साथ काम करते थे। इंडियन इंस्टिट्यूट्स ▶▶शेष पेज 4 पर

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि देश लोकतंत्र संविधान और नागरिक अधिकारों के मुद्दे पर चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा

भाजपा-चुनाव आयोग मिले हुए, लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ साजिश है एसआईआर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक में मनरेगा की जगह नया कानून लाने, अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर भी बात हुई।

साथ ही एसआईआर को लेकर भी चिंता जताई गई। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों के मुद्दे पर चारों तरफ से गंभीर संकट से घिरा है। खरगे ने मनरेगा की जगह नया कानून लाने पर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि मनरेगा कानून को खत्म कर करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा ▶▶शेष पेज 4 पर

खरगे ने कहा कि मनरेगा को खत्म करना, राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान। इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला।

बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों तेलंगाना कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे

- अगले साल असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव
- कार्यसमिति की बैठक में इन चुनावों की रणनीति पर भी चर्चा हुई
- कार्यसमिति की बैठक से पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर जताई चिंता

कांग्रेस अध्यक्ष ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों को लेकर भी चिंता जताई गई। साथ ही क्रिसमस के मौके पर कई इलाकों में सौहार्द बिगाड़ने के मुद्दे पर भी चिंता जताई गई। बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों- तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। इनके अलावा प्रदेश कांग्रेस ▶▶शेष पेज 4 पर

कांग्रेस सांसद ने असम सरकार को घेरा

गौरव गोगोई ने असम सीएम पर भी निशाना साधा और कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा के राज में, रोजाना भ्रष्टाचार और कुशासन का पर्दाफाश हो रहा है। हर दिन, आप उनके कैबिनेट के किसी न किसी विधायक के बारे में गलत कारणों से खबरें देखते हैं। कभी गायों ▶▶शेष पेज 4 पर

मुरैना में पुलिस हिरासत से आरोपी गायब

भाजपा नेता ने कार से 5 लोगों को रौंद डाला, 2 की मौत हुई

- घर के बाहर अलाव ताप रहे थे
- हाईवे पर 500 लोगों ने जाम लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

मुरैना जिले के पोरसा में शुक्रवार रात भाजपा नेता दीपेंद्र भदौरिया ने कार से घर के बाहर अलाव ताप रहे पांच लोगों को कुचल दिया। देर रात ग्वालियर में भर्ती दो घायलों की मौत हो गई। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे नेशनल हाईवे पर करीब 500 से ज्यादा लोग इकट्ठा हो गए।

चक्काजाम के चलते हाईवे के दोनों तरफ जाम लग गया। मौके पर एसडीओपी रवि भदौरिया, एसडीएम रामनिवास सिकरवार, अंबाह टीआई सत्येंद्र कुशवाह पुलिस बल के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बाइक हटाने के लिए कहा तो वे भड़क

आरोपी दीपेंद्र भदौरिया

गए। समझाइश के दौरान मृतक के परिवार की एक महिला ने पोरसा टीआई दिनेश कुशवाह की कॉलर पकड़ ली। पांच घंटे बाद अधिकारियों ने आरोपी पर हत्या का केस दर्ज करने, उसका घर बुलडोजर से तोड़ने, मृतकों के परिजनों को शस्त्र लाइसेंस देने और दोनों के परिवार को एक-एक सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शन कारियों ने नेशनल ▶▶शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

मगरमच्छों से जंग! डेढ़ घंटे फंसा रहा परिवार

मुरैना। चंबल सफारी के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कोटा का एक परिवार

मगरमच्छों से भरी चंबल नदी में डेढ़ घंटे तक फंसा रहा। अचानक आई तकनीकी खराबी या जलस्तर में बदलाव के कारण नाव नदी के बीच रुक गई। आसपास मगरमच्छों की मौजूदगी से परिवार दहशत में था। रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाला गया।

जेल ब्रेकः दो अधिकारी सहित तीन सस्पेंड

उज्जैन। खाचरोद उप जेल से भागे तीनो कैदियों का सुराग नहीं मिला। जांच के लिए पहुंचे जेल डीजी

वरुण कपूर ने दो अधिकारी सहित 5 को सस्पेंड कर दिया। वहीं प्रदेश की सभी जेल की सिक्योरिटी ऑडिट करवाना भी तय कर दिया। दुष्कर्म और हत्या के आरोप में बंद नारायण जाट, गोविंद और गोपाल दीवार फांदकर फरार हो गए थे।

चार नामजद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

पन्ना टाइगर रिजर्व में 'खूनी संघर्ष'

तस्करों ने वनकर्मियों को कुल्हाड़ी से काटा, गार्ड-श्रमिक लहूलुहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पन्ना

पन्ना टाइगर रिजर्व जिसे हम बाघों की दहाड़ और कुदरती खूबसूरती के लिए जानते हैं, वहां बीती रात कुल्हाड़ियों की खनक और चीख-पुकार ने सन्नाटा चीर दिया।

पन्ना से एक बेहद खौफनाक खबर सामने आई है, जहां जंगल की सुरक्षा करने वाले वनकर्मियों को ही जान बचाने के लाले पड़ गए। मामला गुमानगंज बीट का है, जहां आधी रात को अपनी जान

वनकर्मी को अस्पताल में भर्ती किया

हथेली पर रखकर अवैध कटाई रोकने पहुंचे बीट गार्ड दिनेश चक्रवर्ती और सुरक्षा श्रमिक चेला यादव पर मौत का साया मंडरा गया। सागौन के लालची तस्करों ने इन दोनों जांबाज वनकर्मियों को चारों तरफ से घेर लिया। लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से किए गए इस ताबड़तोड़ हमले में किसी का हाथ टूट गया, तो किसी की ▶▶शेष पेज 4 पर

पूर्व मंत्री दीपक जोशी की सफाई

मैंने गलतियां जरूर की हैं बेईमानी, छल-कपट नहीं

भोपाल। एक से अधिक विवाह को लेकर चर्चा में आए पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने शनिवार को फेसबुक पर एक वीडियो अपलोड किया है। एक मिनट 28 सेकंड के वीडियो में उन्होंने कहा- यश, अपयश मनुष्य जीवन में आते-जाते रहते हैं, लेकिन मैं दावे से कह सकता हूं कि मैंने गलतियां जरूर की हैं। बेईमानी, छल या कपट नहीं किया। जिन ▶▶शेष पेज 4 पर

एक से अधिक विवाह को लेकर चर्चा में आए

कर्नाटक के कारवार जाएंगी राष्ट्रपति

आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी पनडुब्बी की सवारी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज यानी 28 दिसंबर को इंडियन नेवी के सबमरीन (पनडुब्बी) मे सवारी करेंगी। वे सबमरीन में सी-सॉर्टी करेगी। इसके लिए राष्ट्रपति कारवार (कर्नाटक का उत्तरी कन्नड़ जिला) जाएंगी। कारवार को कर्नाटक का कश्मीर भी कहा जाता है। वहां नेवी के कलवरी क्लास सबमरीन में राष्ट्रपति जाएंगी। राष्ट्रपति पिछले साल नेवी ▶▶शेष पेज 4 पर

नेवी के कलवरी क्लास सबमरीन में यात्रा करेंगी

सुबह 10 बजे इस्तीफा....करीब 4 घंटे बाद दोपहर 2 बजे जीतू पटवारी ने नामंजूर कर दिया, राजधानी में दिनभर चलता रहा राजनैतिक 'ड्रामा'

कांग्रेस में 'टैलेंट हंट' विवाद पर नायक का इस्तीफा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश में खुद को खड़ा करने के लिए संघर्ष कर रही प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के आपसी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग में नियुक्त हेतु टैलेंट हंट कार्यक्रम के लिए गठित समितियों को लेकर विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक और प्रभारी अभय तिवारी के बीच विवाद इस कदर बढ़ा कि नायक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

नायक ने प्रातः लगभग 10 बजे इस्तीफा दिया और लगभग 4 घंटे बाद 2 बजे ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे अस्वीकार कर दिया। हालांकि, नायक ने इस्तीफे में विवाद का जिक्र न करते हुए लिखा कि 'प्रबंध ▶▶शेष पेज 4 पर

- अभय तिवारी द्वारा आदेश निरस्त करने से अपमानित महसूस कर रहे थे नायक
- प्रदेश प्रवक्ताओं के चयन हेतु टैलेंट हंट के लिए दो कमेटियों के गठन से हुआ विवाद

वॉट्सएप ग्रुप को लेकर भी विवाद

मुकेश नायक

मुकेश नायक द्वारा जारी की गई लिस्ट पर अभय तिवारी ने मीडिया डिपार्टमेंट के ऑफिशियल ग्रुप में लिखा था कि जब संगठन की बर्बादी आती है तो ऐसे परिपक्व आदेश जारी होने लगते हैं। हे प्रभु मप्र कांग्रेस की रक्षा करना। तिवारी ने ग्रुप में ही पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को टैग करते हुए लिखा था कि अध्यक्ष जी कृपया संज्ञान लें, और मुझे मुक्त करें। इसके बाद अभय तिवारी और प्रवक्ता अभिनव बरोलिया को एक वॉट्सएप ग्रुप से रिमूव कर दिया गया। नायक द्वारा जारी की गई टैलेंट हंट की सूची को मप्र कांग्रेस के सोशल मीडिया और जीतू पटवारी ने ▶▶शेष पेज 4 पर

सतना में औद्योगिक विकास के लिए 100 एकड़ भूमि पर बनाएंगे नया इंडस्ट्रियल पार्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत अंतरिक्ष, उद्योग, रक्षा सहित सभी क्षेत्रों में विश्व में अपनी उपलब्धियों का परचम लहरा रहा है। राज्य सरकार भी प्रदेश में उद्योग-व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मप्र में क्षेत्रीय स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करने के निर्णय की सराहना की है। इन्हें अब जिला स्तर पर भी आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सतना में विंध्य व्यापार मेले को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले कटनी में माइनिंग सेक्टर पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुई, अब सतना में एमएसएमई सेक्टर पर आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी। प्रदेश सर्व सुविधा युक्त बनें, मध्यप्रदेश विकास की दौड़ में सबसे आगे रहे और युवाओं को रोजगार मिले, इसके लिए राज्य सरकार हर कदम पर उद्यमियों के साथ खड़ी है।

खास बातें

- जिला स्तर पर आयोजित की जाएंगी सेक्टर आधारित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव
- सतना में एमएसएमई सेक्टर की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी
- विंध्य व्यापार मेले के लिए मिलेगी विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स को 8 एकड़ भूमि

सीएम का उद्बोधन एवं मौजूद जनता।

विंध्य क्षेत्र में सतना जीएसटी कलेक्शन में अग्रणी जिला

सतना सांसद गणेश सिंह ने कहा कि विंध्य क्षेत्र में सतना जीएसटी कलेक्शन में अग्रणी जिला है। मुख्यमंत्री के कार्यकाल में मप्र में 30 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आया है। विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने कहा कि सतना विंध्य की औद्योगिक एवं पवित्र नगरी है। विंध्य व्यापार मेला वर्ष 2000 से प्रति दो वर्ष के अंतराल पर आयोजित हो रहा है। यह मेले का 12वां वर्ष है। इसमें 8 राज्यों के लगभग 250 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। यहां रेडीमेड गारमेंट, इलेक्ट्रॉनिक, मोटे अनाज सहित खान-पान के स्टॉल हैं। उन्होंने विंध्य व्यापार मेले के आयोजन के लिए स्थाई भूमि और व्यापारियों के हित में व्यापार संवर्धन बोर्ड के गठन की आवश्यकता बताई।

प्रदेश का बजट 7 लाख करोड़ करने का रखा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अगले 5 सालों में राज्य का बजट दोगुना कर लगभग 7 लाख करोड़ करने का लक्ष्य रखा है। युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। युवाओं को स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। होटल व्यवसाय में राज्य सरकार ने 30 प्रतिशत की सब्सिडी का प्रावधान किया है। यदि कोई रोजगार आधारित उद्योग लगाए तो उन्हें श्रमिकों के वेतन में 5 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। राज्य में 32 लाख किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पम्प दिए जा रहे हैं। किसानों को बिजली के बिल और अस्थाई कनेक्शन से मुक्ति मिल रही है। किसानों को 60 हजार मूल्य के पंप पर 53 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। राज्य सरकार कुल 30 हजार करोड़ का अनुदान प्रदान करती है।

2 वर्षों के कार्यकाल में विंध्य क्षेत्र में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने मुश्किल समय में सहायता के लिए पीएमश्री एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। नए साल में प्रदेशवासियों को सरकारी बस सेवा की सौगात भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सड़क हादसों में घायलों के लिए मदद के लिए राहवीर योजना की शुरुआत की है। घायलों को अस्पताल पहुंचाकर सहायता करने वाले को सरकार 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दे रही है।

सतना विंध्य क्षेत्र में व्यापार-व्यापार का बड़ा केंद्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सतना विंध्य क्षेत्र में व्यापार का बड़ा केंद्र है। विंध्य व्यापार मेले के सफल आयोजन के लिए सतनावासी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सतना में औद्योगिक विकास के लिए 100 एकड़ भूमि पर नया इंडस्ट्रियल पार्क बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विंध्य व्यापार मेले के आयोजन के लिए विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स को 8 एकड़ भूमि देने एवं सतना में व्यापारिक गतिविधियों, सांस्कृतिक सम्मेलन आयोजित करने के लिए पीपीपी मोड पर गीता भवन बनाए जाने की घोषणा भी की।

खबर संक्षेप

लीगल एड डिफेंस काउंसिल के नवीन चयन प्रक्रिया निरस्त

भोपाल। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के नवीन चयन प्रक्रिया निरस्त कर दी गई है। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा जारी नवीन एसओपी एवं अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल में लीगल एड डिफेंस काउंसिल मोडिफाईड स्कीम 2022 के अंतर्गत स्थापित कार्यालय-लीगल एड डिफेंस काउंसिल में 01 चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, 03 डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं 06 असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति किए जाने के सम्बंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल द्वारा 17 दिसम्बर 2025 को जारी किया गया था। उक्त भर्ती विज्ञप्ति मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल की भर्ती के संबंध में बनायी गई नवीन एसओपी के अनुपालन में जारी की गयी थी जिस एसओपी को मप्र उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के द्वारा निरस्त कर दिया गया है।

भाजपा कार्यालय में आज आयोजित किया जाएगा पुष्पांजलि कार्यक्रम

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तम्भ, कुशल संगठनकर्ता कुशाभाऊ ठाकरे एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की पुण्यतिथि पर आज रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद रविवार को सुबह 9 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में कुशाभाऊ ठाकरे एवं सुंदरलाल पटवा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

बरगी नहर परियोजना से सतना जिले की 1.5 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि होगी सिंचित

सतना का नया बस स्टैंड अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराज्यीय बस अड्डा के नाम से जाना जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मशती वर्ष मना रहे हैं। अटल जी के जन्मशती वर्ष में ही मध्यप्रदेश का रीयलस्टिक डेवलपमेंट (अभ्युदय) हो रहा है। हम मप्र में सरकार नहीं, परिवार चलाते हैं। प्रदेश के हर घर को परिवार मानकर जनहित के निर्णय ले रहे हैं। हमारे निर्णयों में अंत्योदय भी है और ग्रामोदय भी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सतना को स्मार्ट सिटी योजना की सौगात देकर विकास कार्यों की गंगा बहा दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सतना के आईएसबीटी परिसर में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने 31 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित आईएसबीटी का लोकार्पण किया और इसका नामकरण 'अटल बिहारी वाजपेयी अंतर्राज्यीय बस अड्डा' करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अटल जी राजनीति में शुचिता और राष्ट्रीयता के प्रतीक है। उन्होंने राष्ट्र, धर्म और जनकल्याण के लक्ष्यों को लेकर सरकार चलाई। भारतीय संसद में 50 वर्षो तक अटल जी की निर्भीक वाणी गूंजती रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतना में आईएसबीटी बन चुका है। राज्य सरकार की भी पूरी तैयारी है कि नए साल से प्रदेश में सरकारी बसों का संचालन प्रारंभ हो जाएगा।

सीएम ने 652.54 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

मप्र में नए साल से चलेंगी सरकारी बसें • विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

विकास कार्यों का भूमिपूजन करते सीएम।

सतना में 650 बेडेड नए अस्पताल भवन का शिलान्यास

सीएम ने कहा कि सतना में 650 बेडेड नए अस्पताल भवन का शिलान्यास हो गया है। अमृत 2.0 योजना के माध्यम से सतना को अनेक विकास कार्यों की सौगात मिली है। यहां 7 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक क्रिकेट स्टेडियम का लोकार्पण भी हुआ है। इसमें डे-नाईट क्रिकेट मैच हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास के लिए सदैव जनता के साथ खड़ी है। नए साल में बरगी नहर से सतना जिले की डेढ़ लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित होगी। प्रधानमंत्री मोदी के कर कमलों से चित्रकूट को भी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का लाभ मिलेगा।

डबल इंजन की सरकार में सतना स्मार्ट सिटी में शामिल हुआ

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री और सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पीएम के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार में सतना स्मार्ट सिटी में शामिल हुआ है। वे प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री हैं, इसलिए सतना जिले के नगरीय विकास में वे कोई कमी नहीं रहने देंगे। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि सतना विकास के हर मामले में अव्वल है। उन्होंने सतना को और अधिक मजबूत बनाने की मांग मुख्यमंत्री से की।

गांव-गांव तक सुविधाजनक बस परिवहन सेवा शुरू होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा के नाम से प्रदेश के गांव-गांव तक सस्ती और सुविधाजनक बस परिवहन सेवा प्रारंभ कर दी जाएंगी। शहरों में लग्जरी बसें चलाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतना जिले का कोना-कोना सिंचित किया जाएगा। बरगी नहर परियोजना का पूरा लाभ सतना जिले को मिलेगा। इससे यहां की डेढ़ लाख हैक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को सिंचाई की स्थायी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सतना में 652.54 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

पूरा हफ्ता मध्यप्रदेश के विकास का ऐतिहासिक सप्ताह

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह पूरा सप्ताह मध्यप्रदेश के विकास का ऐतिहासिक सप्ताह रहा है। धार और बैतूल में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन हुआ। ग्वालियर में अभ्युदय मध्यप्रदेश ग्रोथ समिट का आयोजन हुआ। कुल 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक के औद्योगिक विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास हुआ। भोपाल मेट्रो शुरू हुई और आज विन्ध्य के विकास को भी नए पंख लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि सतना में दिल्ली-मुंबई से भव्य बस स्टैंड बनकर तैयार हो चुका है। राज्य में पहले परिवहन विभाग की लाल बसें चलती थीं। अब गांव-गांव तक प्रधानमंत्री मोदी ने सड़कें बनवा दी हैं।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल भवन और क्रिटिकल केयर यूनिट का किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सतना में शासकीय मेडिकल कॉलेज में 383 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले 650 बिस्तरीय नवीन चिकित्सालय भवन का भूमिपूजन किया। चिकित्सालय भवन का निर्माण हो जाने से मेडिकल कॉलेज के समीप ही 650 बिस्तर के आधुनिक अस्पताल की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को उपचार की प्रेक्टिस के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा। सतना शहर में ही आधुनिक अस्पताल की सौगात मिलेगी।

भूमिपूजन करते सीएम।

650 बिस्तरीय भवन की मिली सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला अस्पताल सतना में बनने वाले 100 बिस्तरीय आधुनिक वार्ड और 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ वार्ड का शिलान्यास भी किया। इसकी लागत 32 करोड़ 54 लाख रुपए है।

कार्यालय के सभी कर्मचारी भाजपा परिवार के सदस्य : खंडेलवाल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के कर्मचारी जयप्रकाश चौरसिया के निधन का समाचार मिलने पर शनिवार को अपने सारे कार्यक्रम निरस्त कर दिए। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल जयप्रकाश चौरसिया के परिजनों के बीच पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद दिवंगत कर्मचारी ज य प्र का श चौरसिया के अंतिम संस्कार में शामिल हुए और शो का कु ल परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने जयप्रकाश चौरसिया की सेवाओं की सराहना की। खण्डेलवाल ने कहा कि जयप्रकाश चौरसिया भले ही साधारण पद पर रहे हों, लेकिन उनका योगदान असाधारण था। भाजपा संगठन उनके उपचार के दौरान हमेशा मदद की और साथ खड़ा रहा। आगे भी भाजपा उनके परिजनों की चिंता परिवार की तरह करेगी। भाजपा कार्यालय का कोई भी कर्मचारी किसी भी पद पर कार्यरत हो, पार्टी कार्यकर्ताओं की भांति ही भाजपा परिवार का सदस्य है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरी पार्टी शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने पीड़ित परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन भी दिया। अंतिम संस्कार में प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं भाजपा कार्यालय परिवार के सदस्य शामिल हुए।

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यक्रम किए निरस्त, कर्मचारी के अंतिम संस्कार में हुए शामिल

सुनो नगर सरकार

आखिर नप गए निगम के इंजीनियर और एएचओ

निगम के सिविल, गार्डन, हेल्थ, सीवेज, वाटर सप्लाई सहित अन्य कई विभागों के इंजीनियरों और अधिकारियों को आखिरकार निगम आयुक्त की नाराजगी का खामियाजा भुगतना ही पड़ा। बीते दिनों लंबे समय के बाद निगम प्रशासन ने बड़ी तादाद में अधिकारियों के तबादले कर दिए। हालांकि इसके कयास तब से लग रहे, जब निगम आयुक्त का एक आदेश चर्चा में आया था। तबादले के पहले इंजीनियरों को उनकी खराब कार्य प्रणाली के सजा के तौर पर बीएलओ का सहायक बना दिया गया था। इन तबादलों से निगम में हड़कंप मचा हुआ है। लूप लाइन में लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारी-अधिकारी यह कहते नहीं थक रहे हैं कि आखिरकार इंजीनियर नप ही गए। इस बात की भी चर्चा है कि अब अगला नंबर किसका आता है।

पेड़ों की कटाई निगम प्रशासन के लिए बना सिरदर्द

अयोध्या बायपास रोड पर पेड़ों की कटाई का मामला निगम प्रशासन के लिए सिरदर्द बन गया है। दरअसल हाई पॉवर कमेटी ने जैसे ही पेड़ों की कटाई की अनुमति दी, बिना देरी किए निगम की उद्धानिकी शाखा पेड़ों को काटने में जुट गई और आनन-फानन में दो हजार से ज्यादा पेड़ काट दिए। पर्यावरण प्रेमियों ने एनजीटी में याचिका दायर की, जिस पर 8 जनवरी तक स्टे मिल गया। अब चर्चा यह है कि आखिर जब एनजीटी में मामले की सुनवाई चल रही थी तो फिर पेड़ों को काटने में इतनी जल्दी निगम ने क्यों दिखाई। यही नहीं, एनएचएआई ने निगम को 4.80 करोड़ रुपए पेड़ कटाई के लिए भी जमा कर दिए जो इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है कि इतनी तेजी में तो आम लोगों के काम भी नहीं होते।

औचक निरीक्षण का भय, होने लगी सफाई

निगम आयुक्त कई बार सुबह शहर की सफाई व्यवस्था रोड पर निकल पड़ती हैं। इसकी जानकारी भी अधिकारियों को नहीं लग पाती। बीते दिनों वे दोपहर में अचानक करोंद इलाके में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पहुंच गईं। जहां के स्वास्थ्य अमले को इसकी भनक तक नहीं लगी। मौके पर एएचओ और दरोगा तो मिल गए, लेकिन मौजूद लोगों ने कचरा नहीं उठने और गंदगी की शिकायत आयुक्त से कर दी। मौके पर उनको भी लापरवाही मिली। बस फिर क्या था, वे नाराज हो गईं और हिदायत देकर चली गईं। अब उस इलाके में रोज सफाई हो रही है। स्वास्थ्य अमले को भय है कि कहीं आयुक्त मैडम दोबारा व्यवस्था देखने न आ जाएं, क्योंकि ऐसा वो पहले शहर में कई जगह कर भी चुकी हैं।

एमएम सिद्दीकी

पत्रकार के साथ हुई घटना पर सीएम ने लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आष्टा में पत्रकार प्रमोद शर्मा के साथ हुई घटना का सरकार एवं भाजपा संगठन ने गंभीरता से संज्ञान लिया है। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी मांगी है। भारतीय जनता पार्टी की मोहन सरकार एवं संगठन पत्रकारों की स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता के सदैव पक्षधर हैं और उनके सम्मान व सुरक्षा के लिए पूरी मजबूती से साथ खड़े हैं।

- निर्भीक पत्रकारिता की पक्षधर है भाजपा सरकार

सीएनजी और घरेलू पीएनजी की कीमतों के घटने से उपभोक्ताओं को हासिल होगा सीधा फायदा

थिंक गैस ने मध्य प्रदेश में पीएनजी और सीएनजी के दामों में की कमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामकीय बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा एकीकृत शुल्क में संशोधन के बाद थिंक गैस ने मध्य प्रदेश में पीएनजी और सीएनजी के मूल्यों में कटौती की घोषणा की है जिससे इस क्षेत्र में परिवारों के लिए स्वच्छ कुकिंग एवं परिवहन ईंधन कहीं अधिक किफायती हो जाएगा।

संशोधित कीमतें 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी होंगी। संशोधित शुल्क लागू होने से घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतें घटकर 5 रुपए प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) तक घटकर 44 रुपए प्रति एससीएम पर आ जाएंगी। कीमतों में कमी से परिवारों को अधिक बचत होगी और प्रतिदिन खाना पकाना अधिक किफायती हो जाएगा। थिंक गैस के चीफ मार्केटिंग एवं कॉमर्शियल ऑफिसर विनुकुमार बालकृष्णन ने कहा, "पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामकीय बोर्ड द्वारा एकीकृत शुल्क संशोधन से हम उपभोक्ताओं को बेहतर मूल्य उपलब्ध करा सकेंगे। इससे परिवारों को कहीं अधिक कुशलता से खाना पकाने का खर्च संभालने में मदद मिलेगी और सीएनजी यूज़र्स को ईंधन पर अधिक बचत होगी।" शुल्क की नई रूपरेखा के तहत मध्य प्रदेश में सीएनजी की कीमतें भी घटेंगी जिससे रोजाना दफ्तर, दुकान आने जाने वालों, ऑटो ड्राइवरों, टैक्सी ऑपरेटरों और सार्वजनिक परिवहन के ऑपरेटरों को लाभ होगा। संशोधित मूल्य निर्धारण के तहत सीएनजी 88.25 रुपये प्रति किलोग्राम पर उपलब्ध होगी।

प्रदेश की उपलब्धियों पर विभागीय मंत्रियों ने दी जानकारी

दुग्ध संकलन के साथ किसानों की आय बढ़ाने हो रहे प्रयास

बनाई गई चिप से पता लगेगा किस गोशाला में कितनी गाय, अवैध परिवहन पर लगेगी रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये निरंतर प्रयास कर रही है। दो सालों में प्रदेश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के पथ पर निरंतर प्रगति की है।

लखन पटेल।

हमारी सरकार ने गौवंश के संरक्षण और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में निराश्रित पशुओं के लिए नवीन गौशाला नीति बनाई है। यह बात शनिवार को पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री लखन पटेल ने मिंटो हॉल में मोहन सरकार के दो साल पूरे होने पर विभाग की दो वर्ष की उपलब्धियों बताते हुए कहीं। मंत्री लखन पटेल ने कहा है कि गायों की सुरक्षा के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

दुग्ध उत्पादन 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य

मंत्री ने बताया कि देश के दुग्ध उत्पादन में प्रदेश की भागीदारी 09 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने के उददेश्य से अभिनव योजना ₹डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना₹ प्रारंभ की गई है। एक हितग्राही को एक आवेदन पर एक इकाई (25 दुधारू पशु) या एक से अधिक इकाई (अधिकतम 08 इकाईयों, 200 दुधारू पशु) लेने की पात्रता होगी।

मंत्री लखन पटेल कहा कि दो वर्ष की अवधि में संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी अंतर्गत पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ के 70 पदों तथा सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों के 589 पदों पर नियुक्ति दी गई।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री ने दी उपलब्धियों की जानकारी

इंदौर में हुए साड़ी वॉकथान जैसे आयोजन प्रदेश के अन्य शहरों में भी होंगेः राज्यमंत्री

भोपाल। हस्तशिल्प और हैण्डलूम से जुड़े विभाग के ब्रॉण्ड - मृगनयनी, विंध्या वैली, कबीरा और प्राकृत के उत्पाद मध्यप्रदेश पर्यटन की इकाइयों और प्रदेश के प्रमुख धार्मिक केन्द्रों सहित लोकों में विक्रय के लिए आकर्षक रूप से प्रदर्शित कराए जाएंगे। साड़ी पहनने की गौरवशाली परम्परा को प्रोत्साहित करने के लिए इंदौर में हुए साड़ी वॉकथान जैसे आयोजन प्रदेश के अन्य शहरों में आयोजित किये जायेंगे। यह बात कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने शनिवार को एक निजी होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही। राज्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार रेशम उत्पादन गतिविधियों का प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तार तथा इस गतिविधि में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

दिलीप जायसवाल।

पीएम ऑफिस के लिए हेरिटेज महेश्वरी स्टॉल का चयन

राज्य मंत्री जायसवाल ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिथियों को भेंट करने के लिए प्रदेश के हेरिटेज महेश्वरी स्टॉल का चयन किया गया है। विभाग द्वारा यह स्टॉल विशेष रूप से गोंड पेंटिंग और बेलमेटल से सुसज्जित लकड़ी के बॉक्स में प्रदाय किए जा रहे हैं। इन स्टॉल की मांग विदेशी दूतावासों से भी प्राप्त हुई है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। योजना के तहत ऋण प्रकरणों की स्वीकृति में मध्यप्रदेश का देश में चौथा और ऋण वितरण में तृतीय स्थान है।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 28 दिसंबर 2025

पुराने शहर के पुल पातरा स्थित टिंबर मार्केट में आधी रात लगी भीषण आग का दृश्य।

आधी रात 2.44 बजे लगी भीषण आग, तीन दुकानें खाक 50 फीट तक उठीं लपटें, चार घंटे में आग पर पाया काबू

डेढ़ महीने बाद फिर दहक उठा टिंबर मार्केट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पुराने शहर के पुल पातरा स्थित टिंबर मार्केट में शुक्रवार-शनिवार की दरम्यिानी रात करीब पौने तीन बजे भीषण आग लग गई। इसकी जद में आईं तीन दुकानें पूरी तरह से जलकर खाक हो गईं। आग की लपटें 50 फीट तक ऊंची उठीं। आग लगने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकलों को आग पर काबू पाने में चार घंटे से ज्यादा का समय लगा, जबकि 9 घंटे बाद भी कई जगह से धुआं निकल रहा था। घटना स्थल पर आग पर काबू पाने के लिए निगम की 40 से ज्यादा दमकलें लगीं। मौके पर जिला प्रशासन, पुलिस, निगम के फायरकर्मियों के अलावा बिजली कंपनी का अमला भी मौजूद रहा।

आग लगने से एक दीवार भी टूटकर गिर गई, जबकि दुकानों के उपर लगी टीन की चादरें पिघलकर नाले की तरफ लटक गईं। निगम के फायर ऑफिसर सौरभ पटले ने बताया कि कोई भी निगम कर्मी घायल नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका, लेकिन शार्ट-सर्किट से आग लगने की वजह सामने आ रही है।

1. आग की जद में आने से एक दीवार गिरी,4 घायल; हमीदिया अस्पताल में चल रहा है इलाज
2. यातायात किया गया बंद, बिजली काटी, दिनभर डायवर्ट रहा ट्रैफिक
3. कलेक्टर बोले- आरा मशीनों की शिफ्टिंग की कवायद जारी है, जल्द होगी शिफ्टिंग
4. भोपाल डेकोरेटर के संचालक बोले- नुकसान का आंकलन नहीं, लेकिन भारी नुकसान

संत नगर, फतेहगढ़, कबाड़खाना, माता मंदिर, कोलार, भेल, पुलिस के दमकल वाहन पहुंचे

सुबह तक दमकलें आग बुझाती रहीं।

शनिवार सुबह पौने तीन बजे अचानक पुल पातरा स्थित टिंबर मार्केट में भोपाल डेकोरेटर शो-रुम से आग भड़क उठी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आधी रात होने के कारण कुछ देर के बाद आसपास के लोगों को आग की आहट मिली तो मौके पर पहुंचे, लेकिन तब आग काफी बड़े क्षेत्र में फैल चुकी थी। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर दमकलों की आवाजाही शुरू हो गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और बेरिकेड्स लगवाकर यातायात को डायवर्ट किया गया। क्षेत्र की बिजली बंद की गई। आग बुझाने के दौरान आरा मशीन की दीवार गिर गई, जिससे चार लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। नगर निगम के संत नगर, फतेहगढ़, कबाड़खाना, माता मंदिर, कोलार फायर स्टेशन के अलावा भेल, पुलिस के दमकल वाहनों से आग पर काबू पाने में 4 घंटे से ज्यादा का समय लगा।

कलेक्टर बोले- दो माह आरा मशीनें होंगी शिफ्ट

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि आगामी दो माह में आरा आरा मशीनों की शिफ्टिंग हो जाएगी। इसके लेकर कवायद चल रही है।

आग बुझाने में लगे सिविलयन हुए घायल

आरा मशीन पर लगी आग बुझाने के काम में आम लोग भी जुट गए। तभी अचानक आरा मशीन के मुख्य गेट की दीवार गिर गई, जिससे जावेद, जुनैद समेत चार लोग घायल हो गए। उन्हें तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां उनका तत्परता से इलाज किया जा रहा है।

शो-रूम के संचालक बोले- नुकसान का अनुमान नहीं लगाया

भोपाल डेकोरेटर शोरूम व आरा मशीन में लगी आग से करोडों रुपए के नुकसान का अनुमान है। शो-रूम के संचालक मो अंजुम ने बताया कि नुकसान का अनुमान अभी नहीं लगाया जा सका है, लेकिन आग लगने से भारी नुकसान हुआ है।

डेढ़ माह पूर्व आग से करोड़ा का हुआ था नुकसान

पुल पातरा पर डेढ़ माह पूर्व भी आरा मशीन में भीषण आग लगी थी। इसमें भी एक करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ था।

कहीं खिड़कियां जाम तो कहीं ठहराव के लिए चटकनी ही नहीं

भोपाल एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों के स्लीपर व जनरल कोच की खिड़कियां नहीं होती बंद, कांप रहे यात्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सर्दी और कोहरे के कहर के बीच ट्रेनों की देरी और बदइंतजामी से यात्री कांपने को मजबूर हैं। दरअसल, स्लीपर व जनरल कोच में खिड़कियों के कांच बंद नहीं हो रहे। इस कारण यात्रियों को सर्दी से बचने के लिए खिड़कियों पर खुद की चादरों के परदे लगाने पड़ रहे हैं। खिड़की जाम होने से सर्दी से दो चार होना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला भोपाल एक्सप्रेस में भी देखने को मिला। इस ट्रेन के जनरल कोच की खिड़की जाम होने से कांच नहीं लग पा रहा था, वहीं कुछ खिड़कियों में चटकनी नहीं होने से खिड़कियां बार-बार खुलती रहीं। इसके चलते पूरे सफर में यात्रियों को रातभर सर्दी व ठंड से परेशान होना पड़ा। उल्लेखनीय है कि यह सिर्फ भोपाल एक्सप्रेस अकेला का मामला नहीं है। भोपाल स्टेशन से गुजरने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों का यहीं हाल है। इसके पहले भी कुछ यात्रियों रेलवे हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत कर मामले की शिकायत कर चुके हैं। इस संबंध रेलवे वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि उनके पास कोई शिकायत नहीं आई है। लेकिन भी ट्रेन की खिड़कियों को चेक करा लेते

हैं। अगर कोई खिड़की जाम पाई जाती है, तो उसको तुरंत ठीक कराई जाएगी।

जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 12156 शान ए भोपाल एक्सप्रेस के दिल्ली से अपने समय पर रवाना हुई। ट्रेन के मथुरा स्टेशन पर पहुंचने व रात के समय सर्दी अधिक होने के साथ ही ट्रेन का कांच लगाने की कोशिश की। लेकिन खिड़की जाम होने से कांच नहीं लगा। ट्रेन में सफर कर रहे यात्री करीम खान ने बताया कि काफी देर तक प्रयास करने के बाद जब कांच नहीं लगा,तो अगले स्टेशन पर ट्रेन के स्टाफ से शिकायत की। लेकिन किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। इसके बाद रेलवे हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत की। लेकिन वहां से भी कोई मदद नहीं मिल सकी। ऐसे में पूरे सफर में कोच के सभी यात्रियों को सर्दी में सफर करना पड़ा।

खिड़की पर चादर का परदा लगाया, फिर भी राहत नहीं

यात्रियों का कहना था कि सर्दी से बचने के लिए अपने साथ में रखे शॉल व चादर को पदरे के रूप में लगाया,लेकिन उससे भी कोई असर नहीं हुआ। कुछ देर बाद हवा में वह भी हट जाता था।

वेटिंग एरिया फुल, ठिठुर रहे यात्री

ट्रेनों की देरी से भोपाल मंडल के अधिकांश स्टेशन पर बने वेटिंग हॉल भी फुल चल रहे हैं। इस कारण बाकी यात्रियों को प्लेटफॉर्म और सामान्य हॉल में ठिठुरते हुए ट्रेनों का इंतजार करना पड़ रहा है।

फंदा ब्लॉक के मुगलिया हाट में दिखा तेंदुए, गांव वालों में हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

इलाके में तेंदुए की मौजूदगी की सूचना से हड़कंप मच गया है। जनपद फंदा ब्लॉक की मुगलिया हाट ग्राम पंचायत में तेंदुए के दिखाई देने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के नजदीक ही जंगल क्षेत्र स्थित है और तेंदुआ गांव के खेतों तक पहुंच गया था।

ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार देर शाम खेतों की ओर तेंदुआ दिखाई देने की बात कही गई, जिसके बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया। इसी बीच सोशल मीडिया पर भी तेंदुए के मूवमेंट की एक फोटो वायरल हुई, जिसके बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की डिवीजन टीम मौके पर पहुंच गई। तेंदुए की खोज के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है तो वहीं एहतियातन वन विभाग की रेस्क्यू टीम गांव और आसपास के इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

ईंटखेड़ी के मस्तीपुरा गांव में सर्वे करने पहुंची जिला प्रशासन की टीम

भोपाल। राजधानी से सटी ग्राम पंचायत ईंटखेड़ी के गांव मस्तीपुरा में शनिवार को जिला प्रशासन की टीम सर्वे करने पहुंची। दरअसल, यहां करीब 17 एकड़ सरकारी भूमि है जो कि पूरा हरा-भरा पहाड़ है, की खुदाई करने की अनुमति दी गई है। इस पहाड़ पर सागौन, नीम और शीशम सहित अन्य करीब पांच हजार से अधिक पेड़ लगे हैं। जब इसकी भनक जनप्रतिनिधि, पर्यावरण प्रेमियों को लगी तो उन्होंने खनिज और राजस्व विभाग के अधिकारियों को शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई तो मामला कलेक्टर तक पहुंचा।

तब इस मामले में दोबारा से जांच करने की अनुमति दी गई, जिस पर टीम शनिवार को मस्तीपुरा पहुंची और सर्वे किया। सर्वे में यह बात सामने आई कि तीन एकड़ भूमि की खुदाई तो कर दी गई है, जबकि 14 एकड़ क्षेत्र में बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ दर्ज हैं। सर्वे के बाद यह जानकारी रिपोर्ट में दर्ज कर ली गई है जिसे सोमवार को कलेक्टर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मरम्मत में आ रहा 70 हजार रु. का खर्च

दो माह से रेलवे अस्पताल का बॉयलर खराब, मरीजों के ऑपरेशन बंद होने से टल रहा इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निशातपुरा रेलवे अस्पताल में इन दिनों मरीजों ऑपरेशन नहीं हो पा रहे है। दरअसल, अस्पताल का बॉयलर खराब होने के कारण यहां सर्जरी सेवाएं दो माह से पूरी तरह बंद हैं।

रेलवे सूत्रों के अनुसार बॉयलर की मरम्मत या नया उपकरण लगाने में महज करीब 70 हजार रुपए का खर्च आएगा। इसके बाद भी रेलवे प्रशासन लगातार टालमटोल कर रहा है। नतीजतन, ऑपरेशन के लिए भर्ती मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनका इलाज लगातार टलता जा रहा है। बॉयलर अस्पताल की सर्जिकल व्यवस्था का अहम हिस्सा होता है। इसके माध्यम से ऑपरेशन थिएटर में भाप, गर्म पानी और उपकरणों की स्टरलाइजेशन जैसी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। बॉयलर खराब होने के बाद से ऑपरेशन थिएटर का नियमित संचालन संभव नहीं हो पा रहा है।

उल्लेखनीय है कि यहां हर माह औसतन 80 से 85 सर्जरी की जाती हैं। इनमें से करीब 50 सर्जरी आंखों से जुड़ी होती हैं, जबकि शेष सर्जरी अन्य सामान्य और जरूरी बीमारियों की होती हैं। ऑपरेशन बंद होने से इन सभी मरीजों के इलाज पर सीधा असर पड़ रहा है।

वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं

अब तक न तो इसकी मरम्मत कराई गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर उन मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें सर्जरी की तत्काल आवश्यकता है। कई मरीजों को ऑपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती तो कर लिया गया, लेकिन बॉयलर खराब होने के कारण उनकी सर्जरी नहीं हो सकी। मजबूरी में कुछ मरीजों को निजी अस्पतालों में रेफर किया गया है। इससे मरीजों और उनके परिजनों पर मानसिक दबाव बढ़ गया है। रेलवे सूत्रों का कहना है कि मरम्मत या नया बॉयलर लगाने के लिए प्रस्ताव भी भेजा गया, लेकिन अब तक उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

बिना अधिभार संपत्तिकर जमा करने में केवल 4 दिन शेष, एक जनवरी से लगेगा 3 फीसदी अधिभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वर्ष-2025 में बिना अधिभार के संपत्तिकर जमा करने के लिए अब केवल चार दिन बाकी हैं। इस दौरान हितग्राहियों पर निगम द्वारा संपत्तिकर एवं अन्य देय करों की राशि 20 हजार रूपए से अधिक होने पर एक जनवरी-26 से तीन प्रतिशत अधिभार की राशि भी वसूल की जाएगी।

- संपत्तिकर व अन्य देय करों की राशि 20 हजार से अधिक होने पर देना होगा अधिभार

नगर निगम द्वारा ऐसे करदाता जिनका संपत्तिकर एवं अन्य देय करों की राशि 20 हजार रूपए से अधिक है से तीन प्रतिशत अधिभार लिया जाएगा। जिन करदाताओं के संपत्तिकर एवं अन्य देय करों की राशि 20 हजार रूपए से कम है उन्हें संपत्तिकर में न कोई छूट दी जाएगी और न कोई अधिभार लिया जाएगा।

इसके साथ ही नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के संपत्तिकर की राशि का भुगतान 31 अगस्त-25 तक करने वाले करदाताओं को 6 प्रतिशत की छूट दी गई और इस अवधि में कोई अधिभार नहीं लिया गया। इसके उपरांत 1 सितंबर-25 से 31 दिसंबर-25 तक संपत्तिकर पर न कोई छूट दी गई और न ही किसी प्रकार का अधिभार लिया गया। वहीं, निगम द्वारा चालू वित्तीय वर्ष से पूर्व की बकाया संपत्तिकर की राशियों पर 15 प्रतिशत वार्षिक दर से अधिभार करदाताओं पर अधिरोपित किया जाएगा।

जनवरी के पहले सप्ताह में होगा ट्रायल रन, स्वच्छता सर्वेक्षण के पूर्व निगम ने तैयार की कार्ययोजना

देश में बनारस के बाद भोपाल दूसरा शहर जहां सूखे कचरे से बनेगा टोरीफाइड चारकोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आदमपुर में देश के दूसरे टोरीफाइड चारकोल प्लांट का ट्रायल रन जनवरी-26 में पहले सप्ताह में होगा। इसके लिए निगम ने तैयारियां कर ली हैं। यह देश का दूसरा प्लांट होगा जहां रोज 400 टन सूखे कचरे से टोरीफाइड चारकोल का निर्माण होगा। इसका उपयोग ईंधन में किया जाएगा। यह प्लांट एनटीपीसी के द्वारा बनवाया गया है।

आदमपुर में यह प्लांट पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। जनवरी-26 के पहले सप्ताह में इसके ट्रायल रन की तैयारी हो रही है। एनटीपीसी के अधिकारियों के इसके ट्रायल रन को अपने निरीक्षण के दौरान मंजूरी दे दी थी। निगम आयुक्त संस्कृति जैन का कहना है कि प्लांट के ट्रायल रन की तैयारी पूरी है। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर भी कार्य योजना तैयार कर ली गई है और मैदानी अधिकारियों-कर्मचारियों को उसका पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंक लाने जारी हुई टूल किट

नगर निगम ने हाल ही में स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 के मद्देनजर अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए नई टूलकिट जारी की है। इसमें स्वच्छता मानकों को पूरा करने और कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नई गाइडलाइन शामिल की गई है।

सीएंडडी वेस्ट को प्लांट भेजना जरूरी

स्कूलों में शौचालयों की सफाई और आसपास के क्षेत्र में बेहतर व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शहर को स्वच्छ बनाया जा सके। इसके अलावा सीएंडडी वेस्ट को प्लांट पर भेजना अनिवार्य किया गया है। निगम के सभी जेडओ और एएचओ को जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़

पश्चिम मध्य रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य निरंजन वाधवानी का कहना है कि यदि इतनी छोटी राशि के अभाव में रेलवे अस्पताल में ऑपरेशन बंद पड़े हैं, तो यह आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। रेलवे जैसे बड़े और जिम्मेदार संस्थान से इस तरह की लापरवाही की उम्मीद नहीं की जा सकती। प्रशासन को इस समस्या पर तत्काल गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और मरीजों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर करना चाहिए।

निगम आयुक्त ने मामले को संज्ञान में लेते हुए फाउंटेन दोबारा शुरू करने के दिए निर्देश

8 करोड़ से बना म्यूजिकल फाउंटेन एमपीटी के हवाले नहीं, निगम खुद करेगा संचालन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बोट क्लब पर 8 करोड रुपए में बना म्यूजिकल फाउंटेन अब नगर निगम स्वयं संचालित करेगा। जबकि एक साल पहले मप्र पयर्टन विकास निगम को इसे सौंपने का प्रस्ताव आया था। बीते दिनों हरिभूमि समाचार पत्र में फाउंटेन बंद होने और गेट पर ताला लटके होने संबंधी शीर्षक से प्रमुखता से समाचार प्रकाशित होने के बाद निगम आयुक्त ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए फाउंटेन दोबारा शुरू करने के निर्देश दिए हैं। निगम ने 2018 में बोट क्लब पर शहर के इतिहास की झलक फाउंटेन के माध्यम से दिखाने यह योजना बनाई थी। 2019 में यह बनकर तैयार हो गया था। एक सप्ताह इसका संचालन भी हुआ, लेकिन इस दौरान आई तकनीकी खराबी के कारण इसे बंद कर दिया गया। हालांकि इसके मेंटेनेंस पर भी दो करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए।

धूल खा रहा स्टेज, कमरे में बंद वाटर स्क्रीन

600 लोगों के बैठकर शो-देखने की क्षमता वाला स्टेज धूल खा रहा है। छह ऋतुओं के संगीत और भोपाल के गौरवशाली इतिहास को दिखाने वाली वाटर स्क्रीन एक बंद कमरे में बंद है।

एमपीटी को सौंपने का आ चुका है प्रस्ताव

बोट क्लब पर बने म्यूजिकल फाउंटेन को एक साल पहले मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम को सौंपने का प्रस्ताव आया था, लेकिन उसे भी मंजूरी नहीं मिली थी।

दोबारा शुरू करने के निर्देश दिए हैं...

निगम आयुक्त संस्कृति जैन का कहना है कि बोट क्लब पर बंद म्यूजिकल फाउंटेन का संचालन नगर निगम करेगा। इसे शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। यह इतने लंबे समय से क्यों बंद है। इसकी भी जानकारी अधिकारियों से मांगी गई है।

जैकेट का शेष.....

भोपाल और राजगढ़...

पर बर्फबारी बढ़ने के साथ प्रदेश में सर्दी और बढ़ेगी। रात के तापमान में कमी बनी रहने से कुछ जिलों में शीतलहर, घना कोहरा और कुछ जिलों में कोल्ड डे भी हो सकता है। शनिवार को भोपाल और राजगढ़ में सीवियर कोल्ड वेव रही। इंदौर, सीहोर, गिरवर (शाजापुर), कल्याणपुर (शहडोल), मंदसौर जिलों में शीतलहर का प्रभाव रहा है।

दो दिन कोल्ड वेव के...

रीवा, मऊगंज, सतना, पन्ना, छतरपुर आदि जिलों में दो दिन घने से मध्यम कोहरे का अलर्ट है। इसके अलावा ग्वालियर, दतिया, भिंड, उमरिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर आदि जिलों में मध्यम से हल्का कोहरा रहेगा।

पारे में सबसे अधिक गिरावट यहां: शनिवार को रात के तापमान में करीब एक दर्जन जिलों में सर्वाधिक कमी आई है। यहां पारा डेढ़ से 3 डिग्री तक गिरने से तेज सर्दी का दौर शुरू हो गया है। सबसे अधिक कमी इंदौर में 2.8 और भोपाल में 2.4 डिग्री की रही। नर्मदापुरम, रायसेन, उज्जैन, जबलपुर, मंडला, नौगांव, उमरिया और मलाजखंड में रात का पारा डेढ़ से 2 डिग्री तक गिरा है। इन जिलों में अगले दो दिनों में और कमी आने की उम्मीद है।

पेज एक का शेष.....

दिग्विजय ने संघ-...

आडवाणी की एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी लालकृष्ण आडवाणी के पैरों के पास बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने लिखा कि आरएसएस का एक जमीनी स्वयंसेवक और भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता किस प्रकार नीचे बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने इस तस्वीर को प्रभावशाली बताते हुए इसे संगठन की ताकत बताया।

सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिग्विजय सिंह अपने इस पोस्ट के जरिए कांग्रेस नेतृत्व को कोई संदेश या नसीहत देना चाह रहे हैं। दूसरी ओर राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि क्या उनका इशारा कांग्रेस संगठन में जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की कमी की ओर है। यह सवाल अब सिर्फ पार्टी के अंदर ही नहीं, बल्कि बाहर भी तेजी से उठ रहा है।

गौरतलब है कि इससे करीब एक हफ्ते पहले 19 दिसंबर को भी दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को लेकर एक पोस्ट किया था। उस पोस्ट में उन्होंने राहुल गांधी से कहा था कि वे सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ कांग्रेस संगठन पर भी ध्यान दें।

सिंह बोले- लोगों ....

अपनी सफाई। उन्होंने कहा कि दरअसल, मैंने पार्टी संगठन की तारीफ की थी। लोगों ने मेरी बात को गलत समझा। मैं भाजपा और आरएसएस का कट्टर विरोधी हूं।

राहुल-प्रियंका के ....

नरेंद्र मोदी को भी टैग किया। इसके साथ ही पोस्ट की टाइमिंग भी काफी अहम मानी जा रही है। दिग्विजय सिंह ने यह पोस्ट ऐसे समय में किया, जब कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चल रही थी और वे खुद भी उस बैठक में शामिल थे।

भारतीय मूल की ....

प्रेसिडेंट और सीईओ जयश्री उल्लाल दुनिया की सबसे अमीर भारतीय सीईओ हैं। उल्लाल की नेट वर्थ 50170 करोड़ है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला 9770 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर हैं और गूगल के पिचाई 5810 करोड़ रुपए के साथ सातवें स्थान पर हैं। उल्लाल 2008 से कंप्यूटर नेटवर्किंग कंपनी अरिस्टा नेटवर्क्स को लीड कर रही हैं। उनकी लीडरशिप में कंपनी ने 2024 में 7 बिलियन का रेवन्यू हासिल किया। यानी, पिछले साल की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत ज्यादा।

जानें कौन हैं ....

ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) को बनाने में उल्लाल के पिता का खास योगदान था। उन्होंने अपने पिता के काम की वजह से सैन फ्रांसिस्को जाने से पहले नई दिल्ली के कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरी में पढ़ाई की। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सेमीकंडक्टर सेक्टर से की। इसके बाद उन्होंने एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेस इंक. और फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर में काम किया। उनका करियर क्रेसेन्डो कम्युनिकेशंस में तेजी से आगे बढ़ा, जहां 1993 में जब कंपनी को सिस्को ने खरीदा, तब वह मार्केटिंग की वाइस प्रेसिडेंट थीं। 2008 में वह अरिस्टा नेटवर्क्स में शामिल हुईं।

भाजपा-चुनाव आयोग ...

कर दिया गया है। मनरेगा को खत्म करना, राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम मनरेगा को लेकर ठोस रणनीति बनाएं और इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी जन अभियान चलाएं। खरगे ने कहा कि सरकार ने काम करने के अधिकार पर सुनियोजित हमला किया है। खरगे ने मनरेगा कानून की तारीफ करते हुए कहा कि इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला। यह दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम बना। इससे पलायन रुका, गांवों को अकाल, भूख और शोषण से मुक्ति मिली। एसआईआर को लेकर खरगे ने कहा मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण एक गंभीर मुद्दा है। यह लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की सोची-समझी साजिश है। खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत जगजाहिर है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदाता सूची में दलित, आदिवासी, अति पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के नाम न कटने पाएं।

बांग्लादेश में हिंदू ....

कमेटियों के प्रमुखों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। अगले साल असम, केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं।

ऐसे में कार्यसमिति की बैठक में इन चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

कांग्रेस सांसद ने ....

की तस्करी में शामिल, कभी जमीन खरीदने को लेकर किसी को धमकी देना, कभी अवैध रेत माफिया या कोयला माफिया से जुड़े होना, और तो और किसी की नागरिकता पर भी सवाल उठ रहे हैं। हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में एक विधायक हैं जिनकी बांग्लादेशी होने की पहचान पर सवाल उठे हैं। ऐसे कई सवाल हैं जिनका जवाब वह खुद नहीं दे पाए हैं। कार्यसमिति की बैठक से पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी गई।

भाजपा नेता ने ....

हाईवे-552 से जाम खोल दिया। इस दौरान एसडीएम रामनिवास सिकरवार और एसडीओपी रवि भदौरिया मौजूद थे। हादसे में रामदत्त राठौर (65) और अर्णव उर्फ अन्नू लक्षकार (11) गंभीर रूप से घायल थे। हादसे में घायल कमलेश राठौर, गिर्राज राठौर और अभिषेक तोमर का इलाज जारी है। हादसे के बाद कार चला रहे आरोपी भाजपा नेता को पकड़ लिया और जमकर पीटा। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया, लेकिन कुछ ही देर में आरोपी पुलिस हिरासत से भाग निकला।

तस्करों ने वनकर्मियों ....

आंख के पास गहरे जख्म आए हैं। हैरानी की बात ये है कि जिस टाइगर रिजर्व में परिंदा भी पर नहीं मार सकता, वहां आधा दर्जन हमलावर कुल्हाड़ी लेकर घूम रहे हैं। दोनों घायल जिला अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। पुलिस ने चार नामजद आरोपियों पर एफआईआर तो दर्ज कर ली है, लेकिन सवाल वही है जंगल के रखवालों का रखवाला कौन?

गांव का ही एक आदमी ठेकेदार को लेकर आया था, पुलिस और सहरिया क्रांति ने 48 घंटे में दिलाई आजादी

महाराष्ट्र के गन्ना खेतों में बंधक मप्र के 16 सहरिया मजदूरों को छुड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करैरा

सेंवड़ा गांव का ही निवासी नीतेश आदिवासी करीब ढाई माह पहले एक ठेकेदार को लेकर आया था। सुनहरे भविष्य और अच्छी मजदूरी का सपना दिखाकर उसने 5 परिवारों के 23-24 लोगों को सोलापुर (महाराष्ट्र) जाने के लिए राजी कर लिया। भूख और गरीबी से जूझ रहे इन भोले-भाले आदिवासियों को लगा कि शायद 15 दिन की मेहनत उनकी किस्मत बदल देगी, लेकिन उन्हें क्या पता था कि वे मजदूरी करने नहीं, बल्कि एक आधुनिक जेल में कैद होने जा रहे हैं। वहां पहुंचते ही नीतेश, जो उनका अपना था, मजदूरों के हिस्से के पैसे लेकर फरार हो गया। इसके बाद ठेकेदार ने मजदूरों बंधक बना लिया।

विश्वासघात और 1400 किलोमीटर दूर कालकोठरी

बंधक मजदूरों को सुबह 3 बजे अंधेरे में नींद से जगाकर गन्ने के खेतों में झोंक दिया जाता और रात के 10 बजे तक, यानी लगातार 19 घंटे जानवरों की तरह काम कराया जाता। अगर कोई थकान से गिर पड़ता, तो लाठियों से पीटा जाता। भरपेट खाना तो दूर, पीने का साफ पानी भी नहीं था। इन मजदूरों के साथ मासूम बच्चे और किशोरियां भी थीं, जो इस नरक को भोगने के लिए मजबूर थीं। 24 दिसंबर 2025 को सब्र का बांध टूट गया। सहरिया क्रांति के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में अशोक आदिवासी और पीड़ित परिवारों की महिलाओं ने शिवपुरी पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने एसडीओपी संजय चतुर्वेदी को अपनी आपबीती सुनाई और बताया कि कैसे उनके परिजन सोलापुर में कैद हैं और बिचौलिया नीतेश उन्हें बेचकर भाग गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (रढ) अमन सिंह राठौड़ ने इसे तत्काल संज्ञान में लिया। शिवपुरी से थाना प्रभारी सुभाषपुरा राजीव दुबे को एक्शन मोड में लाया गया। मोबाइल लोकेशन ट्रेस की गई तो पता चला कि मजदूर सोलापुर जिले के ग्राम पिराचीकिरौली, थाना पंडरपुर में हैं जो दूरी करीब 1400 किलोमीटर थी। महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से जब शिवपुरी पुलिस की टीम पिराचीकिरौली के उस खेत में पहुँची, तो मजदूरों को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ। पुलिस ने जब ठेकेदार के चंगुल से उन्हें मुक्त कराया, तो वे फूट-फूट कर रो पड़े।

मैंने गलतियां जरूर....

महिलाओं ने सामान्य जीवन को सार्वजनिक किया है, उसे और सार्वजनिक नहीं करना चाहता। जोशी ने कहा- मेरे पिताजी को राजनीति का संत कहा जाता है। उनकी विरासत के आधार पर कह सकता हूं कि न मैं रास्ते भटका, न ही मैंने मंजिल खोई है। मैं पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए निरंतर शुचिता के लिए लड़ूंगा। कांग्रेस की पूर्व प्रदेश सचिव पल्लवी राज समेत तीन महिलाओं ने पूर्व मंत्री दीपक जोशी के साथ शादी करने का दावा किया है। यह मामला 4 दिसंबर 2025 को तब सार्वजनिक हुआ, जब पल्लवी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें दीपक जोशी उनकी मांग में सिंदूर भरते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के सामने आते ही यह विवाद सिर्फ एक शादी तक सीमित नहीं रहा। दो और महिलाएं नम्रता जोशी और शिखा जोशी ने भी दीपक जोशी की पत्नी होने का दावा किया है।

आज राष्ट्रपति द्रौपदी ...

के पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर में भी गई थी। इसी साल अक्टूबर मे राष्ट्रपति ने एयरफोर्स के फाइटर जेट रफाल मे भी उड़ान भरी थी। कलवरी क्लास की पनडुब्बी एक ऐसी खास पनडुब्बी है जो दुश्मन के रडार को चकमा दे सकती है। पानी में चलते समय यह बिल्कुल आवाज नहीं करती। यह पनडुब्बी 50 दिनों तक पानी के अंदर रह सकती है और 350 फीट की गहराई तक जा सकती है। इसमें 8 सैन्य अधिकारी और 35 नाविकों को तैनात किया जा सकता है।

कांग्रेस में 'टैलेंट ...

समिति की बैठक में मैंने यह आह्वान किया था कि पुराने लोगों को नए लोगों के लिए स्थान खाली करना चाहिए। इसके लिए मैं स्वेच्छा से अपने पद से इस्तीफा देता हूं। दो वर्ष एक बेहद मेहनती ईमानदार, सक्षम अध्यक्ष के साथ काम करने का अनुभव अच्छा रहा।

मेरी अनन्य शुभकामनाएं।' विवाद और इस्तीफे की वजह प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग में प्रवक्ताओं हेतु टैलेंट हंट कार्यक्रम के लिए गठित समितियां बनीं। पहले प्रदेश के संगठन प्रभारी महासचिव संजय कामले ने 9 दिसंबर को समिति घोषित की।

इसमें अभय तिवारी को अध्यक्ष बना कर मुकेश नायक को बाहर कर दिया गया। इसके बाद मुकेश नायक ने 23 दिसंबर को दूसरी समिति घोषित कर दी इसमें अभय तिवारी को संयोजक और विधायक आरिफ मसूद को सह संयोजक बनाया गया। नायक ने टैलेंट हंट के लिए नेताओं को कलस्टर वार जिम्मेदारियां भी सौंप दीं। नायक की सूची पर अभय तिवारी ने आपत्ति दर्ज कराई और मीडिया विभाग के प्रभारी महासचिव के नाते नायक द्वारा गठित समिति निरस्त कर दी। इससे नायक ने खुद को अपमानित समझा और इस्तीफा दे दिया।

वॉट्सएप ग्रुप को ....

ट्वीट कर बधाई दे दी थी। लेकिन, विवाद मचने के बाद मप्र कांग्रेस और जीतू पटवारी ने अपने ट्वीट डिलीट कर दिए। नायक को यह भी पसंद नहीं आया।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
पंजाबी युवक बिलासपुर (छ.ग.) निवासी शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह हाइट 5 फुट 5 इंच, स्वयं का व्यवसाय संपन्न परिवार हेतु शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:- 9039965807

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वर चाहिए

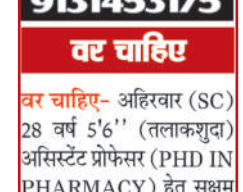

वर चाहिए- अहिरवार (SC) 28 वर्ष 5'6'' (तलाकशुदा) असिस्टेंट प्रोफेसर (PHD IN PHARMACY) हेतु सक्षम वर चाहिए, कृपया मैरिज ब्यूरो क्षमा करें, संपर्क करे- 9752378176, 91091888890 (35441)

R- 04/12/25 to 17/01/26

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू

हरिभूमि
रंगीन क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

\- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष – संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष – खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह – कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या – कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला – लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक – संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर – आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

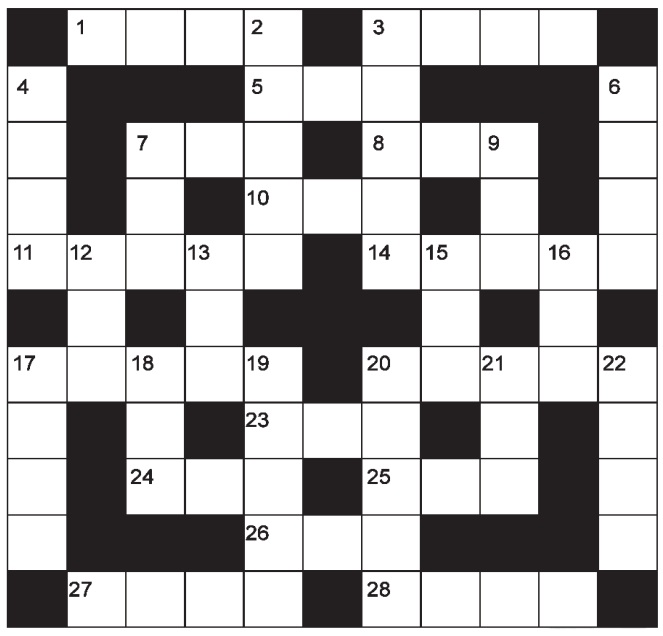

कुंभ – क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन – किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6091

बाएँ से दाए-

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6090 का हल

सूडोकु नवताल - 6101

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6100 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025
बिजनेस डेस्क

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टोरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ज एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टोरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड के फायदे

- **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- **सुसंगत प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
ईएलएसएस	3.52%
सेक्टोरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टोरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टोरल-फार्मा	0.04%
सेक्टोरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पॉन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मीराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैन्युलाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
- **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश की लागत कम होती है।
- **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

- **उच्च जोखिम :** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता :** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बदल सकता है।
- लिक्विडिटी : स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया ■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें ■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार गिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति किलो के पास आएं, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अब, जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेंगी भी। वहीं, निकुंज सर्राफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सप्लाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा दबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स में राहत मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा

डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का ऐलान हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौती से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म्स का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनलाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र.)

क्रमांक / 171/HEALTH/2025 देवास, दिनाक 26/12/2025

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेन्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2025_UAD_470945_1 26/12/2025	देवास निगम सीमा क्षेत्र के आवारा श्वानों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए एक वर्ष के लिये गैर सरकारी संगठनों/पशु कल्याण सगठनों जो कि एनिमल वेलफेयर बार्ड ऑफ इण्डिया से पंजीबद्ध हो हेतु द्वितीय ऑनलाईन निविदा प्रपत्र।	12 माह 50,00,000/-	10,000/- 1,50,000/-	09.01.2026 06:00 PM

नोटः निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम देवास

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं:- **निविदा संख्याः** विद्युत-सा.-भो-नि.-63-2025, **कार्य का नामः** भाग (A): 200 WAG-9 लोकोमोटिव को रखने के लिए इटारसी डीजल लोको शेड की क्षमता बढ़ाना। (इलेक्ट्रिकल काम) भाग (B): इटारसी - स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए FOB को शिफ्ट करने से संबंधित इलेक्ट्रिकल काम। (इलेक्ट्रिकल काम), **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 6 माह, **अनुमानित लागत** रः ₹ 3,14,59,504.05, **अग्रिम राशि** रः ₹ 3,07,300.00, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः** 08.01.2026 11:00 Hrs., **नोटः** 1. संपूर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं निविदा सूचना अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। निविदा/निविदायें हेतु मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं है तथा ऐसा कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उसे मान्य नहीं किया जायेगा। इस निविदा में आवश्यक संशोधन यदि लागू हो तो बेवसाइट पर लोड कर दिया जायेगा तथा ऐसे संशोधन कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी लगाये जायेंगे जिसे निविदा बंद होने के समय तक देखा जा सकता है। 2. ठेकेदार को निविदा में भाग लेने की पात्रता जानने के लिए एवं निविदा के साथ संलग्न करने दस्तावेज जानने के लिए IREPS पर अपलोड किए गए सभी निविदा दस्तावेजों को सभी शर्तों के साथ ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। प्रस्ताव के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों आदि को ही निविदा को अंतिम रूप देने के लिए विचार किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(सामान्य)
रानी कमलापति स्टेशन के समीप
पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही है और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

"क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा

सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चक्रवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनरी और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इंश्योरेंस से आय के नुकसान की भरपाई भी की जा सकती है।" इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है।

DIRECTORATE OF SPORTS & YOUTH WELFARE
(Government of Madhya Pradesh)
Tatya Tope Stadium, T.T. Nagar, Bhopal, (M.P.)-03
Tel. : 0755-2773012, 2778151
Website : www.dsywmp.gov.in

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

1. The Director, Directorate of Sports & Youth Welfare, Government of Madhya Pradesh invites bids on electronic mode for **"Engagement of service provider for Production and Broadcast/Live Streaming for Khelo M.P. Youth Games 2025".**
2. The bids will be received through electronic tendering mode only. The details regarding participation in the e-tendering process can be obtained on **www.mptenders.gov.in.** If any queries regarding participation through e-tender process interested bidder may contact on **Toll Free No. 18002588684.**
3. The corrigendum and addendum issued (if any) related to this bid will be published on e-tendering portal only.

M.P. Madhyam/123699/2025 DIRECTOR

कार्यालय, अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

संशोधन

विज्ञापन क्रमांक **म.प्र. माध्यम/123626/2025** द्वारा विभिन्न समाचार-पत्रों में फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रकाशित काउंसलिंग कार्यक्रम में पंजीयन करने की सुविधा को निम्नानुसार पढ़ा जावे :-

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	दिनांक 24.12.2025 से 31.12.2025 तक (31.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक)

- पंजीकृत अभ्यर्थी पूर्व में जारी समय-सारणी अनुसार प्रवेश के अवसर की दिनांक/समय को प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- शेष विज्ञापन यथावत रहेगा।
- अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, मध्यप्रदेश भोपाल आवश्यकतानुसार समय-सारणी में परिवर्तन कर सकेंगे, जिसकी जानकारी वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी।

संपर्क :- 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
म.प्र. माध्यम/123702/2025

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। अब सबसे अहम यह है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अरावली के अस्तित्व पर संकट

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

देश में बढ़ते विकास के बीच जंगल, पहाड़ अक्सर अपनी कुर्बानी देते हैं भारत में इसका सबसे ताजा उदाहरण अरावली है जो विकास बनाम पर्यावरण के बीच खड़ी है। करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। अरावली का महत्व सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं है। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। पर्यावरण के लिहाज से अरावली भूजल को रिचार्ज करने में मदद करती है, जिससे राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में पानी का संतुलन बना रहता है।

करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है

प्रदूषण रोकने में मददगार

ये पहाड़ियां धूल भरी आंधियों को रोकती हैं और प्रदूषण को सोखकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई तो रेगिस्तान फैल सकता है और उत्तर भारत में जल संकट और गंभीर हो जाएगा। एक ओर अरावली को उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे प्रदेश के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बनाकर सड़क से सदन तक संघर्ष की तैयारी में जुट गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2025 में अरावली की परिभाषा बदल दी, जिसमें 100 मीटर से ऊंची जगहों को ही पहाड़ी माना जाएगा। इस आदेश से सिर्फ राजस्थान के 15 जिलों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 फीसदी) ही इस मानक को पूरा कर सकेंगी और 90 फीसदी से अधिक क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। यही बात पर्यावरणविदों को चिंता में डाल रही है। उनका कहना है कि सिर्फ़ ऊँचाई के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाज़ा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं, झाड़ियों से ढंकी हुई और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं।

जनजीवन से जुड़ा है मामला

यह फैसला सिर्फ कानूनी व्याख्या का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, पर्यावरण व भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण. वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो। हालांकि, सरकार और कुछ कानून विशेषज्ञों का कहना है कि नई परिभाषा 1980 के दशक से चली आ रही, जो इस लड़ाई पर एक सामान्य परिभाषा बनाएगी। कोर्ट ने भी माना कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली क्षेत्र में पत्थर और खनिजों का खनन हजारों लोगों की आजीविका से जुड़ा है और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी है। बिना ठोस वैज्ञानिक और कानूनी आधार के पूरी तरह से प्रतिबंध के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि नई परिभाषा का मकसद नियमों को मज़बूत करना और एकरूपता लाना है, न कि सुरक्षा को कम करना। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह मान लेना ग़लत है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली हर जमीन पर खनन की इजाज़त होगी।

अब अरावली की नई परिभाषा

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 1,47,000 वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली श्रृंखला का सिर्फ़ दो फीसदी हिस्सा ही संभावित रूप से खनन के लिए इस्तेमाल हो सकता है और वह भी विस्तृत अध्ययन और आधिकारिक मंजूरी के बाद। बहरहाल, अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और केंद्र सरकार द्वारा अरावली की नई परिभाषा तय करने के प्रयासों के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में एक सबसे अहम सवाल है, जो देखने में सरल लेकिन असल में बेहद खतरनाक है- आखिर अरावली की कानूनी और पर्यावरणीय परिभाषा क्या होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने जो नई परिभाषा पर मुहर लगाई है क्या वो पर्यावरण मानकों और साइंटफिक स्केल के दायरे में किया गया है? यह सवाल इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि इसी परिभाषा के आधार पर यह तय होता है कि कौन-सा क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स या संरक्षण के दायरे में आएगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार की सुझाई गई परिभाषा को स्वीकार किए जाने के बाद यह बहस और तीखी हो गई है। अरावली का महत्व केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले मैदानों के बीच एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करती है। राजस्थान, दिल्ली और गुरुग्राम जैसे क्षेत्रों में यह धूल भरी हवाओं को रोकने, तापमान नियंत्रित करने और वर्षा के जल को जमीन में समाहित करने में सहायक है। अरावली के जंगल कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि अरावली को गंभीर क्षति पहुंचती है, तो इसके परिणाम दूरगामी होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार इससे वायु प्रदूषण में वृद्धि, भीषण गर्मी और हीटवेव, और भूजल स्तर में तेज गिरावट जैसी समस्याएं और गहराएंगी।

माइनिंग कंट्रोल करना ज़रूरी

यह राजस्थान में मरुस्थलीकरण की गति बढ़ सकती है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने एक ऐसे निर्णायक मोड़ की ओर संकेत किया है, जहां कानूनी व्याख्या और पर्यावरणीय वास्तविकता के बीच संतुलन स्थापित करना अनिवार्य हो गया है। आने वाले समय में इस फैसले के प्रभाव केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण और जनजीवन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। दरअसल, यह पूरा मामला दिखाता है कि अरावली संरक्षण की लड़ाई लंबी है। विकास और पर्यावरण का संतुलन कैसे बनेगा, यह समय बताएगा। लेकिन आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। सरकार अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चला रही है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है।

जीवन के लिए पर्वतीय श्रृंखला का जिंदा रहना जरूरी

मुद्दा

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दशकों से चल रही राजनीति, विरोधाभासी फैसलों और बदलती परिभाषाओं के बीच यह सवाल सबसे अहम है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? हाल ही में केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों में नए खनन मामलों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर तक फैली पूरी अरावली श्रृंखला पर लागू किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो खदानें पहले से संचालित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करना होगा। सरकार का दावा है कि इससे प्रकृति को हो रहे नुकसान को रोका जाएगा और अरावली क्षेत्र में हरियाली लौटाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी बीच अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद गहरा गया है। हालिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया कि केवल वही भूमि अरावली पहाड़ी मानी जाएगी, जो आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हो।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं।

इस परिभाषा के सामने आते ही पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों ने आशंका जताई कि इससे बड़ी संख्या में छोटी पहाड़ियां, टीले और झाड़ियों से ढके क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं रह पाएगा और उसे रियल एस्टेट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है। सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और खनन पर लगे प्रतिबंध से बौखला गया है। पर्यावरण मंत्रालय का दावा है कि अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सर्वे ऑफ इंडिया को नई परिभाषा के आधार पर नक्शा तैयार करने के निर्देश केवल स्पष्टता के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके, इस मुद्दे पर देशभर में विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और जनसभाएं हो रही हैं, जो बताती हैं कि जनता की चिंता गहरी है। अरावली मानसून के दौरान बादलों की दिशा मोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मैदानों को वर्षा मिलती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकती है और रेत–धूल को दिल्ली–एनसीआर तक पहुंचने से काफी हद तक थामे रखती है। इसके अलावा, अरावली को भूजल रिचार्ज का इंजन भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में मौजूद जंगल, चट्टानें और मिट्टी वर्षा जल को जमीन में समाहित कर जलस्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अरावली को लेकर राजनीतिक दलों की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। आरोप है कि 2003 में कांग्रेस सरकार के दौरान 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा की नींव रखी गई थी, जिसे 2010 में सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। तब अदालत ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। अब करीब 14 साल बाद वही परिभाषा एक बार फिर सामने आई और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। इस कारण विपक्ष और पर्यावरणविद् दोनों सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सच्चाई यह है कि अरावली को सबसे ज्यादा नुकसान राजनीति से ज्यादा लालच और अनियंत्रित विकास ने पहुंचाया है। खनन, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के नाम पर इस पर्वतमाला को लगातार काटा गया। नतीजा यह है कि दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना रहता है और लोगों की औसत आयु तक प्रभावित हो रही है। आज जरूरत इस बात की है कि अरावली को केवल राजनीतिक बहस का विषय न बनाकर राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देखा जाए। वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय समुदायों की राय को गंभीरता से सुना जाए। विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही एकमात्र रास्ता है। क्योंकि सच यही है-अगर अरावली जिंदा रहेगी, तभी हमारी हवा, पानी और जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

अरावली बचाने की मुहिम पर सवाल उठाना गलत

विवाद

रोहित कौशिक

स्वतंत्र पत्रकार

अरावली पर चले रहे विवाद के बीच केन्द्र सरकार ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह रोक पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होगी और इसका मकसद इस क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखना है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और अरावली की पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं, जिससे कई तरह के पर्यावरणीय बदलाव होंगे। मुख्य रूप से राजस्थान में अरावली की नई परिभाषा को लेकर आन्दोलन तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली की पहाड़ियां हैं लेकिन राजस्थान में अरावली की 80 प्रतिशत पहाड़ियां हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों में अवैध खनन को रोकने के लिए केन्द्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट का कहना था कि अरावली की पहाड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। सभी राज्य अपने अनुसार यह तय करते हैं कि वे किस पहाड़ को पहाड़ मानेंगे और किस पहाड़ पर खनन करने की इजाजत देंगे। इसी संशय को दूर करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति बनाई। इस समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सिफारिशें दाखिल कीं। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशों में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यदि किसी पहाड़ की ऊंचाई 100 मीटर या उससे ज्यादा है तो उस पहाड़ से 500 मीटर के इलाकों को अरावली क्षेत्र माना जाएगा और वहां किसी भी प्रकार के खनन की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा कि जो पहाड़ इस परिभाषा के हिसाब से अरावली क्षेत्र में नहीं आएंगे, वहां सस्टेनेबल माइनिंग यानी टिकाऊ खनन हो सकेगा। सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। लोगों का मानना है कि इस परिभाषा के हिसाब से अरावली के 90 प्रतिशत पहाड़ खत्म हो जाएंगे क्योंकि इन पहाड़ों की ऊंचाई 100 मीटर से ज्यादा नहीं है। यह सही है कि अरावली क्षेत्र में पहले से ही खनन होता रहा है लेकिन अब समाज में अरावली को बचाने की चिंता देखी जा रही है तो इस चिंता को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो।

देश में तमाम प्राकृतिक धरोहरों को संभालना होगा

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां इन दिनों सियासत की जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को लेकर सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं जिसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी जमकर हो रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे थे, वह उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया।

हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है।

भूगोलविद सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को समझे। जिस तरह केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया गया है और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा ही हरियाणा में आता है और बाकि हिस्सा राजस्थान में है। जनता का आरोप है कि बीते कई वर्षों से अरावली की चोरी हो रही है और 100 मीटर बने

आज जब अरावली की समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती।

कानून का कोई औचित्य नहीं है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने इसकी पैरवी की और ये गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के जरिए की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि एक तरफ देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है।

पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? बहरहाल, आज जब अरावली की वजह से प्राकृतिक समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती। इसमें लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। मौजूदा स्थिति में हाईटेक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाने लगा। हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नहीं हैं जितने कि हमें जरूरत है। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है।

हमारे यहां जनसंख्या का तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण व पहाड़ों को बर्बाद किया जा रहा है देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी।

आजादी की लड़ाई से लेकर देश के नवनिर्माण तक कांग्रेस

स्थापना दिवस

दीपक बैज

कांग्रेस ने अपनी स्थापना के 140 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 141वें स्थापना दिवस की आप सभी को बधाई। आज भले ही अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकार नहीं है, लेकिन कांग्रेस ही देश का एक मात्र राजनैतिक दल है जिसका कार्यकर्ता भारत के उत्तर, दक्षिण, पूरब से लेकर पश्चिम के हर गांव में मिल जाएगा। 28 दिसंबर 1885 को कुछ बुद्धिजीवियों ने भारत के लोगों की जरूरतों, उनकी समस्याओं के विमर्श के लिए एक मंच की जरूरत महसूस की, जो तत्कालीन हुक्मरानों के समक्ष भारत की जनता की आवाज बन सके, सरकार के द्वारा बनाई जा रही नीतियों में भारतीयों की जरूरतों को स्थान दिलवाया जा सके। इन्हीं उद्देश्यों को लेकर 72 सदस्यों ने कांग्रेस की स्थापना की जिनमें एओ ह्यूम, दादाभाई नौरोजी, व्योमेश चन्द्र बेनर्जी, काशीनाथ तेलंग, राघवाचारी प्रमुख थे। कांग्रेस का पहला अधिवेशन व्योमेश चन्द्र बेनर्जी की अध्यक्षता में मुंबई में हुआ। भारतीयों की समस्याओं को उठाने के उद्देश्य के लिए गठित की गई कांग्रेस पार्टी बहुत जल्दी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की मुखर विरोधी बन गयी। गठन से लेकर भारत की आजादी तक कांग्रेस के लगभग 15 मिलियन सदस्य बन गए थे।

गुलाम भारत के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत कर उनमें आजाद मुल्क की ललक पैदा करना एक बड़ा कठिन काम था, जब तक लोगों में आजादी और स्वराज की जरूरत की चेतना जागृत नहीं होगी, अंग्रेजी शासन के खिलाफ कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं हो सकता, इस बात को कांग्रेस ने भली भांति समझ लिया था, इसीलिए कांग्रेस ने शुरू से ही अंग्रेजी हुकूमत के विरोध के कार्यक्रमों में आम आदमी को जोड़ा और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया। 1915 में महात्मा गांधी के भारत आगमन के बाद उन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता सौंपी गयी, 1919 में गांधी जी कांग्रेस के प्रतीक पुरुष बन गए और इसके बाद कांग्रेस ने देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ जनांदोलनों को खड़ा करना शुरू किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का नारा दिया और रावी नदी के तट पर तिरंगा फहराया गया।

कांग्रेस आजादी का लक्ष्य प्राप्त करने में इसलिए सफल हुई क्योंकि वह लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रही थी। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस किसी एक वर्ग की नही बल्कि सम्पूर्ण भारत की अगुवाई कर रही थी। कांग्रेस में कई विचार धाराएं थी, गांधी जी सहित कांग्रेस के नेतृत्वकर्ताओं ने वैचारिक मतभिन्नता का पूरा सम्मान किया तथा विभिन्न विचारों को लेकर स्वतंत्र भारत के एक लक्ष्य के साथ कांग्रेस दुनिया के सबसे बड़े सफल अहिंसक आंदोलन को चलाने में कामयाब हुई। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस भारत के जनमानस की आईना थी। सारा भारत कांग्रेस के साथ था सिर्फ साम्प्रदायिक जातिवादी और अंग्रेजों के प्रति श्रद्धा रखने वाले संगठन जरूर कांग्रेस के खिलाफ थे।

आजादी के बाद छोटे बड़े रजवाड़ों रियासतों को समाहित कर लोकतांत्रिक भारत के निर्माण के साथ समानता वाले भारत का निर्माण, सबको समान

आर्थिक अवसर के साथ धार्मिक, सामाजिक और लैंगिक समानता को सुनिश्चित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जानते थे कि यह सारे लक्ष्य तभी फलीभूत हो सकते हैं जब भारत आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सुरक्षित हो, स्वस्थ हो। इसीलिये नेहरू जी ने सिंचाई परियोजनाओं के साथ बड़े कल कारखानों की नींव साथ में रखी। नेहरू जी ने विज्ञान और संस्कृति के सामंजस्य वाले भारत की कल्पना की थी। यही कारण था कि उन्होंने देश में आईआईएम, आईआईटी जैसे अभियांत्रिकी प्रबन्ध संस्थानों से लेकर बेहतरीन चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना की। पंडित नेहरू के बाद की कांग्रेस सरकारों ने उनके द्वारा स्थापित इस मजबूत नींव पर आधुनिक भारत की शानदार इमारत की स्थापना पर कोई कसर नही छोड़ी।

नेहरू जी के बाद शास्त्री जी के समय अनाज की उपलब्धता बढ़ाई, देश की सुरक्षा को लक्ष्य रख कर जय जवान जय किसान का नारा दिया गया। इंदिरा जी हरित क्रांति, बीस सूत्री कार्यक्रम, अंतरिक्ष कार्यक्रम, परमाणु कार्यक्रम से सुदृढ़ भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता में रखा। राजीव गांधी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तब देश को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए कांग्रेस की प्राथमिकता में सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर क्रांति थी, मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 करके युवाओं को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का अवसर दिया, पंचायतों को सशक्तिकरण कर सत्ता के विकेंद्रीकरण का मार्ग भी खोला गया। पीवी नरसिंहराव जी के समय आर्थिक उदारीकरण को अपना कर वैश्विक व्यापारिक जगत में भारत को मजबूती से खड़ा करने का प्रयास किया गया। यूपीए चेयर पर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन तथा मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों के साथ खाद्य सुरक्षा कानून, सूचना के अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी, शिक्षा का अधिकार, भू–अधिग्रहण जैसे कानूनों को लाकर कांग्रेस ने आम आदमी के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया।

2014 में केंद्र की सत्ता तथा 2023 में राज्य की सत्ता हाथ से जाने के बाद कांग्रेस एक सजग विपक्ष की भूमिका निभा रही है। बहुमत के अतिवादी चरित्र का विरोध जिस बेबाकी और निडरता से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, खड़गे जी कर रहे है वह कांग्रेस के उन्ही मूल्यों उपज है जिन मूल्यों को लेकर कांग्रेस ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन और भारत के सबसे बड़े राष्ट्रवादी आंदोलन से भारत की आजादी की लड़ाई को लड़ा था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे अनुभवी शख्स को पार्टी के निचले पायदान ब्लाक अध्यक्ष से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना कांग्रेस जैसे दल में ही संभव है। आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार नेशनल हेराल्ड तथा यंग इंडिया जैसे देश और कांग्रेस की अमूल्य धरोहरों को लेकर केंद्र की सत्तारूढ़ दल भाजपा के द्वारा षड्यंत्र किया गया। कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रहार किया गया। आजादी की लड़ाई के इन प्रतिमानों यंग इंडिया और नेशनल हेराल्ड को बचाने के प्रयासों को ही अपराध साबित करने की कुचेष्टा की गई, लेकिन अदालत में यह षड्यंत्र बेनकाब हो गया।

कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने देश के मजदूरों और वंचित वर्ग के लोगों को रोजगार मुहैया कराने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्श के अनुरूप मनरेगा कानून का निर्माण किया था, वर्तमान केंद्र सरकार ने मनरेगा कानून की मूल आत्मा को नष्ट करने के लिए संसद में नया विधेयक पारित करवाया। इस कानून में महात्मा गांधी के नाम को हटा दिया गया। साथ ही मनरेगा कानून में मजदूरों के लिए रखे गये प्रावधानों को खत्म कर दिया गया। कांग्रेस महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप देश के अंतिम आदमी के साथ हमेशा खड़ी रही है। ऐसे तत्वों को ऐसी कुचेष्टा का हमेशा से विरोध करती रही है। इस षड्यंत्र से कांग्रेस का देश में सर्वधर्म समभाव, सर्वजनहिताय के लक्ष्य को प्राप्त करने का ईरादा कमजोर नहीं होगा।

(लेखक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं)

सुधांशु ने पुतिन और पित्रोदा के बयानों का किया जिक्र

राहुल भारत विरोधी वैश्विक साजिश के स्थायी प्रतिनिधि बन गए

सैम ने कांग्रेस को ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस का हिस्सा बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। त्रिवेदी ने राहुल पर भारत विरोधी गठबंधन का हिस्सा होने का आरोप लगाया। त्रिवेदी ने कहा कि सैम पित्रोदा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि कांग्रेस पार्टी ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस का हिस्सा है और उसी में भाग लेने के लिए राहुल गांधी जर्मनी गए थे। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी इस अलायंस के सह-अध्यक्ष हैं और वे खुद इसके सदस्य हैं। त्रिवेदी ने कहा कि ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़ा है। त्रिवेदी ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की किताब का हवाला देकर राहुल की समझ पर सवाल उठाया। साथ ही, पित्रोदा के एक बयान पर त्रिवेदी ने कांग्रेस को भारत विरोधी वैश्विक साजिश का हिस्सा बताते हुए हमला बोला।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस को घेरा

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा ने राहुल की समझ पर किया था प्रश्न

पुतिन का जिक्र कर राहुल पर की आरोपों की बौछार

भाजपा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी

भाजपा ने कहा कि हाल ही में राहुल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से उनकी मुलाकात न होने पर आपत्ति जताई थी। लेकिन मुलाकात सिर्फ मेजबान देश ही तय नहीं करता, बल्कि मेहमान देश भी तय करता है। राहुल से पूछना चाहते हैं अभी आप जर्मनी गए थे, तो उन्होंने एक संस्थान में भारत विरोधी बयान दिया, लेकिन वह संस्थान रूस में प्रतिबंधित है।

सोरोस ने राष्ट्रवादी ताकतों को हराने 10 लाख डॉलर का फंड दिया...

जॉर्ज सोरोस का जिक्र कर भाजपा ने कहा कि 23 जनवरी 2020 को दावोस में सोरोस ने कहा था कि दुनिया में सिविल सोसाइटी को फिर से स्थापित करने और राष्ट्रवादी ताकतों को हराने के लिए 10 लाख डॉलर का फंड खर्च करने का ऐलान किया था और प्रधानमंत्री मोदी का नाम साफ तौर पर लिया था। राहुल को कांग्रेस के द्वारा सत्ता पाने की संभावनाएं खत्म होती नजर आ रही हैं। वे भारत विरोधी ताकतों की मदद से सत्ता पाने का दिवा-स्वप्न देख रहे हैं।

हमें इससे फर्क नहीं पड़ता

भाजपा ने कहा कि जब पित्रोदा से सवाल किया गया कि आप सोरोस से जुड़े लोगों के साथ उठते बैठते हैं, जिस पर पित्रोदा ने कहा कि हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भाजपा ने कांग्रेस को घेरा।

पित्रोदा ने कांग्रेस का असली चेहरा बेनकाब कर दिया

त्रिवेदी ने इसके बाद इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा के एक हालिया बयान पर भी कांग्रेस को घेरा। त्रिवेदी ने कहा राहुल के लंबे समय के सलाहकार सैम पित्रोदा, जो उनके दिवंगत पिता के भी सलाहकार थे और उनकी विचारधारा और सोच के निर्माता हैं, ने अनजाने में कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है।

कांग्रेस मैच प्रैक्टिस नहीं करती अंपायर को बनाती है दोषी

भाजपा ने कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस संगठन पर बैठकें नहीं करती। वह उस बल्लेबाज जैसी है, जो कभी प्रैक्टिस नहीं करता, अंपायर को दोषी मानता है।

खबर संक्षेप

एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात त्यागी की मौत

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान शनिवार को घटना के तीसरे दिन मौत हो गई। उसका ट्रॉमा सेंटर मे उपचार चल रहा था। पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी पर जाते समय बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर फायरिंग की थी। त्यागी के सीने, हाथ और गले में गोली लगी थी। एम्स के पीआरओ श्रीलॉय मोहंती ने मौत की पुष्टि की है।

भगदड़ में अल्लू अर्जुन के खिलाफ चार्जशीट पेश

मुंबई। अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ मामले में पुलिस ने 1 साल बाद चार्जशीट दाखिल कर दी है। बीते 4 दिसंबर 2024 को ये ये भगदड़ हैदराबाद के संध्या थिएटर जो आरटीसी एक्स रोड्स पर है, में एक महिला की मौत हो गई थी। वहीं एक छोटा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस पर कार्रवाई की गई है।

दिल्ली में आघात के तहत 966 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। नव वर्ष समारोह से पहले दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में चलाए गए एक व्यापक अभियान के दौरान दिल्ली पुलिस ने 966 लोगों को गिरफ्तार किया। ऑपरेशन आघात 3.0 अभियान साल के अंत में उत्सवों के दौरान लोगों की आवाजाही को देखते हुए संगठित अपराध, सड़क अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए शुरू किया गया था।

2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या का आंकड़ा 16.54 करोड़ तक पहुंच गया, जो कि सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। यह आंकड़ा कोविड-पूर्व स्तर के लगभग 14.15 करोड़ से 16.8% अधिक है। भारतीय वाहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 3.38 करोड़ रही, जो कि सालाना आधार पर 14.1% की वृद्धि है।

कोर्ट ने सजा दी, कोर्ट ने ही जमानत दी: ब्रजभूषण

नई दिल्ली। उन्नाव रेप केस में दोषी ठहराए गए पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित होने के बाद देशभर में उठे विरोध के बीच भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह उनके समर्थन में आ गए हैं। जब सजा देने वाली और सजा निलंबित करने वाली संस्था एक ही है तो शोर क्यों?

सीडब्ल्यूसी की बैठक में खरगे और राहुल गांधी ने किया ऐलान

अब हम चुप नहीं बैठेंगे, 5 जनवरी से देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी कांग्रेस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करने के खिलाफ देशभर में अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पांच जनवरी से पूरे देश में 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी। वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने खरगे की इस अपील का समर्थन किया है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद खरगे ने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा को बचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर जनता के बीच जाएगी और सरकार के फैसले का विरोध करेगी। खरगे ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं है, बल्कि यह संविधान की ओर से दिया गया काम करने का अधिकार है। इसे कमजोर या खत्म करना गरीबों और मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा को खत्म करने के फैसले से लोग नाराज हैं और सरकार को इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। खरगे ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगी।

जनता के बीच जाएंगे और सरकार के फैसले का विरोध करेंगे

बैठक में नेताओं ने मनरेगा को बचाने का संकल्प लिया

नई दिल्ली में संकल्प पत्र का वाचन करते कांग्रेस के शीर्ष नेता

इस बीच राहुल ने भी खरगे की इस अपील का समर्थन किया

लोकतंत्र और संविधान पर हो रहा हमला

खरगे ने कहा कि मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। उन्होंने 3 कृषि कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह कड़े विरोध के बाद सरकार को वे कानून वापस लेने पड़े थे, उसी तरह मनरेगा के मामले में भी जनता की आवाज उठेगी। इसके साथ ही खरगे ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

केंद्र ने बिना सलाह लिए योजना को खत्म किया

खरगे ने कहा कि मनरेगा यूपीए सरकार का एक दूरदर्शी कानून था, जिसकी सराहना पूरी दुनिया में हुई। इस योजना का असर इतना बड़ा था कि इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि (केंद्र की नरेंद्र) मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन, मूल्यांकन या राज्यों और राजनीतिक दलों से सलाह लिए इस कानून को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसा ही तरीका तीन कृषि कानूनों के साथ अपनाया था।

राहुल ने यह कहा

मनरेगा को खत्म करना संघीय ढांचे पर सीधा हमला

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा को खत्म करना अधिकार पर आधारिक प्रणाली और देश के संघीय ढांचे पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि यह फैसला गरीबों और राज्यों के अधिकारों को कमजोर करता है। राहुल ने कहा कि मनरेगा केवल एक रोजगार योजना नहीं थी, बल्कि यह एक विकास का ढांचा था। इसने ग्रामीण भारत को मजबूती दी और लोगों को काम करने का अधिकार दिया। प्रधानमंत्री ने बिना मंत्रिमंडल से सलाह लिए मनरेगा को एकतरफा तरीके से खत्म कर दिया।

नोटबंदी जैसा फैसला बताया

राहुल ने इसे राज्यों और गरीब लोगों पर किया गया घातक हमला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम भी उसी तरह एकतरफा है, जैसे पहले नोटबंदी का फैसला लिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस फैसले का विरोध करेगी और इसके खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। राहुल गांधी ने भरोसा जताया कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट होकर सरकार के इस कदम के खिलाफ खड़ा होगा।

विजयन को शिवकुमार ने दी नसीहत

हकीकत जाने बिना हमारे राज्य के मामले में 'वे' दखल न दें

अवैध झुग्गियों को तोड़ा गया

सीएम विजयन

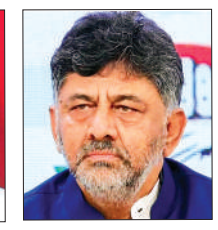

डीके शिवकुमार

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन को उत्तरी बेंगलुरु में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में हस्तक्षेप न करने की सलाह दी। केरल के सीएम विजयन ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी में मुस्लिम आवासीय क्षेत्रों को कथित तौर पर ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इस कार्रवाई को चौंकाने वाला और पीड़ादायक बताया था। उन्होंने कहा था कि फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में वर्षों से रह रहे मुस्लिम परिवारों के घर गिराए जाना दर्दनाक और चौंकाने वाला है। यह पूरी तरह एक राजनीतिक बयान है। बिना तथ्य जाने पिनरई विजयन को हमारे राज्य के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। यह चुनाव के समय किया गया राजनीतिक हथकंडा है।

वह अधिसूचित जमीन थी

शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि जिस जमीन पर झुग्गियां बनी थीं, वह ठोस कचरा प्रबंधन के लिए नौ साल पहले अधिसूचित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह जगह एक पुरानी खदान और कचरा डंपिंग साइट है, जो बेहद खतरनाक और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने रातों-रात अवैध रूप से कब्जा कर लिया। यह जमीन हड़पने का मामला है। इसमें किसी समुदाय को निशाना बनाने की बात बिल्कुल गलत है।

बुलडोजर का नहीं किया गया इस्तेमाल

डीके ने कहा कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह के बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया गया। हमने सिर्फ सार्वजनिक जमीन की रक्षा की है। यह शहर के बीचों-बीच स्थित कचरा प्रबंधन की जगह है। हम ऐसे अवैध स्लम को बढ़ावा नहीं देंगे।

जबरन अतिक्रमण किया गया था

शिवकुमार के अनुसार अधिकतर अतिक्रमणकारी बाहरी लोग हैं और कुछ ही स्थानीय हैं। उन्होंने बताया कि यह इलाका ब्यातरायनपुरा विधानसभा क्षेत्र में आता है, जहां से राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा विधायक हैं। उन्होंने कहा कि वह वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं और उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए थे कि किसी भी तरह की भूमि हड़पने की कोशिश न होने दी जाए।

आईजीएमसी में डॉक्टर और मरीज के बीच हाथापाई

प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं ठप रहीं

रेजिडेंट डॉक्टर गए आकस्मिक अवकाश पर, नारेबाजी भी की

108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी भी हड़ताल पर गए

एजेंसी ▶▶ शिमला

इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में डॉक्टर और मरीज के बीच हुई हाथापाई मामले ने तूल पकड़ लिया है। शुक्रवार को डॉक्टरों के कैजुअल लीव पर जाने से प्रदेशभर के स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं ठप रहीं। मरीज इलाज के लिए भटकते रहे। अभी तक मरीजों को ऑपरेशन की अगली तारीख नहीं दी गई है। अब डॉक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। दूसरी ओर 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारियों के भी हड़ताल पर जाने से मरीजों की परेशानी और बढ़ा दी है।

डॉक्टर की सेवाएं समाप्त करने पर गुस्सा बढ़ा

मरीज से मारपीट के आरोप में डॉ. राघव की सेवाएं समाप्त किए जाने के बाद रेजिडेंट डॉक्टर गुस्से में हैं। टांडा, नाहन, नेरचौक, चंबा और हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में सेवाएं प्रभावित रहने का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ा। ओपीडी के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं। लेकिन बिना उपचार किए घर लौटना पड़ा। ओपीडी में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती भी मरीजों की भीड़ के आगे वह भी बेबस रही।

कोहरे से 80 से ज्यादा ट्रेनें विलंब से चल रहीं, तेजस रद्द

नई दिल्ली। कोहरे के कारण ट्रेन यात्रियों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं। कई दिनों से लगातार देरी के कारण शनिवार को नई दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस रद कर दी गई। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस और कटिहार-नई दिल्ली चंपारण हमसफर एक्सप्रेस 20 घंटे से ज्यादा देरी से दिल्ली पहुंचीं। 80 से ज्यादा ट्रेनें दो से 21 घंटे की देरी से पहुंचीं।

हवा महल में पर्यटकों की भीड़

जयपुर। शनिवार को जयपुर में सर्दियों की छुट्टियों के मौसम में हवा महल में पर्यटकों की भीड़ लगी रही।

एनसीपी (एसपी) और अजित की एनसीपी के मर्जर की चर्चाएं तेज

एकता की बयार...चाचा-भतीजे की जुगलबंदी का ब्लूप्रिंट तैयार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) और अजित पवार की एनसीपी के मर्जर की चर्चाएं तेज हैं। बताया जा रहा है कि ऐसा होने की सूरत में पुराना समझौते का ब्लूप्रिंट ही अमल में लाया जाएगा। इस समझौते के मुताबिक अजित पवार महाराष्ट्र की सियासत संभालेंगे। वहीं, लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के जिम्मे दिल्ली रहेगी और वह राष्ट्रीय स्तर के मामले देखेंगी। बेहद विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से आ रही खबर में यह दावे किए जा रहे हैं।

समझौते के अनुसार अजित संभालेंगे महाराष्ट्र की सियासत

शरद के संन्यास लेने की चर्चा

असल में एनसीपी-एसपी के दिग्गज शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल 2026 में खत्म हो जाएगा। माना जा रहा है कि 85 साल के हो चुके शरद पवार, इसके बाद सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लेंगे। पहले भी शरद राजनीति छोड़कर सोशल वर्क को ज्यादा समय देने की इच्छा जता चुके हैं। कहा जा रहा है कि पारिवारिक कार्यक्रमों से इतर पवार परिवार के बीच कई मीटिंग्स का दौर चला है।

सुले को केंद्र की राजनीति की स्वतंत्रता रहेगी

यह भी चर्चा की गई कि अजित लोकसभा सांसद सुले के भविष्य को सुनिश्चित करेंगे और उन्हें केंद्र की राजनीति में पूरी स्वतंत्रता देंगे। वजह, उन्होंने दिल्ली में राजनीति को राज्य की तुलना में अधिक कुशलता से संभालने का प्रदर्शन किया है।

बीएमसी चुनाव में विपक्षी एकता का गुब्बारा फूटा कांग्रेस का अलग राग

बीएमसी के चुनाव में एमवीए के साथ ही इंडिया गठबंधन भी पूरी तरह दरक गया है। चुनाव के लिए 15 जनवरी को वोटिंग होनी है और उससे पहले तमाम कोशिशों के बाद भी एमवीए में शामिल दल एकजुट नहीं हो सके। एमवीए में शामिल उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से हाथ मिला तो कांग्रेस ने इससे पहले ही एमवीए से अलग होकर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था।

असम में 40% बांग्लादेशी

प्रदेश की मूल पहचान खतरे में, राज्य बारूद के ढेर पर

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम में दावा किया कि राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी। यह चिंतनीय है।

यहां के हालात को बताया चिंताजनक

सरमा ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भी यही बात कही थी और कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं

अमेरिका में भयंकर बर्फीले तूफान 'डेविन' की दस्तक, घरों में रहने की सलाह

न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल घोषित, 1800 उड़ानें रद्द

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं। बर्फीले तूफान और बर्फीली बारिश से सड़कों पर फिसलन है। नेशनल वेदर एजेंसी (एनडब्ल्यूए) ने विंटर स्टॉर्म 'डेविन' को लेकर चेतावनी जारी करते हुए न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल की घोषणा कर दी है और लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी है।

- सड़कों पर 10-12 इंच मोटी बर्फ की परत जमी

तूफानी हवाओं से पेड़ गिरे, बिजली आपूर्ति बाधित

बर्फीले तूफान के चलते वाहनों की आवाजाही में दिक्कत

सड़कों पर बिछी बर्फ की मोटी चादर

एनडब्ल्यूए की रिपोर्ट के अनुसार, इस बार सर्दियों का सबसे भीषण बर्फीला तूफान आया है, जिससे न्यूयॉर्क सिटी और इसके आस-पास के इलाकों में 2 से 8 इंच मोटी बर्फ की परत बिछा दी है। कहीं-कहीं 10 इंच मोटी परत जमा है। न्यू जर्सी, कनेक्टिकट, पेंसिल्वेनिया में तूफानी हवाएं चलने से पेड़ गिर गए और बिजली की तारें टूटने से बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई है। मिशिगन, पेंसिल्वेनिया में फ्रीजिंग रेन और स्नोफॉल से सड़कों पर 10 से 12 इंच मोटी बर्फ की परत जमा है और सड़कें भी फिसलन भरी हैं।

कई एयरपोर्ट पर फंसे हैं हजारों लोग

एनडब्ल्यूए ने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बर्फबारी के साथ तूफानी हवाएं चलने का अलर्ट देकर इमरजेंसी घोषित कर दी है। जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, ला गार्डिया एयरपोर्ट और डेट्रॉइट मेट्रोपॉलिटन वेन काउंटी एयरपोर्ट समेतट देशभर के कई एयरपोर्ट पर लोग फंसे हुए हैं।

ईस्ट कोस्ट की तरफ बढ़ रहा तूफान

पूरे नॉर्थ ईस्ट अमेरिका में अलर्ट और इमरजेंसी रहेगा, क्योंकि एक शक्तिशाली बर्फीला तूफान ईस्ट कोस्ट की ओर बढ़ रहा है। वेस्ट कोस्ट से लेकर उत्तर-पूर्व और अलास्का तक तूफान आने की चेतावनी है। कैलिफोर्निया, नेवाडा, इडाहो, व्योमिंग, कोलोराडो, पेन्सिलवेनिया, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, अलास्का, कनेक्टिकट, वाशिंगटन, ओरेगन, मोंटाना, यूटा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, ओहियो, वेस्ट वर्जीनिया, मैरीलैंड, वर्जीनिया, डेलावेयर और मैसाचुसेट्स, उत्तर-पूर्वी न्यू जर्सी, पेन्सिलवेनिया में बर्फबारी होगी।

खबर संक्षेप

ग्वाटेमाला में बस खाई में गिरी, 15 की मौत

नई दिल्ली। मध्य अमेरिका में स्थित देश ग्वाटेमाला में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गवाटेमाला के पश्चिमी इलाके में इंटर-अमेरिकन हाइवे पर एक यात्रा बस खाई में गिर जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए, अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। स्थानीय फायर ब्रिगेड के प्रवक्ता लिआंद्रो अमाडो ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष, 3 महिलाएं और एक नाबालिग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 19 घायल यात्रियों को घटनास्थल से बचाया गया और इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

इंडोनेशिया में नाव डूबी 11 लोग लापता

जकार्ता(इंडोनेशिया के कोमोडो द्वीप के पास नौका डूबने से चार स्पेनिश पर्यटकों समेत 11 लोग लापता हो गए। बचावकर्मियों ने शनिवार को स्पैनिश परिवार की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि कोमोडो नेशनल पार्क के अंदर लोकप्रिय पर्यटन स्थल पदार द्वीप के पास एक टूरिस्ट नाव शुक्रवार रात डूब गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौमेरे सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख फतहुर रहमान ने बताया कि नाव में छह स्पेनिश पर्यटक, चार क्रू सदस्य और एक स्थानीय गाइड समेत कुल 11 लोग सवार थे।

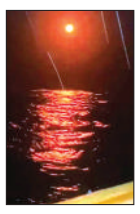

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते से गदगद हुए पीएम लक्सन बोले

रोजगार के नए अवसर सृजन होंगे, लोगों की बढ़ेगी आय, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के बाजार के न्यूजीलैंड के दरवाजे खोले

एफटीए को द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया

एफटीए को न्यूजीलैंड की बड़ी उपलब्धि बताया, 2026 की पहली तिमाही में होंगे हस्ताक्षर

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धि बताया। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि हमने अपनी पहली कार्यकाल में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता हासिल करने का वादा किया था, और हमने इसे पूरा कर दिया। यह ऐतिहासिक समझौता 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के बाजार के दरवाजे खोलकर अधिक नौकरियां, ऊंची आय और अधिक निर्यात लाएगा।

मूलभूत सुधार। भविष्य का निर्माण। उन्होंने यह बात तब कही जब भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक और लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पूरा किया। यह समझौता 22 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी और लक्सन के बीच टेलीफोन वार्ता के बाद घोषित किया गया। दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। मार्च 2025 में शुरू हुई वार्ताएं मात्र नौ महीनों में पूरी हुईं, जो भारत के सबसे तेज संपन्न एफटीए में से एक है। यह 'विकसित भारत 2047' विजन से जुड़ा है। इस समझौते के प्रमुख प्रावधानों के अनुसार न्यूजीलैंड भारत को अपने 95% निर्यातों पर शुल्क कम या समाप्त करेगा, जिसमें पहले दिन से 57% उत्पाद शुल्क-मुक्त होंगे।

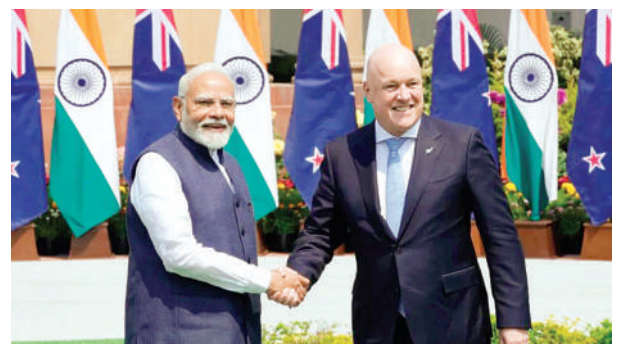

पीएम नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन (दाएं)

न्यूजीलैंड भारत में करेगा 20 अरब डॉलर का निवेश

समझौते के तहत भारत के सभी निर्यात न्यूजीलैंड में शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त करेंगे, जो कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान आदि क्षेत्रों को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर निवेश का वादा किया है। सेवाओं में भारत को आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन आदि में मजबूत पहुंच मिलेगी। भारतीय पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार वीजा की नई सुविधा, जिसमें एक समय में 5,000 वीजा तीन वर्ष तक की अवधि के लिए दिया जाएगा।

मौजूदा व्यापार को 5 साल में दुगना करने का लक्ष्य

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.3 अरब डॉलर है, जो अगले पांच वर्षों में दोगुना होने की उम्मीद है। यह समझौता रोजगार सृजन, निवेश, नवाचार और एमएसएमई को मजबूत करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता व्यापार, निवेश और लोगों के बीच संबंधों को नई गति देगा। दोनों देशों के लिए यह आर्थिक विकास और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग का प्रतीक है। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर 2026 की पहली तिमाही में होने की संभावना है।

न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री ने जताई थी आपत्ति

हालांकि, न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने हाल ही में घोषित एफटीए की कड़ी आलोचना करते हुए इसे न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष बताया था। उन्होंने कहा था कि न्यूजीलैंड भले ही भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार पूरी तरह खोल देगा, लेकिन भारत ने न्यूजीलैंड के प्रमुख डेयरी निर्यात पर लगे महत्वपूर्ण टैरिफ को कम करने पर सहमति नहीं जताई है। उन्होंने इस परिणाम को किसानों और ग्रामीण समुदायों के सामने बचाव योग्य बताया और कहा कि दुर्भाग्यवश, यह न्यूजीलैंड के लिए एक बुरा सौदा है।

डेयरी क्षेत्र नहीं खोलेगा भारतः गोयल

वहीं, समझौते के पक्ष या विपक्ष में खड़ी होती इन आवाजों के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी बीते दिनों दो टूक अंदाज में न्यूजीलैंड को ये साफ कर चुके हैं कि हम उनके लिए किसी भी सूरत में अपना डेयरी क्षेत्र नहीं खोलेंगे। इस बात का जिक्र एफटीए में भी कहीं पर नहीं किया गया है। भारत के लिए डेयरी क्षेत्र एक रेड लाइन यानी लक्ष्मण रेखा है। जिसे लेकर कोई समझौता नहीं किया गया है।

बांग्लादेश में 'संस्कृति' पर फिर हमला

सिंगर जेम्स को गाने से रोका ईंट-पत्थर फेंके, 20 घायल

फरीदपुर में आयोजित समारोह में हमला, सिंगर जेम्स

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के फरीदपुर में लोकप्रिय गायक जेम्स के कंसर्ट में भीड़ ने हमला कर दिया। इस घटना में 20 लोग घायल हुए हैं। भीड़ में शामिल लोगों ने ईंट और पत्थर फेंके, जिससे कई लोग घायल हुए हैं। जेम्स का यह संगीत कार्यक्रम फरीदपुर जिला स्कूल के 185वें स्थापना दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम स्कूल परिसर में बनाए गए एक अस्थायी मंच पर शुक्रवार रात करीब 9 बजे होना था, तभी अचानक एक भीड़ कार्यक्रम स्थल में घुस आई और वहां मौजूद लोगों पर पत्थर और ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं, जिससे कई लोग घायल हो गए। लोगों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन अंत में संगीत समारोह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। अधिकारियों और आयोजकों ने यह जानकारी दी। जेम्स बांग्लादेशी रॉक बैंड 'नगर बाउल' के प्रमुख गायक, गीतकार और गिटार वादक हैं।

कलाकारों पर हो रहे हमले

बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने एक्स पर घटना का वीडियो साझा करते हुए देश में गायकों और कलाकारों पर हो रहे हमलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक केंद्र छायानाट को जलाकर राख कर दिया गया है। उदिची (वह संगठन जिसका उद्देश्य संगीत, रंगमंच, नृत्य, कविता पाठ और लोक संस्कृति को बढ़ावा देकर धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील चेतना को पोषित करना था) भी जलकर राख हो गया है। नसरीन ने कहा कि कुछ दिन पहले उस्ताद अलाउद्दीन खान के पोते सिराज अली खान ढाका आए थे।

विस्तृत जानकारी जुटा रही पुलिस

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सदर सर्कल) अजमीर हुसैन ने कहा कि घायलों की वास्तविक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हमले में घायल लोगों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। हम विस्तृत जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिक क्रूज की सवारी का आनंद

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में आनासागर झील में शनिवार को सूर्यास्त के समय पर्यटक इलेक्ट्रिक क्रूज की सवारी करते हुए। आनासागर झील अजमेर की ऐतिहासिक और खूबसूरत कृत्रिम झील है, जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में पृथ्वीराज चौहान के दादा, राजा अर्णोराज चौहान ने कराया था। यह अजमेर शहर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जहाँ लोग बोटिंग, टहलने और प्रकृति का आनंद लेने आते हैं, जिसके चारों ओर सुभाष उद्यान और संगमरमर के मंडप बने हैं, जिससे इसकी सुंदरता और बढ़ गई है।

अभयरैब वैक्सीन पर आईआईएल का पक्ष

ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी को कहा 'भ्रामक' कहा नकली बैच बाजार में उपलब्ध नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की अग्रणी वैक्सीन निर्माता कंपनियों में से एक इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) ने मानव एंटी-रेबीज वैक्सीन 'अभयरैब' को लेकर सामने आई हालिया खबरों पर शनिवार को स्पष्टीकरण जारी किया है।

कंपनी ने ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य एजेंसियों की ओर से जारी परामर्श को अत्यधिक सतर्कता भरा और भ्रामक बताते हुए सख्ती से खारिज किया है। आईआईएल ने कहा कि अभयरैब रेबीज वैक्सीन के जिस

अभयरैब वैक्सीन

कथित नकली बैच बैच नंबर KA24014 (निर्माण तिथि मार्च 2024, समाप्ति तिथि फरवरी 2027) का उल्लेख किया जा रहा है, उसकी पहचान जनवरी 2025 की शुरुआत में ही कर ली गई थी। कंपनी के अनुसार, यह नकली बैच अब बाजार में उपलब्ध नहीं है और इसे तुरंत वापस ले लिया गया था।

विदेश मंत्रालय ने दोहराया समर्थन

म्यांमार में लोकतांत्रिक की बहाली और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हों

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शुक्रवार को म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली और स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा समावेशी चुनावों के प्रति अपना समर्थन दोहराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत म्यांमार में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति की वापसी के पक्ष में है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत म्यांमार में लोकतांत्रिक संक्रमण का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि म्यांमार में चुनाव होने जा रहे हैं। हम ऐसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों का समर्थन करते हैं, जिनमें सभी की भागीदारी हो। भारत म्यांमार में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति की बहाली के पक्ष में खड़ा है।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

म्यांमार में आज से चुनाव का पहला चरण

अगस्त में म्यांमार के केंद्रीय चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि देश में आम चुनाव का पहला चरण 28 दिसंबर को होगा, जबकि अगले चरणों की तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई, जब जून में म्यांमार के स्टेट सिक्योरिटी एंड पीस कमीशन के अध्यक्ष सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा था कि देश में चुनाव दिसंबर और अगले वर्ष जनवरी के दौरान कराए जाएंगे।

पीएम ने की थी मुलाकातः 31 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के स्टेट सिक्योरिटी एंड पीस कमीशन के अध्यक्ष सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की थी।

गणतंत्र दिवस परेड समारोह-2026 के दौरान रचा जाएगा नया इतिहास

61वीं कैवलरी संग कर्तव्य पथ पर पहली बार कदमताल करेंगे लद्दाख के 'ज़ांस्कारी घोड़े'

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

अगले महीने 26 जनवरी को होने वाले 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान एक नया इतिहास रचा जाएगा। जिसमें पहली बार कर्तव्य पथ पर आयोजित की जाने वाली भव्य परेड में 61वीं कैवलरी के घुड़सवार दस्ते में लेह-लद्दाख की दुर्गम ऊंचाई वाले इलाकों में सेना के अभिन्न अंग के रूप में उसे रसद पहुंचाने वाले 'ज़ांस्कारी घोड़े' भी शामिल होंगे। केंद्र सरकार के विश्वसनीय सूत्रों ने 'हरिभूमि' से बातचीत में बताया कि 61वीं कैवलरी जिसे देश-दुनिया की एकमात्र सक्रिय घुड़सवार रेजिमेंट के नाम से भी जाना जाता है। परेड में करीब 59 घोड़े शामिल होंगे।

26 जनवरी के लिए रिहर्सल करते लद्दाख के 'ज़ांस्कारी घोड़े'

अलग खबर

सिलेक्टिव ब्रीडिंग से होते विकसित

जांस्करी घोड़ा लेह-लद्दाख क्षेत्र की एक प्राकृतिक नस्ल है। जिसे कारगिल जिले की जांस्कार घाटी में चयनात्मक प्रजनन (सिलेक्टिव ब्रीडिंग) के माध्यम से विकसित किया जाता है। पशुपालक मादा घोड़े के गर्भवती होने के दौरान उसे उच्च-गुणवत्ता वाली घास, विशेष आहार, उचित टीकाकरण और अन्य जरूरी देखभाल प्रदान करते हैं। इस प्रक्रिया को अपनाने के पीछे एक ऐसा जांस्कारी घोड़ा तैयार करना है। जो क्षेत्र के दुर्गम ऊंचाई वाले इलाकों में न केवल चलने बल्कि सेना के लिए जरूरी रसद सामग्री पहुंचाने में सक्षम हो।

39 से अधिक युद्ध सम्मान मिले

सेना की इस घुड़सवार रेजिमेंट ने कुल 39 से अधिक युद्ध सम्मान हासिल किए हैं। इसका आदर्श वाक्य 'अश्व शक्ति यशोबल' है। जिसका अर्थ है, 'अश्व शक्ति सदैव सर्वोच्च है'। 61वीं कैवलरी का एक घोड़ा रियो बेहद चर्चित है और उसने कुल 18 बार गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लिया है। अपनी असाधारण सेवा और समर्पण के लिए उसे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) कमंडेशन कार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

1953 में गठित की गई कैवलरी रेजिमेंट

61वीं कैवलरी के बारे में बताते हुए सूत्रों ने कहा इसका गठन वर्ष 1953 में 6 राज्य अश्व इकाइयों को संगठित कर किया गया था। जिसमें भारत की आजादी से पूर्व के समय में रही रियासतें जैसे मैसूर लांसर्स और जोधपुर लांसर्स भी शामिल रही हैं। इस रेजिमेंट की एक खास बात यह भी कि यह इतिहास की आखिरी घुड़सवार सेना का भी हिस्सा है, जिसने 1918 के हाइफा के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस दौरान इन्होंने तुर्कों के खिलाफ अंतिम घुड़सवार चार्ज का नेतृत्व किया था। इसके बाद जब 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ और उसके कुछ सालों बाद 26 जनवरी 1950 को भारत का अपना संविधान लागू किया गया।

मनोज ने कुछ दिन पहले घर को आग लगाने की कोशिश की थी

यूएस में अपने परिवार को आगजनी की धमकी देने वाला भारतवंशी गिरफ्तार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अपने ही परिवार को आग के हवाले करने की कोशिश की और उसी के साथ परिजनों को आतंकी धमकी भी दे डाली। मामला अमेरिका के टेक्सास के रहने वाले एक भारतवंशी युवा छात्र मनोज साई लेल्ला से जुड़ा हुआ है, जिसे उसके परिवार वालों ने मानसिक स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित होने का जिक्र करते हुए दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मनोज टेक्सास के ही डलास विश्वविद्यालय का छात्र भी है। उसके परिजनों ने पुलिस को अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि उसने कुछ दिन पहले घर के एक भाग में संभवतः पूजा स्थल में आग लगाने की कोशिश की थी और उसके बाद वह परिवार के लोगों को भी लगातार जानलेवा धमकी दे रहा है।

आरोप साबित होने पर बढ़ेंगी मुश्किलें

अमेरिका की पुलिस ने कहा कि मनोज पर लगाए गए आरोप प्रथम श्रेणी के गंभीर अपराधों में शामिल हैं। परिवार के सदस्यों को दी गई आतंकवादी धमकी देश के अंदर 'ए' श्रेणी का अपराध माना जाता है। पूजा स्थल को लेकर पुलिस को फिलहाल कोई सबूत नहीं मिला है। लेकिन उसका कहना है कि अगर मनोज पर परिजनों द्वारा लगाए गए तमाम आरोप साबित हो जाते हैं तो उसकी मुश्किलें काफी बढ़ जाएंगी। जिसमें ये भी संभव है कि उसे 1 लाख से लेकर 3,500 डॉलर तक का जुर्माना देना पड़े।

अन्नदाता की समृद्धि मध्यप्रदेश की प्रगति

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

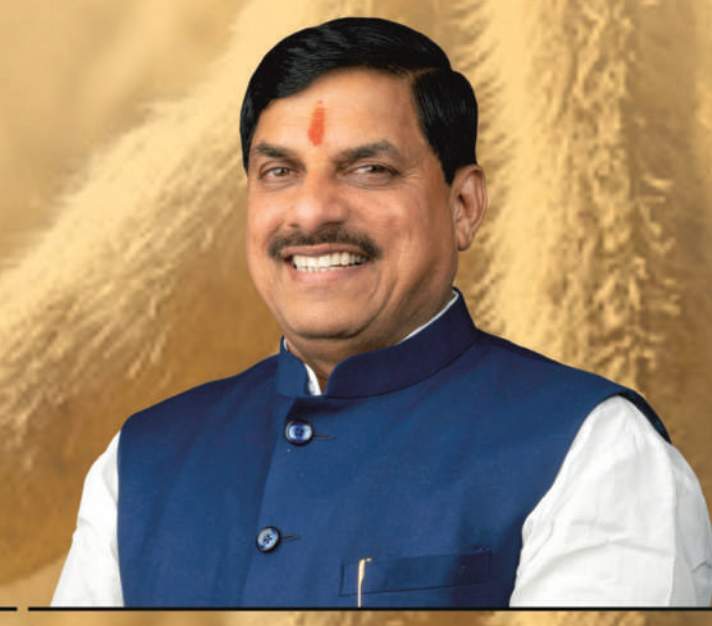

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सोयाबीन भावांतर योजना

अंतर्गत

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

अब तक

6.44 लाख किसानों को

₹1292 करोड़ की राशि अंतरित

3.77 लाख किसानों को ₹810 करोड़ की राशि का अंतरण

28 दिसम्बर, 2025

भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जावरा, जिला रतलाम

विकास और सेवा के 2 वर्ष

D-11176/25

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

तुम मुझे यूं भुला न पाओगे...

मोहम्मद रफ़ी की 101वीं जयंती पर संगीतमय श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हिंदी फ़िल्म संगीत के स्वर्णिम युग के महान गायक मोहम्मद रफ़ी की 101वीं जयंती पर भोपाल के रवींद्र भवन स्थित अंजनी ऑडिटोरियम में भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम यादें रफ़ी का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम एंजल म्यूज़िकल ग्रुप एवं सर्वानंद शैक्षणिक एवं सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ।

रवींद्र भवन में मोहम्मद रफी के गीत की प्रस्तुति देता गायक।

30 अमर गीतों की यादगार प्रस्तुति

कार्यक्रम में कुल 30 गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई, जिनमें प्रमुख रूप से एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है दोस्तो़a, शिर्डी वाले साईं बाबा, रुख़ से ज़रा नक़ाब उठाओ, ये मेरा प्रेम पत्र पढ़ कर, मेरे मितवा मेरे मीत, गर तुम भुला न दोगे, ओ दिलबर जानि,, पत्थर के सनम तुझे हमने, गुलाबी आंखें जो तेरी देखीं, अकेले हैं चले आओ, मधुबन में राधिका नाचे रे, ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे, पुकारता चला हूं मैं और तुम मुझे यूं भुला न पाओगे...जैसे गीत शामिल रहे।

एक से बढ़ कर एक गीत किए प्रस्तुत

कार्यक्रम में रफ़ी के कालजयी गीतों के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहर के नामचीन गायक-गायिकाओं इं. आशु, विपिन शर्मा, प्रदीप शर्मा, सुशील कैथिल, संजय तिवारी, मधु चौधरी, रघुवीर उबेजा, ईशान जैन, शैलेश, अवतार मेहरा, संगमित्रा, डॉ. टी.एन. दुबे, डॉ. तनिषा कुलश्रेष्ठ, फाल्गुनी, सुनील सोन्हिया सहित अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को रफ़ी युग की मधुर स्मृतियों में डुबो दिया।

महान गायक रफी के गीत की प्रस्तुति देता सिंगर।

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में ग्लोबल एलुमनी मीट 2025 में उमड़ा भावनाओं का सैलाब

मैनिट में 400 से अधिक पुराने छात्र फिर मिले तो एक पल में सिमट गई 60 साल की 'दूरी'

मनीष मान ⏭ भोपाल

राजधानी भोपाल स्थित मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) का परिसर शनिवार को भावनाओं, मुस्कान और यादों के संगम का साक्षी बना। मौका था ग्लोबल एलुमनी मीट, जिसमें देशभर से आए 400 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने शिरकत की। वर्षों बाद अपने सहपाठियों को सामने पाकर कोई गले मिलकर भावुक हुआ तो किसी की आंखों में बीते दिनों की चमक लौट आई।

कार्यक्रम में पूर्व छात्रों न सिर्फ एक-दूसरे से हालचाल जाना, बल्कि परिवारों से भी परिचय कराया। कई पूर्व छात्र अपने पुराने हॉस्टल, क्लासरूम और लैब देखने पहुंचे, जहां से उनके सपनों की उड़ान शुरू हुई थी। कार्यक्रम में 1965 बैच के वरिष्ठ पूर्व छात्रों से लेकर 2025 तक के वर्तमान स्टूडेंट्स एक ही मंच पर नजर आए। मुख्य अतिथि डीजीपी कैलाश मकवाना, विशिष्ट अतिथियों में पीके चांदे, एससी सोनी और मैनिट के डॉयरेक्टर केके शुक्ला रहे, जहां वर्सोवा थर्मल लैब का उद्घाटन किया गया, जिसके बाद दीप प्रज्वलन कर औपचारिक शुरुआत की गई।

खास बातें

- 1965 बैच से लेकर 2025 तक के स्टूडेंट्स ने मल सहभागिता
- मप्र के डीजीपी मकवाना भी हुए कार्यक्रम में शामिल
- पुरानी यादें ताज़ा, परिवारों से कराया परिचय
- पूर्व छात्र अपने पुराने हॉस्टल, क्लासरूम और लैब देखने पहुंचे
- शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए

खास खबर

ग्लोबल एलुमनी मीट का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते मप्र के डीजीपी मकवाना व अतिथि।

राजनीति, उद्योग और स्टार्टअप में मैनिट का परचम

मैनिट के पूर्व छात्र आज देश-विदेश में राजनीति, प्रशासन, मल्टीनेशनल कंपनियों, उद्योग, स्टार्टअप और सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कई एलुमनी बड़े उद्योगपति बने हैं तो कई उच्च पदों पर सेवाएं दे रहे हैं।

कार्यक्रम में पूर्व छात्र एक दूसरे से मिलकर खुश हुए।

एलुमनी नेटवर्क को मजबूत करने पर जोर

कार्यक्रम के दौरान एलुमनी और वर्तमान छात्रों के बीच संवाद भी हुआ, जिसमें करियर गाइडेंस, इंडस्ट्री एक्सपोज़र और मेंटरशिप को लेकर चर्चा की गई। एलुमनी ने भविष्य में मैनिट के विकास और छात्रों के सहयोग के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के समापन पर सभी पूर्व छात्रों ने इसे अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि यह मिलन सिर्फ यादों का नहीं, बल्कि रिश्तों को फिर से जीवंत करने का अवसर था। भावनात्मक विदाई के साथ यह संकल्प भी लिया गया कि ऐसे आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि मैनिट परिवार की यह डोर हमेशा मजबूत बनी रहे।

पहले क्लासेस पॉलीटेक्निक में लगती थीः मनोरिया

1968 बैच के सुभाष मनोरिया ने बताया कि वे बीएचईएल से रिटायर हैं। मैकेनिकल में उन्होंने इंजीनियरिंग की थी। पहले क्लासेस लगती थीं वो पॉलीटेक्निक में लगती थीं। खास बात यह बताई कि पहले की इंजीनियरिंग पांच साल की हुआ करती थी और 11वीं के बाद प्रवेश मिलता था।

पूर्व छात्रों ने पेश किए गीत-संगीत

आयोजन में शाम के सत्र में सभी सहपाठी कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हॉल पहुंचे। यहां सभी ने गीत-संगीत के साथ जमकर इंजॉय किया। इनमें से कई इंजीनियर्स ने अपने-अपने सुरों का जादू बिखेरा। शाम 7 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में सभी ने एक से बढ़कर एक सांगीतिक प्रस्तुति दी। वहीं कुछ बुजुर्ग इंजीनियर्स ने अपने पुराने दिन साझा किए तो किसी ने मिमिक्री आईटम्स पेश कर लोगों का मनोरंजन किया।

1992 बैच की नीलिमा गुप्ता बनीं बिजनेस वुमेन

1992 बैच की पूर्व छात्रा नीलिमा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने मैनिट से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद खुद की कंपनी शुरू की और करोड़ों रुपए की इंडस्ट्री खड़ी की। वे मुंबई शिफ्ट हो चुकी हैं और पुराने दोस्तों के साथ नेटवर्किंग, बिजनेस डेवलपमेंट के क्षेत्र में काम कर रही हैं।

श्रीराम मंदिर प्रांगण में किया जाएगा आयोजन

अयोध्या में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों का समूह।

30 दिसंबर को भोपाल के युवाओं की अयोध्या में गूंजेगी श्रीराम गाथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल के युवाओं द्वारा आरंभ की गई सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संगीतमय प्रस्तुति श्रीराम गाथा अब अपने सबसे गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंचने जा रही है। यह प्रस्तुति 30 दिसंबर को अयोध्या में आयोजित होगी।

भोपाल के युवा कथावाचक मोहित शेवानी के नेतृत्व में यह एआई (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस) आधारित प्रस्तुति श्रीराम मंदिर प्रांगण, अंगद टीला पर सायं 8 बजे से प्रारंभ होगी। शेवानी ने बताया कि श्रीराम गाथा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भक्ति, संगीत और इतिहास का सजीव संगम है।

2024 से अब तक 104 से अधिक प्रस्तुतियां

श्रीराम गाथा की शुरुआत 7 जनवरी 2024 को भोपाल से हुई थी। श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और संघर्षों पर आधारित यह प्रस्तुति अब तक भारत एवं विदेशों में 104 से अधिक स्थानों पर प्रस्तुत की जा चुकी है।

500 वर्षों के संघर्ष का सजीव चित्रण

अयोध्या में होने वाली इस प्रस्तुति को अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए मोहित शेवानी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि पर प्रस्तुति देना मेरे लिए परम सौभाग्य है। इस मंचन में मंदिर निर्माण तक के 500 वर्षों के संघर्षपूर्ण इतिहास को संगीत, गायन और कथा-वाचन के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। इस कथा का लेखन प्रख्यात कवि प्रबुद्ध सौरभ द्वारा किया गया है।

कलाकारों की सशक्त टीम

इस भव्य मंचन में सह-गायन के लिए शुभम नाथानी, श्रीजा उपाध्याय, अभिषेक बरथरे एवं अंकिता बरथरे अपनी मधुर आवाज़ों से कथा को जीवंत बनाएंगे। प्रस्तुति में प्रयुक्त एआई आधारित विज़ुअल्स कथा को दिव्यता और भव्यता प्रदान करेंगे। इन अत्याधुनिक विज़ुअल्स का निर्माण दिव्या प्रीतमानी द्वारा किया गया है। आयोजन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्षण बनने जा रहा है।

कथक कार्यशाला में दिखा भाव अभिनय, ताल का अद्भुत संगम

कथक कार्यशाला में विद्यार्थियों को कथक से रू-ब-रू कराया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सहर्ष कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी और सरस्वती संगीत महाविद्यालय के संयुक्त निर्देशन में आयोजित कथक कार्यशाला ने कला प्रेमियों और विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की गहराइयों से रू-ब-रू कराया। इस कार्यशाला में मुंबई से पधारे प्रख्यात कथक गुरु हरीश शर्मा ने प्रतिभागियों को शिव पंचाक्षर मंत्र पर आधारित भाव-अभिनय की सूक्ष्म बारीकियों से परिचित कराया।

शिव पंचाक्षर पर आधारित भाव-अभिनय की विशेष प्रस्तुति

कार्यशाला के दौरान गुरु श्री शर्मा ने कथक के ताल, लय, ठाठ, गत और भाव पक्ष को सरल, रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आध्यात्मिक विषयों, विशेष रूप से शिव पंचाक्षर मंत्र, को कथक के माध्यम से जीवंत रूप दिया जा सकता है। उनकी शिक्षण शैली ने विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ आध्यात्मिक अनुभूति से भी जोड़ा।

कार्यशाला में हर आयु वर्ग के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी

कार्यशाला की विशेषता यह रही कि इसमें बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ साधकों सहित सभी आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जहां प्रारंभिक विद्यार्थियों के लिए यह कार्यशाला कथक की मजबूत नींव साबित हुई, वहीं उन्नत साधकों के लिए यह भाव–अभिनय की गहराई को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर बना।

संस्कृति संरक्षण के उद्देश्य से निरंतर आयोजन

कार्यक्रम के दौरान सहर्ष कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी के सचिव मोहम्मद फैजान ने कहा कि संस्था का उद्देश्य कला एवं संस्कृति को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा कथक, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक विधाओं से जुड़ी कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं, ताकि नई पीढ़ी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी रहे।

प्रतिभागियों ने जताया आभार

कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों ने गुरु श्री हरीश शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें कथक के भाव पक्ष को समझने की एक नई दृष्टि प्राप्त हुई है। नगर के सांस्कृतिक जगत में यह कथक कार्यशाला एक यादगार और प्रेरणादायक आयोजन के रूप में लंबे समय तक स्मरणीय रहेगी।

एमसीयू में आए शिमला और दिल्ली के मेहमान

कोर्स काफी नहीं, निरंतर रचनात्मकता से ही मीडिया विश्वविद्यालय रहेगा जीवंत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में सेमिस्टर परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। परीक्षा के पहले दिन शिमला और दिल्ली में पदस्थ प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) एवं लोकसभा के वरिष्ठ अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर का अवलोकन किया। परिसर में चल रहे रचनात्मक और नवाचारी प्रयोगों को देखकर अतिथियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मीडिया विश्वविद्यालय केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि लेखन, सृजन और प्रयोग की निरंतरता ही इसे जीवंत बनाती है।

अवलोकन दल में यह शामिल

अवलोकन दल में लोकसभा, दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर विकास नेमा, पीआईबी के सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन (सीबीसी) के असिस्टेंट डायरेक्टर समीर वर्मा, पराग मांडले, शिमला के सीबीसी असिस्टेंट डायरेक्टर प्रकाश पंत तथा भोपाल के एडी अजय उपाध्याय शामिल थे।

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने किया सम्मानित

शहर के आर्किटेक्ट रुचिर तिवारी को दिल्ली में मिला राष्ट्रीय सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के ख्यात आर्किटेक्ट रुचिर तिवारी को प्रकृति संरक्षण आधारित 'मन मथ प्रोजेक्ट' के लिए दिल्ली में आयोजित समारोह में जेके आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा प्रदान किया गया।

उदयपुर की अरावली पहाड़ियों में स्थित यह होटल प्रोजेक्ट प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर तैयार किया गया है। इसमें पत्थर और चूने जैसी पारंपरिक भवन सामग्रियों का उपयोग किया गया है, जिससे भवन प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है और पर्यावरण के अनुकूल भी है। यह पुरस्कार जेके सीमेंट द्वारा प्रदान किया गया।

दिल्ली में आर्किटेक्ट रुचिर तिवारी को सम्मानित किया गया।

देश के प्रसिद्ध भजन गायक मनीष अग्रवाल की प्रस्तुति आज

भोजपाल महोत्सव मेले में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों खूब बजी तालियां

तुम्हें दिल्लगी भूल जानी पड़ेगी, लेके पहला पहला प्यार पर जमकर झूमे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला में गुरुवार को बॉलीवुड की प्लेबैक सिंगर माही ठाकुर ने अपनी सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी। मही ने भीगी भीगी सी है रातें से गीतों की शुरूआत की इसके बाद आई हो कहां से गोरी आंखों का प्यार लेकर, मैं निकला गड्डी लेके जैसे एक से बढ़कर एक सुमधुर गीतों की प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गुरुवार शाम 7.30 बजे मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संजोयक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नगर सहित मेला टीम ने गणेश वंदना और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

शुक्रवार को देश के प्रसिद्ध भजन गायक मनीष अग्रवाल अपनी भजनों की प्रस्तुति देंगे। शनिवार को सूफी नाइट में डिंपल भूमि और रविवार को राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी, मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, जैसी सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देने वाली भजन गायिका स्वाति मिश्रा अपनी आवाज का जादू बिखेरेगी। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि भोजपाल महोत्सव मेला मंच पर देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। कलाकार प्रस्तुतियों से लोगों का मनोरंजन करा रहे हैं।

सिंगर माही ठाकुर ने मेले में प्रस्तुति दी

अंगना पधारो महारानी की प्रस्तुति आज

मध्य प्रदेश के जबलपुर से ताल्लुक रखने वाले मनीष अग्रवाल 'मोनी' देश के सुप्रसिद्ध भजन गायकों में से एक हैं। वे विशेष रूप से अपने 'देवी गीतों' और 'बुंदेली शैली' के भजनों के लिए जाने जाते हैं। उनकी गायकी में बुंदेलखंड की मिट्टी की खुशबू और लोक शैली का गहरा प्रभाव मिलता है। मौनी के प्रसिद्ध भजनों में अंगना पधारो महारानी उनका सबसे प्रसिद्ध देवी गीत है। कालो की काल महाकाली, शिव जी की बारात, मगरो के रथ पे आओ हे नर्मदा कुंवारी, गूंज रही महाकाली, बिगड़ी मेरी बना दो मैहर की शारदा माँ जैसी सुंदर गीतों और भजनों की प्रस्तुति देंगे। उन्होंने अपनी गायकी के माध्यम से मध्य प्रदेश की बुंदेली और क्षेत्रीय भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। वे देश-विदेश में बड़े स्तर पर भजन संध्याएं और 'माता का जगराता' करते हैं।

खबर संक्षेप

राम कथा में राम विवाह का प्रसंग सुनाया

औबेदुल्लागंज। अर्जुन नगर वार्ड 12 स्थित शिव मंदिर प्रांगण में राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन शनिवार को राम विवाह का प्रसंग गुरुदेव व्यास राजेश दुबे जी द्वारा सुनाया गया। इस दौरान आरती यादव, अरुण भावसार, इंग्लैंश यादव, मुन्नी साहू, सुनिता सैनी, अनिता पांडे, मल्होत्रा यादव, कविता यादव, पप्पू पांडे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नप अध्यक्ष चुनाव के लिए सोनू चौकसे चर्चा में

औबेदुल्लागंज। नगर परिषद

अध्यक्ष के लिए पूर्व मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे का नाम तेजी से उभर रहा है। पार्षद सुजीत यादव, सुनील सेरिया, आमिर ममनून ने बताया कि सोनू चौकसे 15 साल से नगर में सक्रिय हैं। पूर्व में उनकी पत्नी लक्ष्मी चौकसे नपा की उपाध्यक्ष रहीं है। इसके बाद उनकी पत्नी वर्तमान में नगर परिषद अध्यक्ष हैं। 10 साल से लगातार सोनू चौकसे सक्रिय हैं कि स्वयं नगर परिषद के अध्यक्ष बने। सोनू चौकसे को लोगों का समर्थन मिल रहा है। वार्ड 11 से पिछले नगर परिषद चुनाव में उनकी पत्नी लक्ष्मी चौकसे सबसे ज्यादा मतों से जीतीं थीं।

सकल हिंदू समाज का सम्मेलन 11 जनवरी को

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष अवसर पर सकल हिंदू समाज द्वारा अलग-अलग बस्तियां में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को सरस्वती नगर बस्ती में सकल हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया है। आयोजन समिति के कार्यालय का भूमि पूजन खाटू श्याम मंदिर, राजेन्द्र अनुरागी सामुदायिक भवन,शास्त्री नगर के पास किया गया।

बैठक में रेलवे की स्थिति और समस्याओं पर चर्चा

भोपाल। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन के सहयोगी संगठन द्वारा भोपाल में 22वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर एनएफआईआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह दिल्ली से भोपाल पहुंचे। बैठक में पमरे जोन जीएम शोभना बंदोपाध्याय एवं भोपाल डीआरएम पंकज त्यागी भी मौजूद रहे। इस मौके पर गुमान सिंह ने भारतीय रेलवे की स्थिति और समस्याओं पर चर्चा की। वेस्ट सेंट्रल रेलवे पर रेलवे कर्मचारियों के भारी समर्थन से कर्मचारियों की ताकत के रूप में पहचाना गया है।

शुभांक

कल्याणः	1736		
दिनः	477	82	390
रातः	135	97	458
ताराः			
दिनः	268	67	133
रातः	570	27	340

जातिसूचक शब्दों से पीड़िता को किया अपमानित, पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

ऑफिस में काम कर रही कम्प्यूटर ऑपरेटर से संचालक ने की छेड़छाड़, विरोध करने पर गाली-गलौज कर दी धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शाहपुरा के त्रिलंगा में एक्वागार्ड कंपनी के एक दफ्तर में कंप्यूटर ऑपरेटर से ऑफिस के संचालक ने छेड़छाड़ कर दी और विरोध करने पर गाली-गलौज कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर छेड़छाड़ समेत एससी-एसटी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से नर्मदापुरम निवासी 21 साल की युवती पढ़ने और प्राइवेट जॉब करने की नीयत से करीब दो माह पूर्व भोपाल आई थी और यहां किराए के मकान में रही रही है। विगत 23 नवंबर को नौकरी के लिए उसने त्रिलंगा स्थित एक्वागार्ड कंपनी के एक दफ्तर में रिज्यूम दिया था। पांच दिसंबर को कॉल कर उसे बुलाया गया और इंटरव्यू के बाद उसे जॉब के लिए सिलेक्ट कर दिया गया। अगले दिन 6 दिसंबर से युवती ने ड्यूटी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि बीती 23 दिसंबर की शाम करीब चार बजे दफ्तर के संचालक भरत सिंह ने युवती को अपने पास बुलाया और अपने साथ घूमने-फिरने की बात कही। उसने कहा कि आपको वेतन तो मिलेगा ही, उसके अलावा ऊपर से भी पैसा मिलता रहेगा। यह बात युवती को नागवार गुजरी और उसने भरत सिंह को चेतावनी देते हुए विरोध किया, लेकिन भरत सिंह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और 26 दिसंबर को दफ्तर में उसने युवती के साथ अश्लील हरकतें कर दीं। युवती ने शोर मचाया तो आरोपी ने गाली-गलौज कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया।

युवक ने युवती से किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर हुआ खुलासा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सूखी सेवनिया के एक गांव में रहने वाली 19 साल की युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बीते अप्रैल महीने में युवती की मां की मौत होने पर परिचित हाल जानने पहुंचा था। वहां युवती को अकेला पाकर जबरन संबंध बनाए। बीते दिनों युवती के गर्भवती होने पर मामले का खुलासा हुआ। आरोपी बहला-फुसलाकर युवती को अपने साथ अनजान स्थान पर ले गया था। युवती ने लौटने के बाद आरोपी के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 19 साल की युवती घर में रहकर काम करती थी। करीब दो साल पहले एक दुकान पर युवती की मुलाकात कौसर अहमद (24) से हुई। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इस बीच अप्रैल 2025 में युवती की मां की बीमारी के चलते मौत हो गई। आरोपी कौसर अहमद युवती से सहानुभूति जताने पहुंचा था। वहां युवती का अकेला पाकर जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि कुछ दिन पहले आरोपी को पता चला कि युवती गर्भवती है। वह बहला-फुसलाकर उसे अपने साथ ले गया। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बताया जा रहा है कि दो-तीन दिन बाद युवती खुद ही घर लौट आई और आरोपी कौसर अहमद के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया।

जेल से छूटकर आए पिता ने किया 19 साल की बेटी से दुष्कर्म

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र में पिता द्वारा 19 साल की बेटी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि करीब 12-15 दिन से वह पिता के पास रह रही थी। पिता उसे डरा धमकाकर उससे शारीरिक संबंध बना रहा था। आरोपी हत्या के मामले में चौदह साल की सजा काटकर अभी दो महीने पहले ही आया है। आत्मगिलानी होने के बाद शुक्रवार को वह थाने पहुंची और पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने उसे दौबारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि युवती की मां भी पति से अलग रहती हैं।

पुलिस ने स्टाल संचालक को पकड़कर की पूछताछ

वन मेले में जड़ी-बूटी खरीदने पहुंचे एसआई से बदमाश ने तीन लाख ठगे

स्केनर से दवा का पैमेंट न होने पर दुकानदार व सहकर्मी ने मोबाइल लेकर की धोखाधड़ी

23 दिसंबर की दोपहर करीब सवा 3 बजे उप-निरीक्षक लाल परेड ग्राउंड में लगे वन मेले में घूमने गए थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

जहांगीराबाद स्थित लाल परेड मैदान पर आयोजित वन मेले में पुलिस प्रशिक्षण शाखा में पदस्थ एसआई से जड़ी-बूटी बेचने वाले स्टॉल संचालक और उसके साथी ने तीन लाख दो हजार 421 रुपए की धोखाधड़ी कर दी। दरअसल, एसआई ने 1500 रुपए की जड़ी-बूटी खरीदी थी, लेकिन जब स्केनर से पैमेंट नहीं हुआ तो स्टॉल संचालक और उसके साथी ने उनका मोबाइल मांगा। मोबाइल हाथ लगते ही आरोपियों ने उनके खाते से 3 लाख 2 हजार 421 रुपए का ट्रांजेक्शन कर दिया। कुछ देर बाद ही उनके मोबाइल पर एसबीआई के दो अलग-अलग खातों से 10 बार में उक्त राशि कटने के मैसेज पहुंचे। संदेह होने पर फरियादी स्टॉल संचालक को पकड़कर

पचमढ़ी की जड़ी-बूटी के स्टॉल पर पहुंचे और 1500 रुपए की दवा ली

जहांगीराबाद थाने पहुंच गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सीआई कॉलोनी जेल रोड जहांगीराबाद निवासी जुल्फिकार अली खान (61) मप्र पुलिस विभाग में उप-निरीक्षक हैं। इन दिनों उनकी ड्यूटी पुलिस प्रशिक्षण शाखा, पुलिस मुख्यालय में हैं। 23 दिसंबर की दोपहर करीब सवा 3 बजे वह लाल परेड ग्राउंड में लगे वन मेले में घूमने गए थे। वहां वह पचमढ़ी की जड़ी-बूटी के स्टॉल पर पहुंचे। स्टॉल पर भवानी सिंह नाम का व्यक्ति मिला। भवानी सिंह ने उनसे कहा कि मालिक सो रहे हैं। आपको क्या दवाई चाहिए। जुल्फिकार अली ने अपनी शारीरिक परेशानी बताकर 1500 रुपए की दवाई तय कर ली। दवा खरीदने के बाद वह फोन-पे के माध्यम से भवानी सिंह के दिए फोन-पे के स्केनर पर राशि का भुगतान करने लगे, लेकिन स्केनर पर पैमेंट नहीं हो रहा था। इस पर भवानी सिंह ने उप-निरीक्षक के हाथ से उनका मोबाइल लिया अपने स्केनर पर भुगतान कर दिया। इसके बाद उसने जुल्फिकार अली का मोबाइल पास खड़े अपने सहकर्मी को दे दिया।

दूसरी दुकान पर ले गया भवानी सिंह

भवानी सिंह ने जुल्फिकार अली से कहा कि इन दवाओं में दो दवाएं कम हैं। हमारे पास नहीं है, आपको दूसरी दुकान से दिला देता हूं। तब जुल्फिकार अली ने कहा कि तुमने यह बात पहले क्यों नहीं बताई। मैं यह दवाएं लेता ही नहीं। इसके बाद भवानी सिंह उन्हें दूसरी दुकान पर ले गया। वो भी उसी की दुकान थी। उसने दो दवाओं की कीमत 10 हजार रुपए बताई। जुल्फिकार अली ने दवाएं लेने से इनकार कर दिया और कहा कि मेरे 1500 रुपए वापस करो। मुझे दवाई नहीं चाहिए। तभी उन्होंने अपने मोबाइल पर 8240812920 से आए मैसेज देखे। उसमें एसबीआई योनो की लिंक आई और उसके बाद दोपहर तीन बजकर 21 मिनट से उनके बिना ओटीपी दिए उनके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के दो अलग-अलग खातों से दस अलग-अलग मैसेज कुल तीन लाख दो हजार 421 रुपए कटने के आ गए। संदेह होने पर उपनिरीक्षक जुल्फिकार अली, भवानी सिंह को पकड़कर जहांगीराबाद थाने ले जाने लगे। इस बीच रास्ते में उनके मोबाइल पर तीन अलग-अलग नंबरों से कॉल आए। एक कॉल रिसीव करने पर कोई आदिवासी भाषा में बोलने लगा। उन्होंने कॉल कट कर दिया।

जांच के दौरान मिले दस्तावेजों से बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी की आशंका

मंडीदीप में बड़े कारोबारी राज ट्रेडर्स के निवास और कार्यालय पर स्टेट जीएसटी टीम का छापा

विभाग की 14 सदस्यीय टीम ने एक साथ दी दबिश, अधिकारियों ने अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

नगर में सीमेंट और सरीया के प्रमुख कारोबारी राज ट्रेडर्स के प्रतिष्ठान पर शनिवार को स्टेट जीएसटी विभाग ने बड़ी छापेमारी कार्रवाई की। विभाग की 14 सदस्यीय टीम ने दोपहर करीब 3 बजे एक साथ कारोबारी के वार्ड 3 स्थित आवास और वार्ड 1 सेठ फूलचंद नगर स्थित कार्यालय पर दबिश दी। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान मिले

राज ट्रेडर्स की दुकान जहां की छापेमारी कार्रवाई।

दस्तावेजों से बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी की आशंका जताई जा रही है। राज ट्रेडर्स का क्षेत्र में सीमेंट और सरीया के कारोबार में बड़ा नाम है और सुपर स्टॉकिस्ट के रूप में जाना जाता है। खबर लिखे जाने तक विभाग की सर्चिंग और जांच जारी थी। जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिए है, लेकिन प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताओं के संकेत मिले हैं।

कोर्ट में सुनवाई के समय भागे आरोपी को पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मारपीट और धारदार से हमला करने के मामले जमानत पर सुनवाई के दौरान एक आरोपी जज हर्षा परमार की कोर्ट से फरार हो गया। हालांकि, बाद में एमपी नगर पुलिस ने उसे पकड़कर नोटिस तामील कराया। पुलिस के अनुसार न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षा परमार के न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण में आयुश उर्फ अमन अली को 15 दिसंबर को टीटी नगर पुलिस ने पेश किया था। अभियुक्त आयुश उर्फ अमन अली की तरफ से जमानत के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया, लेकिन अभियुक्त जमानत पर सुनवाई होने से पहले ही कोर्ट से भाग निकला।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, कार में मिला बेसुध

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कोलार थाना क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार, नेहरू नगर निवासी ईशान दुबे (24) शुक्रवार रात रेस्टोरेंट से लौट रहा था। डी-मार्ट के पास उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द और घबराहट महसूस हुई। उन्होंने तुरंत दोस्त राज को कॉल किया और मदद मांगी। राज ने तत्काल अपने दोस्त को लेने डी मार्ट के पास पहुंचाया। दोस्त मौके पर पहुंचा तो ईशान कार की ड्राइविंग सीट पर बेसुध मिला। उसे पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और फिर हमीदिया अस्पताल भेजा गया, वहां डॉक्टर ने ईशान को चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरुद्वारे में हुए आयोजन

गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों को याद कर अर्पित की पुष्पांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

नगर के गुरुद्वारों में गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के बलिदान के उपलक्ष्य में भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं ने नमन किया।

वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, मीडिया प्रभारी पंकज, ढाबा संघ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजू, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वरिष्ठ मनजीत सिंह ने बताया कि मुगल शासको के विरुद्ध संघर्ष करते और अपने धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के परिवार एवं साहिबजादों ने अल्पायु में ही शहीद हुए थे। उन्हें लोग सदैव स्मरण करते रहेंगे। वीर बाल दिवस स्मरण का नहीं, बल्कि संकल्प का दिवस है, जो हमें राष्ट्र प्रेम, धर्म रक्षा और आत्म सम्मान की

वीर बाल दिवस पर चार साहिबजादों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

गुरुद्वारे में अरदास करते हुए।

प्रेरणा देता है। इस अवसर पर हरदीप सिंह, लखविंदर सिंह लक्की, पवनजोत सिंह, माधव यादव, गजेन्द्र नागर, पुरुषोत्तम शर्मा, कोमल सिंह चौहान, महेंद्र सिंह, मनोज चौरसिया आदि लोगों ने साहिबजादे जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पटवा ने गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजाजों को किया नमन

औबेदुल्लागंज। विधायक सुरेंद्र पटवा ने कहा कि गुरु गोविंद के वीर सपूतों ने देश में धर्म और

संस्कृति की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। उन्होंने कहा श्री गुरु गोविंद सिंह जी और उनके चारों साहिबजादो के शहादत को पूरा विश्व नमन करता है। महान संत त्याग की प्रतिमूर्ति, खालसा पंथ के संस्थापक, दशमेश पिता गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। अन्याय और अधर्म के विरुद्ध आपका संघर्ष और धर्मरक्षा का संदेश संपूर्ण मानवता को सत्य, निष्ठा एवं निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

तहसीलदार, मंडी सचिव ने की हम्मालों और व्यापारियों से चर्चा

हम्माली दर बढ़ाने का आश्वासन, सोमवार से कृषि मंडी प्रांगण में शुरू होगी नीलामी

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

भारसाधक अधिकारी तहसीलदार निलेश सरवटे एवं मंडी सचिव कैलाश चंद्र बामलिया ने शनिवार को लगातार 4 घंटे हम्माल संघ और व्यापारी रमेश गौर, उत्तम नागर ने चर्चा के बाद उनकी बातें मानते हुए सोमवार से कृषि उपज मंडी में नीलामी प्रारंभ करने की बात कही। वहीं शनिवार सुबह किसानों ने मंडी प्रांगण में बैठक आयोजित की, जिसमें किसानों ने मंडी प्रशासक को ज्ञापन सौंपा था।

उसके बाद तहसीलदार, मंडी सचिव ने किसानों के प्रतिनिधियों को दोपहर में मंडी कार्यालय में आमंत्रित किया। किसानों के

मंडी प्रांगण में किसानों के साथ कांग्रेस नेता परेश नागर व अन्य।

प्रतिनिधियों को भोपाल मंडी एवं अन्य मंडियो के रेट की प्रतिलिपि दी। किसान नेताओं ने तहसीलदार को आश्वासन दिया कि हम किसानों से चर्चा करके हम्माली दर बढ़ाने का प्रयास करेंगे। हम्माल और व्यापारियों की चर्चा के बाद सोमवार से मंडी की नीलामी प्रारंभ होगी। इस अवसर पर सुदामा तिवारी, तिलक जैन, अंकित गुप्ता, किसान नेता परेश नागर, हरजीत सिंह मंगू, राजू मेहरा, केशव पचौरी, सुजीत नागर, राहुल गौर, रघुवीर गौर आदि किसान मौजूद थे।

पार्किंग न होने से लोग सड़कों पर यहां-वहां खड़े कर देते हैं वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

शहर में इधर-उधर खड़े रहने वाले छोटे-बड़े वाहनों को व्यवस्थित रूप से खड़े करने के लिए नगर पालिका द्वारा मंगल बाजार से फायर स्टेशन तक स्मार्ट पार्किंग का निर्माण लेटलतीफी की भेंट चढ़ता जा रहा है। नगर पालिका ने अक्टूबर 2022 में भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा से इसका भूमि पूजन करवाया था, लेकिन 6 महीने में बनकर तैयार होने वाली स्मार्ट पार्किंग तीन साल बीतने के बाद भी अधूरी है।

यह स्थिति तब है जब शहर के स्वर्णिम विकास कराने का दावा करने वाली नगर पालिका परिषद का यह पहला भूमि पूजन था।

नगर पालिका कर रही निर्माण कार्य, अक्टूबर 2022 में विधायक पटवा ने किया था भूमिपूजन

मंडीदीप में छः माह में बनकर तैयार होनी थी स्मार्ट पार्किंग, पर तीन साल बाद भी काम नहीं हो सका पूरा, अब भी अधूरे पड़े हैं कई काम

नपा के वादे खोखले साबित हुए

नपा परिषद द्वारा विकास कार्यों के जो खोखले वादे किए जा रहे हैं उसका उदाहरण स्मार्ट पार्किंग है, जो दो साल बाद भी अधूरी है।

दीपेश मीणा, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष।

नए वर्ष में जनता को मिलेगी सौगात

ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा नहीं करने से यह स्थिति निर्मित हुई है, लेकिन अब निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। नए वर्ष में कार्य पूर्ण कर नगर की जनता को इसकी सौगात मिलेगी।

प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, नपा अध्यक्ष

सवा करोड़ की राशि से बन रही स्मार्ट पार्किंग

नगर पालिका ने हाइवे किनारे व्यवस्थित पार्किंग बनाने की कार्ययोजना बनाकर उस पर काम शुरू किया था। नपा की इस महत्वकांक्षी योजना पर करीब 1.25 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। भूमि पूजन के समय बताया गया था कि पार्किंग आगामी 6 माह में यह बनकर तैयार हो जाएगी, लेकिन अब तक निर्माण कर पूरा नहीं हो सका है।

पार्किंग में यह होनी व्यवस्था

मंगल बाजार मिनी बस स्टैंड से फायर स्टेशन के बीच बनने वाली स्मार्ट पार्किंग में करीब 125 चार पहिया वाहन, 200 बाइक, 50 लोडिंग ऑटो तथा 50 सवारी ऑटो खड़े हो सकेंगे। पार्किंग में खड़े होने वाले वाहनों से नियमानुसार शुल्क वसूला जाएगा, जिससे इसका रखरखाव किया जा सके। इसके आलावा छोटे-छोटे पार्क, सेल्फी पॉइंट सहित यहां आने जाने वाले लोगों के बैठने के लिए बैंच लगाई जाएगी।

अधूरे निर्माण के चलते पटवा की मूर्ति का नहीं हुआ अनावरण

नपा द्वारा बनाई जा रही स्मार्ट पार्किंग में फायर स्टेशन के सामने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की आदमकद प्रतिमा स्थापित की है। बीते दो वर्ष नवंबर माह में पटवा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर प्रतिमा का अनावरण किया जाना था, लेकिन अधूरे निर्माण करके चलते अंतिम समय में इसे रोक दिया गया था।

सदस्यों से रुपए लेकर प्लॉट की नहीं की रजिस्ट्री

गृह निर्माण संस्था के भागीदार का जमानत आवेदन खारिज

सदस्यों की शिकायत पर राशि हड़पने का मामला दर्ज किया था

विधिक संवाददाता ⏭ भोपाल

सहकारी संस्था के सदस्यों से रुपए लेकर प्लॉट की रजिस्ट्री उनके नाम न कराकर राशि हड़पने वाले आरोपी विपिन टोप्पो की ओर से दायर किए गए जमानत के आवेदन को ईओडब्ल्यू के विशेष न्यायाधीश रामप्रताप मिश्र ने सुनवाई के बाद गंभीर प्रवृत्ति का अपराध होने के कारण निरस्त कर दिया।

आरोपी के अधिवक्ता ने उसे प्रकरण में निर्दोष और झूठा फंसाया जाना बताते हुए जमानत पर रिहा किए जाने की मांग की थी। ईओडब्ल्यू ने संस्था के सदस्यों के शिकायती आवेदन पर मेसर्स सेंट जूद कॉलोनाइजर के पदाधिकारी द्वारा संस्था की भूमि के प्लॉट विक्रय के नाम पर संस्था के सदस्यों से रुपए लेकर प्लॉट की रजिस्ट्री उनके नाम न कराकर राशि हड़पने की शिकायत पर अभियुक्त फादर आनंद मुंटूगल, राय जॉन तट्टा, विपिन टोप्पो, आभा टोप्पो, कांति टोप्पो, मनीष के मैथ्यू, अजमल सिंह मीणा एवं नैनसिंह व अन्य के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। अभियुक्त पर सेंट जूद कालोनाईजर के विभिन्न सदस्यों के साथ छल किए जाने तथा संस्था की राशि गबन किए जाने का अभियोग है। आरोपित अपराध व्यापक स्तर पर विभिन्न लोगों को प्रभावित करने वाला है।

हर्षवर्धन राणे अब दिखेंगे गैंगस्टर वाली फिल्म में

मुंबई। 'सनम तेरी कसम' और 'एक दीवाने की दीवानियत' से चमकने वाले हर्षवर्धन राणे धड़ाधड़ नई परियोजनाओं से जुड़ रहे हैं। एक ओर, वह निर्देशक ओमंग कुमार की आगामी फिल्म 'सिला' में व्यस्त चल रहे हैं। दूसरी ओर, वह एकता कपूर की नई फिल्म 'शूटआउट एट दुबई' के साथ भी जुड़ चुके हैं। इस फिल्म की चर्चा तो काफी पहले से थी। ताजा जानकारी है कि फिल्म के बनने से पहले ही इसके डिजिटल अधिकारों को बेच दिया गया है। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के मुताबिक, 'शूटआउट एट दुबई' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी जिसके डिजिटल स्ट्रीमिंग अधिकार नेटफ्लिक्स ने पहले ही हासिल कर लिए हैं।

लाइफ Style

रश्मिका

'मायसा' में खूंखार अवतार उड़ा देगा होश

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अगली फिल्म में रश्मिका खूंखार अवतार नजर आने वाला है जिसकी पहली झलक भी सामने आ गई है। दरअसल रश्मिका की पैन इंडिया फिल्म 'मायसा' का टीजर जारी कर दिया गया है। इस नायिका प्रधान एक्शन थ्रिलर फिल्म में उनका साहसिक लुक लोगों का दिल जीत रहा है।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपने हर किरदार से दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ती हैं। आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' में उन्होंने ड्रैकुला 'ताड़का' का किरदार निभाया, जिसे लोगों ने खूब पंसद किया। अगली फिल्म में उनका खूंखार अवतार नजर आने वाला है जिसकी पहली झलक भी सामने आ गई है। दरअसल रश्मिका की पैन इंडिया फिल्म 'मायसा' का टीजर जारी कर दिया गया है। इस नायिका प्रधान एक्शन थ्रिलर फिल्म में उनका साहसिक लुक लोगों का दिल जीत रहा है।

2026 में रिलीज होगी 'मायसा': रश्मिका ने फिल्म 'मायसा' की पहली झलक जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'हिमशैल का एक छोटा सा हिस्सा है। हम बस एक शाम के लिए कुछ मजेदार करना चाहते थे जिससे आपको आज की दुनिया दिखा सकें और बाकी गंभीर बातें? ओह्ह्ह्होहोहोहोइओ, आप उन्हें कुछ महीनों में देखेंगे।' इस पैन इंडिया फिल्म को 2026 में रिलीज किया जाएगा, लेकिन तारीख का ऐलान होना बाकी है। रवींद्र पुल्ले द्वारा निर्देशत फिल्म की कहानी गोंड जनजाति की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

हॉलीवुड मसाला

फायर एंड ऐश ने ज्यादा

नोट छापे

लॉस एंजिल्स। जेम्स कैमरून की फेमस 'अवतार' सीरीज की तीसरी फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश' और एनाकोंडा भी लोगों को बेहद पसंद आ रही है। दोनों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। चलिए जानते हैं, दोनों फिल्मों में से कौन अच्छी कमाई कर रही है। 'धुरंधर' क सफलता के बीच बॉक्स ऑफिस पर 'अवतारः फायर एंड ऐश' अच्छा खासा कलेक्शन कर रही है। फिल्म ने भारत में फिल्म के 7वें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है।

मार्वल-वार्नर ब्रदर्स के बीच 2026 में होगा महासंग्राम

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्मों के लिहाज से 2026 काफी शानदार होने वाला है। मार्वल की अगली किस्त 'एवेंजर्स डूम्सडे' रिलीज के लिए कमर कस रही है। उसके सामने 'इयून 3' खड़ी है। दोनों फिल्में दिसंबर, 2026 में और एक ही दिन पर रिलीज हो रही हैं। ऐसी अफवाह थी कि बॉक्स ऑफिस पर इस टकराव से बचने के लिए रिलीज तारीख बदली जा सकती है। अब जो खबर है, उससे साफ हो गया है कि निर्माता बदलाव के मूड में नहीं हैं। 'एवेंजर्स डूम्सडे' और 'इयून 3', दोनों ही मार्वल और वार्नर ब्रदर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्में हैं जिससे लोगों की काफी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। दोनों फिल्मों का एक दिन पर आना न सिर्फ बड़े टकराव को जन्म देगा, बल्कि एक-दूसरे की कमाई पर भी असर डालेगा।

दीपिका के बयान पर बोलीं संतुलन बनाना जरूरी

मुंबई। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने सिनेमा में 8 घंटे शिफ्ट रखने की मांग की थी। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में नई बहस छेड़ दी। कई सितारों ने दीपिका की इस मांग का समर्थन भी किया। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने इस 8 घंटे शिफ्ट वाले मामले पर अपनी राय व्यक्त की है। कियारा जुलाई, 2025 में एक बेटी 'सरायाह' की मां बनी हैं। अब उन्होंने फिल्मों में वापसी करने की पूरी तैयारी कर ली है। वोग के साथ बातचीत में, कियारा ने व्यक्तिगत और कामकाजी जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, किसी भी इंडस्ट्री में काम करने वाले, किसी भी व्यक्ति के लिए थकान और तनाव फायदेमंद नहीं होता। कियारा ने 3 शब्दों पर जोर दिया जो उनके काम के तरीके का मूल आधार हैं।

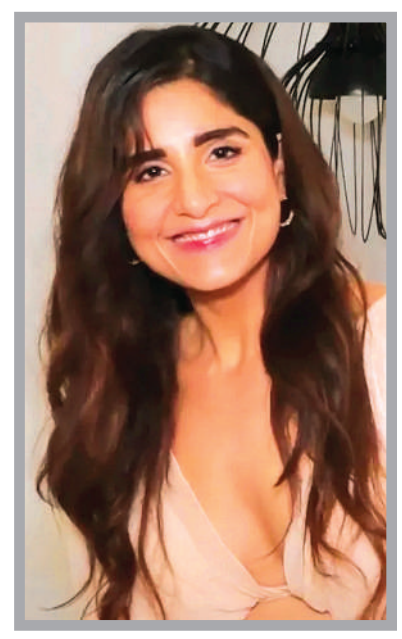

रणबीर की 'एनिमल-2' में होगी वापसी

मुंबई। अभिनेता रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' ने कई आलोचनाओं के बावजूद दर्शकों का दिल जीता था। फिल्म के दूसरे भाग 'एनमिल पार्क' का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। फिल्म की रिलीज तारीख तो तय नहीं हुई है, लेकिन इसकी शूटिंग 2027 से शुरू होने की पूरी संभावना है। चर्चा तो यह भी है कि दूसरी किस्त में, रणबीर को दोहरी भूमिका निभाते हुए देखा जाएगा। इस बीच, सलोनी बत्रा ने सीक्वल में अपनी वापसी पर बात की है। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित 'एनिमल पार्क' में सलोनी को फिर दमदार किरदार में देखा जाएगा। जूम के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, मैं 'एनिमल 2' में जरूर रहूंगी। लोगों को 'एनिमल' पसंद आई थी, इसलिए निर्माता मनोरंजन और एक्शन के लिए इस तरह की फिल्में बनाना चाहते हैं।

टीवी मसाला

कपिल ने 'धुरंधर' पर फोड़ा अपनी फिल्म की असफलता का ठीकरा

मुंबई। कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' को रिलीज हुए 12 दिन ही हुए हैं, लेकिन निर्माताओं ने इसे फिर से सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया है। ये अचानक उठाया गया कदम दर्शकों और ट्रेड पंडितों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। फिल्म को न तो दर्शकों से खास प्रतिक्रिया मिली और ना ही बॉक्स ऑफिस पर इसका जादू चला। अब कपिल की टीम ने फिल्म की असफलता पर बयान जारी किया है।

कपिल की टीम ने जारी किया बयान : कपिल की फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' 14 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। ये उनकी 2015 में आई हिट फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' का सीक्वल है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब कपिल की टीम ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में पर्याप्त स्क्रीन नहीं मिली, क्योंकि बड़े बजट और ज्यादा लोकप्रिय सितारों की फिल्मों ने ज्यादा स्क्रीन ले ली थीं।

'धुरंधर' ने बिगाड़ा कपिल की फिल्म का खेल : कपिल की टीम ने ये भी कहा कि खासकर रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज होने के बाद उनकी फिल्म के लिए शो और स्क्रीन कम रह गए। इसी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई।फिल्म को री-रिलीज करने का फैसला इसी वजह से लिया गया है। निर्माताओं ने बताया है कि जनवरी, 2026 में फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में आएगी, ताकि ये दर्शकों तक फिर से पहुंच सके और बेहतर कमाई कर सके।

क्या री-रिलीज से चमकेगी 'किस किस को प्यार करूं 2' की किस्मत?

कपिल की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। इसे देखने के लिए दर्शक ज्यादा नहीं आए और लोगों की राय भी नकारात्मक रही। फिल्म में इतनी दिलचस्पी नहीं थी कि लोग इसे दोबारा देखें। फिल्म भारत में महज 11 करोड़ कमा पाई। कई सिनेमाघरों ने तो कुछ ही दिनों में इसे हटा दिया, ताकि इसकी जगह बेहतर प्रदर्शन करने वाली नई फिल्में दिखाई जा सकें। अब देखना होगा कि ये फिल्म वापस अपना सिक्का जमा पाती है या नहीं।

नए साल की धमाकेदार शुरुआत, धर्मेन्द्र, सनी और बॉबी की तीन धांसू फिल्में होंगी रिलीज

मुंबई। नए साल की शुरुआत देओल परिवार के लिए भावनाओं से भरी होने जा रही है। एक ओर जहां सबसे पहले दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी, वहीं उनके दोनों बेटों सनी देओल और बॉबी देओल की फिल्में भी रिलीज के लिए तैयार हैं। एक्शन, इमोशन और स्टार पावर से भरपूर इन फिल्मों की राह दर्शक भी बड़ी बेसब्री से देख रहे हैं। आइए जानें कैसे जनवरी का पूरा महीना देओल परिवार के नाम रहने वाला है।

'इक्कीस' : धर्मेंद्र अब इस दुनिया में नहीं हैं। 89 साल की उम्र में भी वो अभिनय की दुनिया में सक्रिय थे। उनकी फिल्म 'इक्कीस' खूब चर्चा में है। तबीयत ठीक न होने की वजह से वो अपनी ये फिल्म पूरी नहीं देख पाए थे। 'इक्कीस' की रिलीज से पहले सनी और बॉबी अपने पिता की याद में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखेंगे। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी ये फिल्म 1 जनवरी को रिलीज हो रही है।

धर्मेंद्र की आखिरी झलक देखने को बेकरार फैंस : धर्मेंद्र ने 24 नवंबर, 2025 को इस दुनिया को अलविदा कहा था। अपने अंतिम दिनों में उन्होंने 'इक्कीस' की शूटिंग पूरी की थी, जिसमें अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ उन्हें आखिरी बार बड़े पर्दे पर देखा जा सकेगा। फिल्म के कुछ भावुक सीन और बीटीएस वीडियो में धर्मेंद्र अपने साथी कलाकारों से आखिरी बार बातें करते नजर आए। इन यादगार पलों के बाद फैंस अब अपने पसंदीदा सितारे को आखिरी बार पर्दे पर देखने को बेताब हैं।

'जन नायकन': बॉबी देओल विलेन के अवतार में थलापति विजय की 'जन नायकन' में धमाका करने आ रहे हैं। फिल्म की आधिकारिक घोषणा के समय विजय और बॉबी को एक ही फ्रेम में देखकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई थी। इस पोंगल 9 जनवरी को 'जन नायकन' सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म में पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिका में हैं, वहीं निर्देशक लोकेश कनगराज, नेल्सन दिलीप कुमार और एटली इसमें कैमियो करते दिखेंगे।

'बॉर्डर 2': उधर सालों बाद सनी देओल फिर 'फौजी' के रूप में नजर आने वाले हैं। उनकी नई फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। पिछले दिनों फिल्म का जबरदस्त टीजर लॉन्च हुआ था, जिसमें सनी अपने पिता को याद करते हुए काफी भावुक हो गए थे।

अल्लू-प्रभास सहित इन एक्टर ने ली 1,000 करोड़ी क्लब में सबसे तेज एंट्री, एक ने रचा इतिहास

मुंबई। फिल्म 'धुरंधर' ने ऐसा धमाका किया है कि हर दिन नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। रिलीज के कुछ ही समय में फिल्म ने दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इस सफलता के साथ ही रणवीर सिंह उन चुनिंदा भारतीय सितारों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने सबसे जल्दी 1,000 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री की है। आइए नजर डालते है रणवीर से पहले सबसे तेज 1,000 करोड़ी फिल्में देने वाले अभिनेताओं पर।

अल्लू अर्जुन : अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' ने विश्वभर में सिर्फ 7 दिनों में 1,000 करोड़ का कारोबार कर इतिहास रच दिया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाते हुए अल्लू अर्जुन को सबसे तेज 1,000 करोड़ क्लब में शामिल होने वाले कलाकारों की सूची में ला खड़ा किया। अभी तक अल्लू का ये रिकॉर्ड कोई भारतीय कलाकार नहीं तोड़ सका है। नेटफ्लिक्स पर मौजूद इस फिल्म ने दुनियाभर में 1,742 करोड़ रुपये कमाए थे।

प्रभास : 'पुष्पा 2' से पहले सबसे तेज 1,000 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने का रिकॉर्ड प्रभास की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' के नाम था। इसने ये मुकाम 10 दिनों में हासिल किया था। 'बाहुबली 2' ने न केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी जबरदस्त कमाई की और प्रभास को पैन इंडिया सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया। दुनियाभर में इस फिल्म ने 1788 करोड़ रुपये कमाए थे। जियो हॉटस्टार पर ये फिल्म देखी जा सकती है।

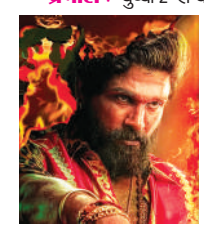

यश : यश की फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 1' ने 16 दिन में 1,000 करोड़ रुपये के जादुई क्लब में एंट्री ली थी। इस फिल्म ने केवल यश को स्टारडम ही नहीं दिया, बल्कि कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान भी दिलाई। फिल्म के शानदार एक्शन सीक्वेंस, दमदार संवाद और यश का करिश्माई अभिनय दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना। फिल्म ने दुनियाभर में 1,215 करोड़ रुपये कमाए थे। ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर है।

राम चरण- एनटीआर, शाहरुख और रणवीर : बॉक्स ऑफिस पर भारतीय फिल्मों की 1,000 करोड़ क्लब की रेस अब दर्शकों के लिए और भी रोमांचक हो गई है।

राम चरण-जूनियर एनटीआर की फिल्म 'आरआरआर' ने ये मुकाम सिर्फ 17 दिनों में हासिल किया था, वहीं शाहरुख खान की 'जवान' को इस आंकड़े तक पहुंचने में 18 दिन लगे। इस रेस में सबसे नया धमाका है रणवीर सिंह की 'धुरंधर', जिसने 21 दिन में 1,000 करोड़ क्लब में एंट्री कर दर्शकों और समीक्षकों दोनों को चौंका दिया है।

बॉलीवुड पर 37 सालों से राज कर रहा ये सुपरस्टार, देखे कई उतार-चढ़ाव

बैकग्राउंड डांसर से शुरू किया था कॅरियर, 75 रुपए थी पहली सैलरी

एंटरटेनमेंट जगत में कई सितारे है जिन्होंने सालों से बॉलीवुड पर अपनी पकड़ बनाए रखी है लेकिन, हिंदी सिनेमा में एक ऐसा सितारा भी है जो सालों से बॉलीवुड पर राज कर रहा है। हम जिस सुपरस्टार की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं सलमान खान हैं। सलमान जिस भी फिल्म में काम करते हैं, वह सुपरहिट हो जाती है। बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर ही जाती है। सलमान ने शनिवार 27 दिसंबर को अपना 60वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस दौरान सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इंदौर में हुआ था सलमान का जन्म

हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं उन्हें सलमान खान के नाम से जाना जाता है। सलमान खान का जन्म 27 दिसंबर 1965 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। वे फेमस स्क्रीन राइटर सलीम खान और उनकी पहली पत्नी सलमा के बड़े बेटे हैं। उन्होंने ग्वालियर के सिंधिया स्कूल और मुंबई के सेंट स्टैनिस्लास हाई स्कूल में पढ़ाई की है। बाद में उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज में दाखिला लिया, लेकिन अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की।

दोस्त संग डांस किया मिले इतने रुपए

दिग्गज स्क्रीन राइटर सलीम खान के बेटे होने के बावजूद, सलमान खान बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम करते थे। खुद सलमान ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था, "मेरी पहली तनख्वाह, मुझे लगता है, लगभग 75 रुपये थी। मैं ताज होटल में एक शो में डांस कर रहा था, मेरा एक दोस्त वहां डांस कर रहा था, तो उसने मुझे भी मजे के लिए अपने साथ ले लिया और मैंने भी डांस किया जिसके बदले 75 रुपए मिले। उन्होंने आगे कहा, "फिर कैम्पा कोला के लिए यह बढ़कर राशि 750 रुपये हो गई। लंबे समय तक चलने वाले ब्रांड के लिए 105 रुपये मिलते थे। फिर मुझे 'मैंने प्यार किया' के लिए 31,000 रुपये मिले, जो बाद में बढ़कर 75,000 रुपये हो गए।

'मैंने प्यार किया' से बने रातों-रात स्टार

सलमान ने 1988 में आई फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' में सपोर्टिंग रोल से बॉलीवुड में एंट्री की थी लेकिन उन्हें 1989 में सूरज बड़जात्या की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से सफलता मिली, जिसने उनके शानदार करियर की शुरुआत की। 'मैंने प्यार किया' की शूटिंग के दौरान उनका शुरुआती सैलरी महज 31 हजार रुपये थी। हालांकि निर्माताओं ने बाद में उनकी फीस बढ़ाकर 71,000 से 75,000 रुपये कर दी थी, जो उनके शुरुआती करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

दी हैं कई ब्लॉकबस्टर फिल्में

सलमान खान ने 100 से ज्यादा फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों को दीवाना बना चुके हैं। उन्होंने 'हम आपके हैं कौन..!', 'करण अर्जुन', 'हम साथ साथ हैं' जैसी कई रिकॉर्ड तोड़ हिट फिल्में दी हैं। हालांकि ऐसा दौर भी आया जब उनका करियर पटरी से उतर गया था लेकिन फिर उन्होंने 'वांटेड' से दमदार कमबैक किया। इसके बाद 'दबंग', 'बजरंगी भाईजान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से स्टारडम हासिल कर लिया।

अफेयर के चर्चे खूब, पर नहीं हो पाई शादी

गौरतलब है कि सलमान खान अभी भी कुंवारे हैं। हालांकि उनके अफेयर के चर्चे खूब रहे। सलमान खान, संगीता बिजलानी के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थे। दोनों की शादी के कार्ड भी छप चुके थे, लेकिन अंत में इनका रिश्ता टूट गया। संगीता के बाद उनका नाम सोमी अली संग जुड़ा था। सोमी ने सलमान पर मारपीट का आरोप लगाया था. इसके बाद उनके और ऐश्वर्या राय के रोमांस के चर्चे हुए। सलमान और ऐश्वर्या किस मोड़ पर खत्म हुआ, ये हर किसी को पता है। ऐश्वर्या से ब्रेकअप के बाद सलमान की जिंदगी में कटरीना की एंट्री हुई, लेकिन कुछ समय बाद दोनों अलग हो गए। चर्चा ये भी है कि अब सलमान, यूलिया वंतूर को डेट कर रहे हैं।

आईएलटी20 : शारजाह वॉरियर्स प्लेऑफ दौड़ से बाहर

एजेंसी ▶▶| शारजाह

तेज गेंदबाज नसीम शाह की शानदार गेंदबाजी और मैक्स होल्डन के नाबाद अर्धशतक की मदद से डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स पर पांच विकेट से जीत हासिल कर उसे आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। इस मैच के परिणाम से यह सुनिश्चित हो गया कि अबू धाबी नाइट राइडर्स या गल्फ जायंट्स में से कोई एक टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी।

डेजर्ट वाइपर्स, एमआई एमिरेट्स और दुबई कैपिटल्स की टीम पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। नसीम शाह ने 35 रन देखकर तीन विकेट लिए और वॉरियर्स को सात विकेट पर 140 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। वॉरियर्स की तरफ से जॉनसन चार्ल्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। मैक्स होल्डन की 46 गेंद पर नाबाद 66 रन की पारी की मदद से वाइपर्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 144 रन बनाकर जीत हासिल की।

5 विकेट से जीता डेजर्ट वाइपर्स

एसए20 : डरबन सुपर ने एमआई केपटाउन को हराया

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

रयान रिकेलटन के शतक के बावजूद एमआई केपटाउन को एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे सत्र के पहले मैच में डरबन सुपर जायंट्स से 15 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच में खूब रन वर्षा देखने को मिली तथा कुल मिलाकर 449 रन बने, जिसमें 25 छक्के और 40 चौके शामिल हैं। रिकेलटन के 65 गेंदों पर पांच चौकों और 11 छक्कों की मदद से 113 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम 233 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट पर 217 रन ही बना सकी। एमआई केपटाउन की तरफ से रिकेलटन के अलावा जैसन स्मिथ ने 41 रन का योगदान दिया।

सुपर जायंट्स ने इससे पहले पांच विकेट पर 232 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया था। उसकी तरफ से न्यूजीलैंड की सलामी जोड़ी डेवोन कॉनवे (33 गेंदों में 64 रन, सात चौके, दो छक्के) और केन विलियमसन (25 गेंद पर 40 रन) ने पावरप्ले में दबदबा बनाते हुए सिर्फ 8.3 ओवर में 96 रन जोड़े। इसके बाद जोस बटलर (12 गेंदों में 20 रन) और हेनरिक क्लासेन (14 गेंदों में 22 रन) ने लय को बरकरार रखा। उनके अलावा एडेन मार्क्रम ने 17 गेंदों में 35 और इवान जोन्स ने 14 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए।

रिकेलटन की तूफानी सेंचुरी

खबर संक्षेप

वैभव सूर्यवंशी बने अंडर 19 वनडे टीम के कप्तान

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए इंडिया अंडर 19 टीम का कप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे पर 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई ने इस दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। जिसमें वैभव को टीम की कमान दी गई है जबकि आरोन जॉर्ज को उप कप्तान बनाया गया है। टीम के नियमित कप्तान आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा चोट की वजह से सीरीज से बाहर हैं। भारतीय टीम सीरीज का पहला वनडे मैच 3 जनवरी को विलमूर पार्क में खेलेगी, जबकि सीरीज का दूसरा वनडे पांच जनवरी को खेला जाएगा वहीं आखिरी वनडे मैच सात जनवरी को विलमोर पार्क में ही खेला जाएगा। आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा को कलाई में चोट लगी है। दोनों खिलाड़ी अपनी चोटों के आगे के इलाज के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे और आईसीसी पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल होंगे।

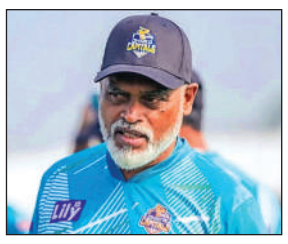

बांग्लोदश प्रीमियर लीग में हादसा, मैदान में कोच की मौत

ढाका। ढाका कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच महबूब अली जकी का निधन हो गया है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में शनिवार को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में राजशाही वॉरियर्स के खिलाफ ढाका के ओपनिंग मैच से कुछ देर पहले मैदान पर दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। यह घटना मैच शुरू होने से ठीक पहले हुई, जब टीम की तैयारियों के दौरान जकी अचानक बीमार पड़ गए और वह जमीन पर गिर गए। वेन्यू पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने तुरंत उनका इलाज किया। मैदान पर ही सीपीआर दिया गया,जिसके बाद उन्हें एम्बुलेंस से पास के अस्पताल ले जाया गया। जहां अधिकारियों ने कुछ ही देर बाद ढाका कैपिटल्स के तेज गेंदबाजी कोच को मृत घोषित कर दिया। वह 59 साल के थे।

HOCKEY INDIA LEAGUE

आज से एचआईएल, खिताब पर होगी टीमों की नजर

रांची। रांची रॉयल्स घरेलू दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर रविवार से शुरू हो रही चार टीमों की महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में दबदबा कायम करने की कोशिश करेगी जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। मेजबान टीम पिछले सत्र की कुछ उथल-पुथल के बाद टूर्नामेंट में खेल रही है क्योंकि शुरूआती सत्र की विजेता ओडिशा वॉरियर्स (महिला टीम) ने पहले

एशेज : इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर फेरा पानी

बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत, 2 दिन के अंदर कंगारुओं को चटाई धूल

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में 4 विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था, जिससे आस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी।

इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला मैच दो दिन से जीता था। यह 129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए। इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की श्रृंखला में मैच जीता था। उसने तब यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे।

एमसीजी पिच पर दो दिन में गिरे 36 विकेट

एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया। इन दोनों ने हालांकि अहम योगदान दिया। क्रॉली ने डकेट के साथ पहले विकेट के लिए 51 और बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की महत्वपूर्ण साझेदारियां की। जो रूट (15) और स्टोक्स (02) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 03) और हैरी ब्रूक (नाबाद 18) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह से इंग्लैंड ने चार जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत हासिल की।

इंग्लैंड ने 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबोया

पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान लेकिन वफादार 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'अब तक यह दौरा काफी कठिन रहा है। हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह शानदार था। हमने साहसिक खेल दिखाया और अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। जब मैं आउट हुआ तब हम लक्ष्य से 10 रन पीछे थे। मैं जानता था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। जीत के साथ अंत करना सुखद अहसास है।'

ऑस्ट्रेलिया के 3 बल्लेबाज पहुंच सके दोहरे अंक तक

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, झाय रिचर्डसन और बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के चार रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (46), स्मिथ (नाबाद 24) और कैमरन ग्रीन (19) शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में सस्ते में आउट करने में कार्स ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 34 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्टोक्स ने 24 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने नाइटवॉचमैन बोलैंड (06) का विकेट जल्दी खो दिया। इसके बाद जैक वेदरल्ड (05) और मार्नस लाबुशेन (08) भी आयाराम गयाराम ही साबित हुए। हेड के आउट होने के बाद अगले दो ओवरों में उस्मान ख्वाजा (00) और एलेक्स कैरी (04) भी पवेलियन लौट गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 82 रन से छह विकेट पर 86 रन हो गया। लंच के बाद स्टोक्स ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने दूसरी स्लिप पर कैच दिया। इसके बाद कार्स ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेटने में देर नहीं लगाई।

रूट ने लारा को छोड़ा पीछे

जो रूट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 501वीं पारी में पूरे किए और सबसे तेज 22 हजार रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए, जहां पहले ब्रायन लारा थे। लारा अब चौथे नंबर पर आ गए, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 511 पारियों में पूरे किए थे। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने इस आंकड़े को 462 पारियों में छूआ था जबकि दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने ऐसा 493वें पारी में किया था।

मेलबर्न में फेंकी गई कुल 852 गेंदें

मेलबर्न में खेला गया एशेज टेस्ट दो दिन में खत्म हुआ। इतिहास में सातवीं बार एशेज का कोई मैच दो दिन के अंदर खत्म हुआ। मेलबर्न में कुल 852 गेंदें फेंकी गई और गेंदों में हिसाब से यह चौथा सबसे छोटा एशेज टेस्ट बन गया है। मेलबर्न में चारों पारियों में कोई खलिाड़ी फिफ्टी तक नहीं लगा गया और एक भी फिफ्टी के बिना इस मैच में 500 से ज्यादा बने। ऐसा छठी बार हुआ है। यह एशेज में 150 से ज़्यादा के सफल चेज में सबसे ज़्यादा रन-रेट वाला दूसरा मैच बन गया है।

फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप

कार्लसन के साथ संयुक्त बढ़त पर अर्जुन एरिगैसी और गुकेश

एजेंसी ▶▶| दोहा

क्लासिकल प्रारुप के मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन के साथ फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप के पहले दिन के पहले पांच दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं। इस तिकड़ी ने मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के साथ 4.5 अंकों के साथ पहले दिन शीर्ष स्थान साझा किया।

कार्लसन शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने चारों बाजी आसानी से जीती लेकिन पांचवें और अंतिम दौर में एरिगैसी ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया और दोनों ने 4.5 अंकों के साथ दिन का समापन किया।

18 वर्षीय मुर्ज़िन का पहला दिन मुश्किल भरा

गुकेश ने पहले दौर में ड्रॉ से शुरुआत करते हुए शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने चार जीत हासिल कर शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई। विश्व रैपिड चैंपियनशिप के मौजूदा चैंपियन रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्ज़िन का पहला दिन काफी मुश्किल भरा रहा और वे सिर्फ दो अंक ही हासिल कर पाए। धीमी शुरुआत करने वाले खिलाड़ियों में आर प्रज्ञाननंदा भी शामिल थे। उन्होंने पहले दौर का मैच तो जीत लिया, लेकिन उसके बाद दो मैच ड्रॉ रहे। चौथे दौर में उन्हें काले मोहरों से खेलते हुए 150 से अधिक अंकों से कम रेटिंग वाले लेवान पैंटसुलाइया से हार का सामना करना पड़ा। महिला रैपिड चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी ने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ तीन अंक हासिल किए।

17 साल की तिलोत्तमा ने 50 मीटर राइफल में जीता स्वर्ण

भोपाल। बेंगलुरु की युवा निशानेबाज तिलोत्तमा सेन ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल श्री पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सत्रह साल की यह निशानेबाज देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी थी। तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। केरल की विदार्सा के विनोद ने 462.9 अंक से रजत जबकि रेलवे की आयोनिका पॉल ने 451.8 अंक के स्कोर से कांस्य पदक प्राप्त किया। तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन दौर में 591 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि विदार्सा 589 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं तिलोत्तमा की कर्नाटक की साथी अनुष्का ठाकुर 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची। फाइनल में अनुष्का बहुत कम अंतर से पदक से चूक गईं, वह 441.2 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार पांचवें और आशी चौकसे छठे स्थान पर रहीं।

श्रीलंका पर अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

पहले तीन मैच जीतकर श्रंखला अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला टीम रविवार 28 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पांच मैचों की इस श्रृंखला में अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। श्रीलंका की टीम अभी तक उसे किसी भी तरह की चुनौती नहीं दे पाई है। भारत श्रृंखला में 3-0 से आगे है। भारत ने पहले तीन मैच में लक्ष्य का पीछा किया और उसके दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने किसी भी मैच में 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की है, तीन से अधिक विकेट नहीं गंवाए हैं, और 129 रन से अधिक के लक्ष्य का सामना नहीं किया है।

■ श्रीलंका के खिलाफ चौथा महिला टी20 आज शाम 7 बजे से

टॉस ने निभाई भूमिका

इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से भारतीय गेंदबाजों को जाता है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने दो मैचों में चार विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सिंह ने ग्रीनफील्ड स्टेडियम में एक ही मैच में चार विकेट हासिल किए। टॉस ने भी थोड़ी भूमिका निभाई होगी क्योंकि हरमनप्रीत ने तीनों मौकों पर टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। इससे उनके गेंदबाजों को कम ओस वाली परिस्थितियों में गेंदबाजी करने का मौका मिला। भारतीय गेंदबाजों ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है और अब तक किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज को 40 रन की संख्या को पार नहीं करने दिया है।

यादें 2025 : भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल में पदक जीतने में हासिल की कामयाबी

मीराबाई की प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा भारतीय भारोत्तोलन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलन एक बार फिर मीराबाई चानू की अटूट प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जिनका विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक डोपिंग संबंधी चिंताओं और सीनियर स्तर पर अन्य खिलाड़ियों की निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वर्ष 2025 में इस खेल के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

एक साल से अधिक समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए मीराबाई ने स्वदेश में आयोजित राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इ स के बाद उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता, जिससे खेल की भारत में ध्वजवाहक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि हुई।

एशियाई चैंपियनशिप में निरुपमा देवी ने हासिल किया चौथा स्थान

चानू ने 199 किलोग्राम वजन उठाकर जीता रजत

मीराबाई ने नॉर्वे के फोर्डे में खेली गई प्रतियोगिता में 199 किलोग्राम के कुल भार उठाकर रजत पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 84 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम वजन उठाया। चानू के अलावा इस सत्र में अन्य सीनियर भारोत्तोलकों ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कमजोर प्रतिस्पर्धा के बावजूद पदक जीतने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उनका प्रदर्शन विश्व स्तरीय मानकों के करीब भी नहीं पहुंच पाया। एशियाई चैंपियनशिप में भी निरुपमा देवी ने महिलाओं के 64 किलोग्राम वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया, जबकि दिलबाग सिंह पुरुषों के 96 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में नौवें स्थान पर रहे।

धोती-कुर्ता में खेलेंगे खिलाड़ी, संस्कृत में होगी कॉमेंट्री

महर्षि मैत्री मैच श्रृंखला का छठवां सत्र 5 से 9 जनवरी तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में पिछले पांच साल से जारी सांस्कृतिक, सनातनी, संस्कृत अनुरागी क्रीड़ा महोत्सव के तहत भारतीय वेशभूषा में क्रिकेट मैच का आयोजन अंकुर मैदान में 5 जनवरी से 9 जनवरी तक होने जा रहा है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें सभी खिलाड़ियों की वेशभूषा पेंट या जर्सी नहीं बल्कि धोती और कुर्ता होंगे। यह एक ऐसा क्रीडा महोत्सव है जिसमें संस्कृतप्रेमी, वेदपाठी, कर्मकांडी, संस्कृतभाषी विप्रजन धोती कुर्ता में क्रिकेट खेलते हैं एवं संस्कृत में कॉमेंट्री होती है। छठवें सत्र का उद्घाटन 5 जनवरी को सुबह 9 बजे प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग, ब्रम्हचारी गिरीश जी, परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पं. विष्णु राजौरिया करेंगे। वहीं क्रिकेट मैच प्रतियोगिता प्रतिदिन सुबह 8.30 से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी एवं समापन समारोह 9 जनवरी को दोपहर तीन बजे से होगा।

स्व. हुकुमचंद स्मृति कपः राफेल एकादश को 41 रन से दी शिकस्त

डॉ. रज़ा की टीम बनी कॉर्पोरेट वर्ग की चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नितेश पलिया बने मैन ऑफ द मैच

भोपाल संभाग क्रिकेट संघ और पब्लिक वाणी द्वारा आयोजित ठाकुर हुकुम सिंह स्मृति ग्रीन पैराडाइज कप क्रिकेट प्रतियोगिता का कॉर्पोरेट ग्रुप का फाइनल मैच राफेल एकादश व डॉ. रज़ा एकादश की टीमों के बीच खेला गया। डॉ. रज़ा एकादश ने 172/6 रन बनाए। इनमें नितेश पलिया ने 63, अंबर हसन ने 33, रिजवान ख़ान ने 16 और कप्तान लोकेश मालवीय ने 15 रन बनाए। राफ़ेल एकादश के जेपी तिवारी और शिखर नवल ने 2-2 विकेट लिए, जबकि सुशील और जितेंद्र सिंह को एक-एक विकेट मिले। जवाब में राफेल एकादश की टीम 131/10 रन बनाकर आउट हो गई। इनमें मनोज सेन ने 28, अंकित शर्मा 22 और जितेंद्र सिंह ने 20 रन बनाए। डॉ. रज़ा एकादश के जिशान अली ने चार, दीपक मालवीय ने तीन विकेट लिए जबकि शिवा सिंह, नितेश पलिया और अनस ने एक -एक विकेट लिए। इस प्रकार रज़ा एकादश ने मैच को 41 रनों से जीत कर ख़िताब अपने नाम किया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए नितेश पलिया को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया ।

मैच समाप्ति के पश्चात प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि अध्यक्ष भोपाल संभाग क्रिकेट संघ ध्रुव नारायण सिंह, अधिवक्ता अजय मिश्रा की अध्यक्षता में किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सैयाद साजिद अली, शांति कुमार जैन, प्रदीप देशमुख, पुष्पेंद्र मिश्रा, डॉ. रज़ा ख़ान, स्वदेश सिंह क, राकेश सिंह बिष्ट 'बब्लू', केडी गुप्ता उपस्थित थे।

ये रहे सर्वश्रेष्ठ

मैन ऑफ द मैच फाइनल - नितेश पलिया (डॉ रज़ा एकादश)
श्रेष्ठ बल्लेबाज़:- लोकेश मालवीय (डॉ. रज़ा एकादश)
श्रेष्ठ गेंदबाज़ - रिजवान ख़ान (डॉ. रज़ा एकादश)
प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट-लोकेश मालवीय (डॉ. रज़ा एकादश)
श्रेष्ठ अनुशासित टीम :-भोपाल टाइगर
उप- विजेता :- राफेल एकादश
विजेता :- डॉ रज़ा एकादश

भोपाल और इंदौर डिवीजन के बीच फाइनल के लिए भिड़ंत शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित परमानंद भाई पटेल (चार दिवसीय)मल्टी डे अंडर- 22 बॉयज इंटर डिवीज़नल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल इंदौर के आरबीसीएफ मैदान पर भोपाल डिवीज़न और इंदौर डिवीजन के मध्य मैच प्रारम्भ हुआ। भोपाल डिवीज़न ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 55.4 ओवर में 182 रन बनाए, जिसमें विकास शर्मा ने 71 और शिवांश चतुर्वेदी ने 55 रन बनाए। इंदौर डिवीजन से गेंदबाजी करते हुए अनवेश चावला नें 4 विकेट,आयाम वर्मा नें 3 विकेट और सारांश सुराना ने 2 विकेट लिए । जवाब में इंदौर डिविजन ने बल्लेबाजी में पहले दिन का खेल खत्म होने तक 29 ओवर में 3 विकेट पर 135 रन बना लिए हैं, जिसमें अंश यादव 62 और अंश बागड़ियि 31 रन पर खेल रहे हैं। भोपाल डिवीजन से अनिमेष सिंह ने 2 विकेट लिए । कल दूसरे दिन का खेल खेला जाएगा।

38वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता चैंपियन टीम का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शाजापुर में 25 से 26 दिसंबर तक आयोजित दो दिनी 38वीं सब जूनियर राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में भोपाल जिले की बालक टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेश में भोपाल जिले का नाम गौरवान्वित किया। फाइनल मुकाबले में भोपाल बालक टीम ने इंदौर टीम को 3 रनों के मुकाबले 4 रन से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। टीम की इस शानदार सफलता में कोच लोकेश यादव का कुशल नेतृत्व एवं खिलाड़ियों का अनुशासन एवं टीम भावना विशेष रूप से सराहनीय रही। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन (एनएफआईटीयू) के अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार ने स्टेट चैंपियन भोपाल बालक सॉफ्टबॉल टीम के सभी खिलाड़ियों का सम्मान किया तथा उन्हें इस ऐतिहासिक जीत के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सतेन्द्र कुमार ने कहा कि यह जीत भोपाल जिले के उभरते खिलाड़ियों की प्रतिभा, कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है तथा भविष्य में ये खिलाड़ी प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी भोपाल का नाम रोशन करेंगे।

महिला वर्ग में एलएनसीटी की टीम उपविजेता रही

एलएनसीटीएस को आरजीपीवी नोडल बैडमिंटन पुरुष वर्ग का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय नोडल बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025–26 का आयोजन वीएनएस कॉलेज, भोपाल में किया गया। जहां एलएनसीटी ग्रुप की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया जहां एलएनसीटीएस ने पुरुष वर्ग का खिताब जीता। वहीं, एलएनसीटी की टीम ने भी सेमीफाइनल में स्थान बनाया ओर एलएनसीटीई की टीम भी क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल रही। वहीं एलएनसीटी की लड़कियां उपविजेता रहीं।

पुरुष वर्ग के फाइनल में एलएनसीटीएस एवं एसआईआरटी के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें एलएनसीटीएस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। पुरुष वर्ग के पहले सिंगल्स फाइनल मुकाबले में एलएनसीटीएस के अनुराग मिश्रा ने एसआईआरटी के अयूब लाकड़ा को 15–21, 21–15, 22–20 से पराजित किया। पुरुष वर्ग डबल्स फाइनल मुकाबले में अर्ष एवं अग्रिम (एलएनसीटीएस) को अयूब एवं अश्विन (एसआईआरटी) ने 13–21, 15–21 से हराया। रिवर्स सिंगल्स में साहिल व्यास (एलएनसीटीएस) ने अमित (एसआईआरटी) को 21–14, 21–11 से पराजित कर टीम की जीत सुनिश्चित की। महिला वर्ग में एलएनसीटी की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में आरजीपीवी से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों की 22 पुरुष टीमों एवं 14 महिला टीमों ने सहभागिता की।

नेहरू लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी पर महाकाल बंठन क्लब का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड में आयोजित नेहरू लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी प्रतियोगिता के फाइनल में महाकाल बंठन क्लब ने फ-डल्ली क्लब को 6 विकेट से हराकर कब्जा कर लिया। निर्णायक मैच में राजेंद्र ठाकुर की शानदार पारी से टीम विजयी बनी, पुरस्कार वितरण मेजर नीलेश तिवारी द्वारा दिया गया । इस मौके पर आयोजन समिति के प्रमुख संदीप खोदरे, विनोद रायकवार एवं शैलेन्द्र सिंह ठाकुर आदि मौजूद थे। टूर्नामेंट में चार टीम फ-डल्ली इलेवन, बुचके कंस्ट्रक्शन, आइकोनिक इलेवन व महाकाल बंठन ने भाग लिया। मैन ऑफ द सीरीज और बेस्ट बॉलर पीयूष रामलखानी, बेस्ट बैट्समैन राहुल रावत, बेस्ट फील्डर निखिल, बेस्ट विकेटकीपर अनुराग बुचके एवं फाइनल के मैन ऑफ द मैच राजेंद्र ठाकुर रहे।

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

वेस्ट जोन हॉकी टूर्नामेंट (वूमेन्स) में लेगी हिस्सा

स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम पुणे पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वेस्ट जोन हॉकी टूर्नामेंट (वूमेन्स) में भाग लेने स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी, पहुंच गई है। टीम में कोच दीपांशु सिंह सोलंकी और मैनेजर नलिनी खरे की अगुवाई में टीम खिताबी मुकाबले में दावेदारी पेश करेगी। महिला टीम में कप्तान नेहा सौता डिप्लोमा योगा, सुहानी नोरिया बीपीईएस द्वितीय वर्ष, कनक यादव डिप्लोमा योगा, संध्या मेहरा एमपीईएस द्वितीय वर्ष, गायत्री चौधरी बीपीईएस प्रथम वर्ष, रजनी यादव बीपीईएस प्रथम वर्ष, भावना अहिरवार बीबीए प्रथम वर्ष, खुशबू जांघेले बीपीईएस प्रथम वर्ष, अंजली गडेकर बीपीईएस प्रथम वर्ष, अमना अजीज , प्रेरणा रायकवार बीपीईएस प्रथम वर्ष, साधना यादव बीपीईएस प्रथम वर्ष, प्रिया कावरे बीपीईएस प्रथम वर्ष, नूतन राघव बीपीईएस प्रथम वर्ष,, गुंजन कश्यप (गोलकीपर) बीपीईएस प्रथम वर्ष, विनीता कुशवाहा बीकाम द्वितीय वर्ष, वंदना अहिरवार एमटेक प्रथम वर्ष अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने को तैयार हैं। खिलाड़ियों को प्रतिभागिता हेतु विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलगुरु डॉ विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश सिन्हा ने शुभकामनाएं दीं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930